NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
विजडम इंडिया
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति
EMAIL: sheelshukla100@gmail.com
लखनऊ से प्रकाशित

वर्षः 15 अंकः 256 लखनऊ, शनिवार 09 मई 2026 मूल्यः 02 रूपये पृष्ठ- 08

राज्यपाल से मिले शुभेंदु अधिकारी, सरकार बनाने का दावा किया पेश

एजेंसी।

दिल्ली। अधिकारी ने दोहराया कि वे भाजपा की नीतियों का कड़ाई से पालन करेंगे, जिससे पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के साथ उनकी प्रतिबद्धता का संकेत मिलता है। शुभेंदु अधिकारी ने बंगाल के राज्यपाल आरएन रवि से मुलाकात की और सरकार बनाने का दावा पेश किया। पश्चिम बंगाल विधानसभा को राज्य की पहली भाजपा सरकार के ऐतिहासिक शपथ ग्रहण समारोह की पूर्व संध्या पर भगवा रोशनी से जगमगाया गया है। बीजेपी विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद शुभेंदु अधिकारी ने पार्टी नेतृत्व और नवनिर्वाचित विधायकों का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि श्मुझ पर भरोसा जताने के लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह और जी का दिल से धन्यवाद करता हूं।मोदी के वादे को पूरा करने का आधिकारिक संकल्पअधिकारी ने दोहराया कि वे भाजपा की नीतियों का कड़ाई से पालन करेंगे, जिससे पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के साथ उनकी प्रतिबद्धता का संकेत मिलता है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए सभी वादे बिना किसी चूक के पूरे किए जाएंगे। भाई अब नहीं रहे, जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने कहा है, भरोसा अब है। मैं केवल भाजपा की नीतियों का पालन करूंगा और राज्य में मोदी के वादे को पूरा करने की दिशा में काम करूंगा। अधिकारी ने पार्टी विधायकों और समर्थकों की जोरदार तालियों के बीच कहा। अधिकारी ने इस बात पर जोर दिया कि बंगाल के विकास के लिए केंद्र और राज्य के बीच घनिष्ठ साझेदारी आवश्यक होगी। उन्होंने भाजपा विधायकों को आश्वासन दिया कि पार्टी के बंगाल घोषणापत्र में किए गए सभी वादों को जनता की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए व्यवस्थित रूप से लागू किया जाएगा। भ्रष्टाचार और महिलाओं के खिलाफ अपराधों की जांच सरकार के पहले कदमों का खुलासा करते हुए, अधिकारी ने तृणमूल कांग्रेस की पिछली सरकार के दौरान कथित भ्रष्टाचार और महिलाओं के खिलाफ अपराधों की जांच की घोषणा की। उन्होंने कहा, एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक आयोग सभी भ्रष्टाचार मामलों की जांच करेगा। आयोग महिलाओं के खिलाफ अत्याचार की घटनाओं की भी जांच करेंगे और दोषियों को दंडित किया जाएगा।

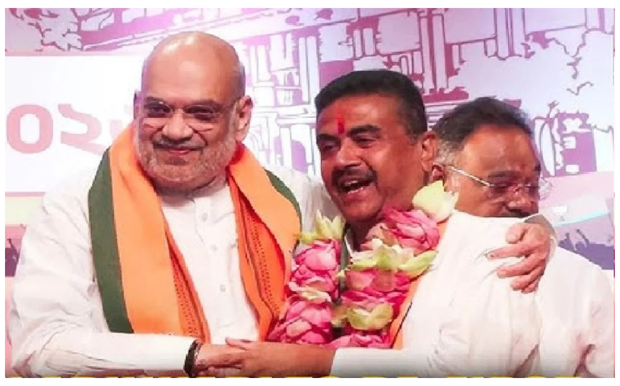

सरकारी नौकरियों में सीएम फेलो को मिलेगी उम्र में छूट, 100 अंकों की मेरिट से होगा चयन, इंटरव्यू ऐसा होगा

संवाददाता।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार की नई सीएम फेलो योजना के तहत चयनित युवाओं को सरकारी नौकरियों में उम्र सीमा में छूट मिलेगी। चयन 100 अंकों की मेरिट प्रणाली से होगा, जिसमें लिखित परीक्षा, अनुभव और इंटरव्यू शामिल हैं। चयनित फेलो को तैनाती से पहले विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।प्रदेश के हर जिले में तैनात होने वाले सीएम फैलो को सरकारी नौकरियों में उम्र में छूट मिलेगी। इस पद के लिए योग्य युवाओं के चयन के लिए पूरी प्रक्रिया जारी की गई है। तैनाती से पहले दो हफ्ते का प्रशिक्षण कराया जाएगा। प्रयोग सफल होने पर ये संख्या बढ़ाई जाने का भी प्रस्ताव है।सीएम योगी बोलेरू यूपी की नौकरियों में अब न तो सिफारिश, न ही भ्रष्टाचारय सिर्फ योग्यता का होता है सम्मानलखनऊ यूपी प्रदेश में 10 मई तक हो सकता है कैबिनेट विस्तार, उम्रदराज मंत्रियों के सिर पर लटकी तलवारय इन्हें मिलेगा मौका? यूपी कर्मचारियों के लिए राहत, परस्पर सहमति के आधार पर भी तैनाती पा सकेंगे राज्यकर्मीय

शासनादेश जारी प्रक्रिया के तहत प्रदेश के सभी जिलों में तैनात किए जाने वाले सीएम फेलो को सरकारी नौकरियों में आयु सीमा में छूट देने का प्रावधान किया गया है। पिछले सप्ताह यूपी कैबिनेट से इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद अब चयन प्रक्रिया और तैनाती व्यवस्था पर तेजी से काम शुरू हो गया है। अपर मुख्य सचिव नियोजन आलोक कुमार के मुताबिक, इस पद के लिए चयन यूपी स्टेट ट्रांसफार्मेशन कमीशन के तहत होगा जो मेरिट आधारित होगा। कुल 100 अंकों की चयन प्रणाली बनाई गई है, जिसमें 50 अंक लिखित परीक्षा, 30 अंक अधिमानी अर्हता और 20 अंक साक्षात्कार के निर्धारित किए गए हैं। इससे केवल अकादमिक योग्यता ही नहीं, बल्कि प्रशासनिक समझ, नेतृत्व क्षमता और क्षेत्रीय कार्य अनुभव वाले युवाओं को भी मौका मिलेगा। उच्च शिक्षा प्राप्त उम्मीदवारों को अतिरिक्त लाभ लिखित परीक्षा में नीति निर्माण, प्रशासनिक समझ, समसामयिक घटनाक्रम, डेटा विश्लेषण, डिजिटल गवर्नेंस और समस्या समाधान से जुड़े प्रश्न पूछे जाएंगे। अधिमानी अर्हता के तहत नीति अनुसंधान, सामाजिक क्षेत्र में कार्य अनुभव, डिजिटल टेक्नोलॉजी, डाटा मैनेजमेंट, प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग और प्रतिष्ठित संस्थानों से उच्च शिक्षा प्राप्त उम्मीदवारों को अतिरिक्त वेटेज दिया जाएगा। तैनाती से पहले चयनित फेलो को दो सप्ताह का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।प्रयोग सफल रहने पर बढ़ाई जाएगी संख्या शुरुआती चरण में सीमित संख्या में फेलो की तैनाती की जाएगी,।

तमिलनाडु बहुमत का जुगाड़ पूरा! राज्यपाल ने दिया न्योता, विजय कल बनेंगे तमिलनाडु के सीएम, 11 बजे लेंगे शपथ

अभिनेता विजय शनिवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे, राज्यपाल ने उन्हें सरकार बनाने का न्योता दिया है। टीवीके बहुमत के लिए कांग्रेस और वाम दलों के समर्थन से सरकार बना रही है, जिसका मुख्य उद्देश्य भाजपा को सत्ता से दूर रखना है।अभिनेता से राजनेता बने और तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) के प्रमुख विजय शनिवार (9 मई) को तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करने वाले हैं। जानकारी के अनुसार, शपथ ग्रहण समारोह सुबह 11 बजे होगा। विजय ने शुक्रवार को राज्यपाल आर.वी. अर्लेकर से तीसरी बार मुलाकात की और 121 विधायकों के समर्थन पत्र के साथ सरकार बनाने का दावा पेश किया। तमिलनाडु में द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन में शामिल दोनों वामपंथी दलों —— मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने कहा कि यह (समर्थन देने का) निर्णय भाजपा को राज्य में ''पिछले दरवाजे से प्रवेश'' करने से रोकने के लिए लिया गया है। हालांकि, राज्य के अधिकारों के मामले में वे (वाम दल) द्रमुक के साथ बने रहेंगे। वाम दलों ने घोषणा की कि वे टीवीके मंत्रिमंडल का हिस्सा नहीं बनेंगे। भाकपा और माकपा, दोनों के दो–दो विधायक हैं। उन्होंने दिनभर की चर्चा के बाद अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी को अपना समर्थन देने की घोषणा की। तमिलनाडु की 234 सदस्यीय विधानसभा में विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) की 108 सीटें हैं, लेकिन यह बहुमत के आंकड़े से 10 कम है। टीवीके ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के सहयोगी दलों माकपा, भाकपा और विदुथलाई चिरुथैगल काची (वीसीके) से संपर्क किया था तथा 23 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरने के बाद सरकार बनाने के लिए उनका समर्थन मांगा था। भाकपा, माकपा और वीसीके, प्रत्येक के दो–दो विधायक हैं। एक ओर जहां भाकपा ने शुरुआत में तमिलनाडु के राज्यपाल को टीवीके को समर्थन देने के अपने फैसले की सूचना दी, वहीं माकपा ने भी कुछ ही समय बाद अपने सहयोगी दल का अनुसरण किया, जिससे विजय की पार्टी साधारण बहुमत के काफी करीब पहुंच गई। वाम दलों ने राज्यपाल को संबोधित पत्र में टीवीके को अपना समर्थन देने की जानकारी दी। पांच विधायकों वाली कांग्रेस ने पहले ही टीवीके को समर्थन दे दिया है।

विधानसभा चुनावों में टीवीके 108 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। निर्वाचन आयोग के नियमों के अनुसार, पार्टी संस्थापक विजय को अपनी जीती हुई दो सीटों में से एक को छोड़ना होगा। विजय को चेन्नई के पेरम्बूर और तिरुचिरापल्ली पूर्व सीटों में से एक को छोड़ना पड़ेगा। उनके ऐसा करने की स्थिति में टीवीके और उसका समर्थन कर रहे विधायकों की कुल संख्या अब 116 हो गई है।

भीड़.भाड़ देखती रही और रंग.बरंगे कैनवास अपनी कहानी कहते रहे - देहरादून में सुभारती ललित कला विभाग की ओर से पंचम कला प्रदर्शनी का दूसरा दिन कलाकारों के नाम

विजडम इंडिया।

देहरादून। कला प्रेमियों के लिए एक विशेष अवसर लेकर आई है "कला वर्षा 2026" वार्षिक कला प्रदर्शनी, जो चित्रा इंटरनेशनल आर्ट गैलरी, बल्लूपुर में दिनांक 7 मई से 11 मई 2026 तक आयोजित हो रही है।

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता श्री आनस सुल्तान आज के प्रदर्शनकर्ता रहे, जिनका सम्मान डीन डॉ. रीता तिवारी तथा विभाग के हेड ऑफ डिपार्टमेंट श्री संतोष कुमार जी ने स्मृति चिन्ह और पताका पहनाकर किया।

प्रदर्शनी में आज देहरादून और रूड़की के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भ्रमण किया और उन्होंने सुभारती फाइन आर्ट्स के विद्यार्थियों की चित्रकृतियों एवं फैशन डिजाइन के कार्यों की प्रशंसा की। इसी के साथ आज इस प्रदर्शनी में कलाकार आनस सुल्तान ने सुभारती विश्वविद्यालय के बच्चों के बीच एक जीवंत और आकर्षक पोर्ट्रेट का डेमोन्स्ट्रेशन भी दिया। उन्होंने सभी बच्चों के काम को ध्यानपूर्वक देखते हुए उनकी पेंटिंग्स अथवा इंस्टालेशन्स के बारे में बच्चों को समझाया और भविष्य में किस प्रकार काम किया जा सकता है, इस पर भी बच्चों से बातचीत की।

यह पाँचवीं वार्षिक कला प्रदर्शनी "कला वर्षा 2026" युवा एवं उभरते कलाकारों की सृजनात्मक प्रतिभा को प्रदर्शित कर रही है।

यह प्रदर्शनी देहरादून के सभी निवासियों और कला प्रेमियों को अवश्य देखनी चाहिए, क्योंकि यह प्रदर्शनी समाज के कई पहलुओं को जोड़ते हुए तैयार की गई है।

इस भव्य आयोजन का संयोजन डॉ. मुक्ति भटनागर, सुभारती स्कूल ऑफ फाइन आर्ट्स एण्ड फैशन डिजाइन द्वारा किया जा रहा है, जो रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय, देहरादून से संबद्ध है।

यह प्रदर्शनी स्वर्गीय संघमाता डॉ. मुक्ति भटनागर को समर्पित है। इस कार्यक्रम के प्रायोजक हैंरू स्वर्णयुग डिजाइन कंसल्ट, देहरादूनय एलिफेंटा कलर्सय सवारिया स्टेशनरी स्टोर, देहरादूनय तथा कथकल्या अकादमी, देहरादून।

इस अवसर पर असिस्टेन्ट डायरेक्टर (अकादमिक) श्रीमती अवनी कमल ने कहा कि इस प्रकार के डेमोन्स्ट्रेशन से बच्चों को नई.नई तकनीकों और आज के समय में चल रही समकालीन कला के बारे में जानने और समझने का एक नया वातावरण मिलता है, जिससे उनके अंदर एक नई ऊर्जा का संचार होता है।

इस अवसर पर सुभारती विश्वविद्यालय के डीन और विभाग के हेड ऑफ डिपार्टमेंट के साथ.साथ विभाग के सम्मानित प्राध्यापकगण श्रीमती गीतिका, श्री अयुष, श्री मनोज, श्री नमन, श्री दीपक, श्री अंकुश, श्रीमती शैफाली, श्रीमती ऊर्वशी, डॉ. मनु गुप्ता, श्री शा रुख आदि उपस्थित रहे।

बंगाल में घुसपैठ-गौ तस्करी होगा खत्म, अमित शाह का ऐलान

एजेंसी।

कोलकाता में भाजपा की जीत के बाद अमित शाह ने ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि शुभेंदु अधिकारी ने उन्हें उनके ही घर में हराया है। उन्होंने बंगाल में घुसपैठ और हिंसा खत्म कर श्सोनार बांग्लाश बनाने का वादा किया और शुभेंदु को राज्य का अगला मुख्यमंत्री बताया। कोलकाता में भाजपा विधायक दल की बैठक में अमित शाह ने कहा कि मैं आप सभी को, जिनमें बंगाल के अगले मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी शामिल हैं, बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि हिंसा और धमकियों की कई घटनाएं हुई हैं, लेकिन बंगाल चुनाव में लोगों ने भाजपा पर भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले, मैं बंगाल की जनता के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहता हूँ। कम्युनिस्ट युग से चले आ रहे माहौल को ममता बनर्जी ने और भी गहरा कर दिया था, जिसके चलते वहाँ मतदान करना लगभग असंभव हो गया था। बंगाल की जनता ने भाजपा और हमारे नेता नरेंद्र मोदी पर भरोसा जताकर जो भारी जीत दिलाई है, उसके लिए मैं उनका बहुत आभारी हूँ।शाह ने कहा कि मैं पार्टी की ओर से यह भी कहना चाहता हूं कि बंगाल की जनता ने हम पर जो उम्मीदें रखी हैं, जिनके आधार पर उन्होंने हमें यह जनादेश दिया है, हम उस भरोसे को पूरी तरह से निभाने की पूरी कोशिश करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा बंगाल की लोकतांत्रिक संरचना में बदलाव लाएगी। उन्होंने कहा कि पिछले पांच दशकों से बंगाल लोकतंत्र के क्षरण, कानून–व्यवस्था के पतन, अर्थव्यवस्था की दुर्बलता और विकास की धीमी गति से जूझ रहा है। आज बंगाल एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है। अमित शाह ने कहा कि आज त्रिपुरा में हमारी सरकार है, असम में हमारी सरकार है और अब बंगाल में भी हमारी सरकार बनी है... घसपैठ और गौ तस्करी असंभव होने वाली है। दृढ़ता के साथ बंगाल सरकार और भारत सरकार इस सीमा को राष्ट्र की सुरक्षा के अभेद किले की तरह परिवर्तित कर देगी। उन्होंने कहा कि हम सभी भाजपा कार्यकर्ताओं का यह दायित्व है कि हम 'सोनार बांग्ला' के लक्ष्य को आगे बढ़ाएं और बंगाल की जनता की अपेक्षाओं को पूरा करें। आज कवि गुरु की ये पंक्तियाँ सत्य सिद्ध हो रही हैं– श्एक ऐसे बंगाल का मार्ग प्रशस्त हो चुका है जहाँ मन भयमुक्त हो और सिर गर्व से ऊंचा हो, और बंगाल उस मार्ग पर चल रहा है। शाह ने कहा कि जब अनुच्छेद 370 हटा तो देशभर के भाजपा कार्यकर्ताओं के मन में खुशी की लहर दौड़ी, लेकिन मुझे कई वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने कहा था कि अभी भी कसर बाकी है। तब मैंने आश्चर्य से पूछा था, अब क्या बचा? तब उन्होंने कहा था, बंगाल में भाजपा का झंडा फहराना बाकी है। मैं मानता हूं कि आज डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जहां भी होंगे, पीएम मोदी के नेतृत्व को आशीर्वाद दे रहे होंगे कि आज मोदी जी के नेतृत्व ने भाजपा को गंगोत्री से गंगासागर तक पहुंचाया।अमित शाह ने ऐतिहासिक जनादेश देने के लिए भाबानीपुर के सभी मतदाताओं को धन्यवाद दिया। निवर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर कटाक्ष करते हुए शाह ने कहा, 'दीदी, इस बार सुवेंदु दा (अधिकारी) ने आपको आपके घर में ही हरा दिया है।' उन्होंने कहा कि विपक्षी नेताओं को जनता की आजीविका और रोजगार के बारे में बोलने का कोई अवसर नहीं दिया जाता। उन्हें जनता की भावनाओं को व्यक्त करने की अनुमति नहीं है।

विजडम इण्डिया R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, शनिवार 09 मई 2026
sheelshukla100@gmail.com

विश्व रेड क्रास दिवस पर "मानवता में एकता" का संदेश, 50 टीबी मरीजों को वितरित की गई पोषण किट

लखनऊ, (आरएनएस)। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा रेड क्रॉस भवन, कैसरबाग में विश्व रेड क्रॉस दिवस का आयोजन "मानवता में एकता" थीम के अंतर्गत उत्साह एवं मानव सेवा की भावना के साथ किया गया। कार्यक्रम में करुणा, एकता, स्वैच्छिक सेवा तथा मानवीय कार्यों के महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई।कार्यक्रम का शुभारंभ रेड क्रॉस आंदोलन के संस्थापक सर हेनरी ड्यूनेंट के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। वक्ताओं ने कहा कि युद्ध पीड़ितों की पीड़ा को देखकर सर हेनरी ड्यूनेंट के मन में मानव सेवा का जो भाव उत्पन्न हुआ, उसी से अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस आंदोलन की स्थापना हुई, जो आज निस्वार्थ एवं निष्पक्ष मानव सेवा का प्रतीक बन चुका है।कार्यक्रम में वक्ताओं ने "मानवता में एकता" विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि मानवता सबसे बड़ा धर्म है और मानव सेवा सबसे बड़ा कर्तव्य। रेड क्रॉस संस्था आपदा राहत, रक्तदान, स्वास्थ्य जागरूकता, प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण तथा जरूरतमंद वर्गों की सहायता के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है।अनुराग मिश्रा ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं, चिकित्सीय आपात स्थितियों एवं सामाजिक संकटों के समय रेड क्रॉस सदैव अग्रणी भूमिका निभाता रहा है। उन्होंने युवाओं एवं स्वयंसेवकों की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया।नवीन गुप्ता ने संस्था की विभिन्न जनकल्याणकारी गतिविधियों की जानकारी देते हुए कहा कि रेड क्रॉस रक्त बैंक, स्वास्थ्य शिविर, प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण एवं राहत कार्यों के माध्यम से समाज के जरूरतमंद लोगों की निरंतर सेवा कर रहा है।आलोक सक्सेना ने कहा कि "मानवता में एकता" की थीम समाज को भेदभाव से ऊपर उठकर सामूहिक रूप से मानव कल्याण के लिए कार्य करने की प्रेरणा देती है।ओ. पी. पाठक ने रेड क्रॉस आंदोलन के इतिहास एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संस्था की स्थापना बिना किसी जाति, धर्म एवं राष्ट्रीयता के भेदभाव के पीड़ित मानवता की सहायता के लिए की गई थी।ऋतुराज ने युवाओं से रेड क्रॉस गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता करने का आह्वान किया तथा सामुदायिक जागरूकता एवं मानवीय मूल्यों की आवश्यकता पर बल दिया।अमरनाथ मिश्रा ने संस्था की बढ़ती जनसेवा गतिविधियों और प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समय पर दिया गया प्राथमिक उपचार दुर्घटनाओं एवं आपात स्थितियों में अनेक लोगों का जीवन बचा सकता है। उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, उद्योगों एवं स्वयंसेवकों के बीच लगातार प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।उन्होंने बताया कि रेड क्रॉस की भविष्य की योजनाओं में रक्तदान जागरूकता अभियान को मजबूत करना, स्वास्थ्य एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का विस्तार, युवाओं एवं स्वयंसेवकों की भागीदारी बढ़ाना तथा आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करना शामिल है।कार्यक्रम के दौरान भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा 50 टीबी मरीजों को गोद लेकर उन्हें पोषण किट वितरित की गई। जिला क्षय रोग अधिकारी अतुल कुमार सिंघल ने टीबी रोग के लक्षण, बचाव, उपचार एवं पौष्टिक आहार से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी।कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस अवसर पर रेड क्रॉस सदस्यों, स्वयंसेवकों, स्वास्थ्य अधिकारियों, टीबी मरीजों एवं गणमान्य नागरिकों की सक्रिय सहभागिता रही।

प्रयागराज मंडल के 27 रेलवे स्टेशनों पर मिलेगा ठंडा व सस्ता आरओ पानी

प्रयागराज। गर्मी के मौसम में रेल यात्रा करने वाले लोगों को उत्तर मध्य रेलवे ने प्रयागराज मंडल के 27 प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर अब यात्रियों को शुद्ध और शीतल जल के लिए महंगे बोतलबंद पानी पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। रेलवे प्रशासन ने इन स्टेशनों पर आधुनिक श्वाटर वेंडिंग मशीनश लगाने का निर्णय लिया है। यात्री बोतल में मात्र पांच रुपये प्रति लीटर की दर से ठंडा और शुद्ध आरओ पानी प्राप्त कर सकेंगे। रेलवे इस पूरी परियोजना को पारदर्शी बनाने के लिए दो अलग–अलग तारीखों पर ई–नीलामी करेगा। चयनित ठेकेदारों को पांच वर्षों के लिए इन मशीनों के संचालन और रखरखाव का जिम्मा सौंपा जाएगा। पहली नीलामी 12 मई को होगी। इसमें 14 स्टेशनों को शामिल किया गया है, जिनमें चुनार, झिझक, एटा, शंकरगढ़, फफूंद, डभौरा, मनौरी, बरगढ़, मांझा रोड, खागा, सिराथू, हाथरस, भरवारी और मेजा रोड शामिल हैं। दूसरी नीलामी 14 मई को होगी। इस चरण में शेष 13 स्टेशनों जैसे फतेहपुर, रूरा, घोला, अचलदा, दादरी, पनकीधाम, दनकौर, फिरोजाबाद, जलेसर सिटी, बिंड़की रोड, खुर्जा, मैनपुरी और भरथना के लिए बोलियाँ लगाई जाएंगी।यात्रियों की भारी आवाजाही को देखते हुए स्टेशनों पर वाटर वेंडिंग मशीन मशीनों की संख्या निर्धारित की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, फतेहपुर स्टेशन पर सर्वाधिक सात मशीनें लगाई जाएंगी। वहीं खुर्जा और चुनार जैसे महत्वपूर्ण स्टेशनों पर पांच–पांच मशीनों के लिए स्थान चिन्हित किए गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि मशीनों का स्थान चयन यात्रियों की सुविधा और भीड़ को ध्यान में रखकर किया गया है।वर्तमान में यात्रियों को स्टेशन पर श्रेल नीरश या अन्य ब्रांडेड बोतलबंद पानी के लिए चौदह से पंद्रह रुपये तक खर्च करने पड़ते हैं। नई व्यवस्था लागू होने के बाद, यात्रियों के खर्च में भारी कमी आएगी। इसके अलावा, जिन यात्रियों के पास अपनी बोतल नहीं होगी, उन्हें मशीन पर ही न्यूनतम अतिरिक्त शुल्क देकर बोतल सहित पानी उपलब्ध कराया जाएगा। इस पहल का एक बड़ा फायदा पर्यावरण को भी होगा। खुद की बोतल इस्तेमाल करने को प्रोत्साहन मिलने से स्टेशनों पर फेंकी जाने वाली श्सिंगल यूज प्लास्टिकश बोतलों के कचरे में प्रभावी कमी आएगी। वाटर वेंडिंग मशीनें 24 घंटे बैक्टीरिया–मुक्त और शुद्ध मिनरल वाटर की आपूर्ति सुनिश्चित करेंगी। नई रेट लिस्ट के अनुसार रेलवे द्वारा निर्धारित दरों के अनुसार, पानी की मात्रा और कीमत (बोतल यात्री की) 300 मिली दो रुपये में 500 मिली तीन रुपये, 1 लीटर पांच रुपये में 2 लीटर आठ रुपये में और 5 लीटर रूबीस रुपये में निर्धारित की गई है। यदि यात्री के पास बोतल नहीं है, तो बोतल के साथ दरें क्रमशः तीन, पांच, आठ, बारह और पच्चीस रुपये होंगी।

फांसी के फंदे से मिला विवाहिता का शव, पति हिरासत में

प्रयागराज। करछना थाना क्षेत्र में एक महिला ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने कमरे लटका शव देखा तो हड़कंप मच गया। तत्काल मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। महिला के पति को पूछताछ के लिए थाने ले जाकर मामले की जांच शुरू की।प्राप्त जानकारी के अनुसार करछना गांव के रहने वाले शिवानंद कपड़ा व्यापारी हैं। उनके परिवार में पत्नी, मां–पिता और चार भाई हैं। शिवानंद की शादी 6 मार्च 2025 को प्रतापपुर थानाक्षेत्र के गांव लालापुर के पडुवा की निवासी नंदलाल प्रजापति की पुत्री सुहानी से हुई थी। शादी के बाद सुहानी और शिवानंद के बीच सब कुछ ठीक चल रहा था।गुरूवार की रात खाना खाकर परिवार के सभी लोग अपने–अपने कमरे सोने चले गए। सुहानी और शिवानंद भी अपने कमरे में गए। सुबह 4 बजे पति शिवानंद उठे और मॉर्निंग वॉक के लिए बाहर चले गए। सुबह करीब 7 बजे घर लौटे। परिजनों ने बताया पत्नी अभी तक कमरे से बाहर नहीं निकली है। शिवानंद ने आवाज लगाई तो अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने कमरे की खिड़की से झांक कर देखा तो पत्नी साड़ी के लेस के फंदे से लटकी थी। आनन–फानन में परिजनों ने कमरे का दरवाजा खोला। सुहानी को फंदे से उतारा और अस्पताल ले गए। डॉक्टर ने जांच के बाद सुहानी को मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद मामले की जानकारी सुहानी के मायके पक्ष को दी गई। सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। मामले की सूचना पर करछना थाना पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने पूछताछ के लिए पति शिवानंद को हिरासत में लिया।

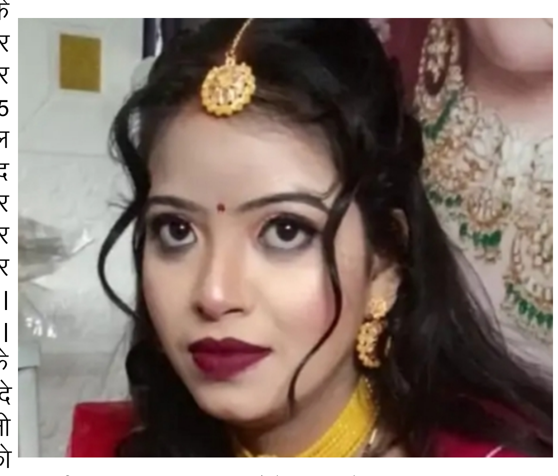

पश्चिम बंगाल से अखिलेश यादव का भाजपा पर बड़ा हमला, बोले- अब चुनाव ही नहीं देश बचाने की लड़ाई

लखनऊ(आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पश्चिम बंगाल दौरे के दौरान भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि अब लड़ाई केवल चुनाव प्रक्रिया को बचाने की नहीं, बल्कि देश को बचाने की है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश ऐसे लोगों के हाथों में चला गया है जो संविधान, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय की मूल भावना के विरोधी हैं।अखिलेश यादव ने कहा कि पश्चिम बंगाल आकर उन्हें चुनाव में "महाधांधली और महाबेईमानी" की जानकारी मिली, जिससे यह महसूस हुआ कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था खतरे में है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में संविधान, आरक्षण, स्वतंत्रता, समता–समानता, न्याय, महिलाओं के सम्मान, युवाओं, किसानों, मजदूरों और गरीबों के अधिकारों पर लगातार हमला हो रहा है।उन्होंने कहा कि पीडीए यानी पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक समाज के वर्तमान और भविष्य के अधिकारों को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा और उसके सहयोगी देश की एकता, अखंडता और भाईचारे को नुकसान पहुंचाने की राजनीति कर रहे हैं।

समाजवादी पार्टी अध्यक्ष ने कहा कि जो लोग आज सत्ता में हैं, वे आजादी से पहले भी देशहित के खिलाफ थे और आज भी देश विरोधी सोच के साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि स्वदेशी की बात करने वाले लोग विदेशों से पैसा क्यों लेते हैं और जनता से जुटाए गए चंदे का हिसाब क्यों नहीं देते।अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि नोटबंदी और वस्तु एवं सेवा कर जैसी नीतियों ने छोटे व्यापारियों और देश की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि योजनाबद्ध तरीके से योजना आयोग को समाप्त कर देश के विकास की गति को कमजोर किया गया।उन्होंने शिक्षा व्यवस्था को लेकर भी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकारी स्कूलों को कमजोर कर आम जनता के बच्चों को बेहतर शिक्षा से वंचित करने की साजिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा पर नियंत्रण स्थापित कर देश की मानसिक शक्ति को कमजोर किया जा रहा है।अखिलेश यादव ने कहा कि साम्प्रदायिकता का जहर फैलाकर देश की सामाजिक एकता को तोड़ने की कोशिश की जा रही है और राजनीतिक दलों को तोड़कर लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है जब देशवासियों को एकजुट होकर इन नकारात्मक ताकतों का मुकाबला करना होगा।

टेंट गोदाम में भीषण आग, लाखों का सामान स्वाहा पुलिस-दमकल की सूझबूझ से बड़ा हादसा टला

प्रयागराज। कीडगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत यमुना बैंक रोड स्थित बालू मंडी में देर रात टेंट के गोदामों में भीषण आग लग गई। सूखे कपड़े, बांस और लकड़ी का सामान होने के कारण आग तेजी से फैली, लेकिन पुलिस और दमकल विभाग की तत्परता से एक बड़ा हादसा टल गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना गुरुवार देर रात की है, जब बालू मंडी इलाके में टेंट के गोदामों से अचानक आग की लपटें उठने लगीं। रात का समय होने के कारण शुरुआत में आग का पता नहीं चला, लेकिन जैसे ही आग ने टेंट के कपड़ों को अपनी चपेट में लिया। लपटें ऊंची उठने लगीं और धुएं का गुबार दूर से दिखाई देने लगा। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी।

सूचना मिलते ही कीडगंज थाना पुलिस और दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए दमकल कर्मियों ने तुरंत मोर्चा संभाला। पुलिस और दमकल टीम ने आग बुझाने के साथ–साथ अपनी जान जोखिम में डालकर गोदामों के भीतर रखे टेंट के भारी सामान को बाहर निकालना शुरू किया।

टीम की सक्रियता के कारण गोदाम में रखे लाखों रुपये के कीमती कपड़े, कालीन और फर्नीचर को आग की चपेट में आने से पहले ही सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। यदि यह सामान समय रहते नहीं हटाया जाता, तो नुकसान का आंकड़ा काफी बढ़ सकता था।

आग बुझाने में दमकल की कई गाड़ियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। आग की भीषणता को देखते हुए

स्थानीय लोग भी मदद के लिए आगे आए और पुलिस का सहयोग किया। घंटों की मशक्कत के बाद आखिरकार आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। प्रशासन और पुलिस की टीम देर रात तक मौके पर मौजूद रही, ताकि आग दोबारा न भड़के।

इकाना स्टेडियम के बाहर फर्जी आईपीएल टिकट बेचने वाला अंतर्राज्यीय गिरोह गिरफ्तार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से तैयार करते थे नकली टिकट

लखनऊ(आरएनएस)। राजधानी के इकाना स्टेडियम में आईपीएल मैच के दौरान फर्जी टिकट बेचकर लोगों से ठगी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का साइबर सेल और सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस की संयुक्त टीम ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने छत्तीसगढ़ निवासी चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से फर्जी टिकट, लैपटॉप, मोबाइल फोन, बैंकिंग दस्तावेज, वाहन और डिजिटल साक्ष्य बरामद किए हैं। आरोपी कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीक और डिजाइनिंग सॉफ्टवेयर की मदद से असली जैसे दिखने वाले नकली टिकट तैयार कर ऊंचे दामों पर बेचते थे।पुलिस के अनुसार 07 मई 2026 को प्रदीप सिंह निवासी जालौन आईपीएल मैच देखने के लिए इकाना स्टेडियम पहुंचे थे। स्टेडियम के बाहर कुछ युवकों ने उन्हें टिकट बेचने की बात कही। प्रदीप सिंह ने दो टिकट खरीदकर निर्धारित डिजिटल भुगतान माध्यम से एक हजार रुपये का भुगतान किया। जब वह टिकट लेकर स्टेडियम के प्रवेश द्वार पर पहुंचे तो जांच के दौरान टिकट नकली पाए गए। इसके बाद उन्होंने थाना सुशांत गोल्फ सिटी में शिकायत दर्ज कराई।मामले की गंभीरता को देखते हुए साइबर सेल और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम गठित की गई। जांच के दौरान पुलिस ने दोदनखेड़ा चौराहे के पास से चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान श्रीकान्त बोरकर, नूतन कुमार साहू, राजेन्द्र चौधरी और विश्वजीत साहू के रूप में हुई है। सभी आरोपी छत्तीसगढ़ राज्य के दुर्ग जनपद के निवासी हैं।पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि आर्थिक तंगी और अधिक पैसा कमाने के उद्देश्य से उन्होंने फर्जी आईपीएल टिकट तैयार करने की योजना बनाई थी। गिरोह में शामिल विश्वजीत साहू डिजाइनिंग का काम करता था और उसने सोशल मीडिया मंचों से असली टिकटों की तस्वीरें डाउनलोड कर डिजाइनिंग सॉफ्टवेयर के माध्यम से टिकट तैयार किए। आरोपियों ने स्वीकार किया कि टिकटों की बनावट, आकार और कागज की गुणवत्ता को असली जैसा दिखाने के लिए उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित संवाद तकनीक का भी इस्तेमाल किया।आरोपियों ने बताया कि इससे पहले वे दिल्ली स्थित अरुण जेटली स्टेडियम में भी नकली टिकट बेचने पहुंचे थे, लेकिन वहां टिकटों की गुणवत्ता खराब होने और बारकोड मेल न खाने के कारण उन्हें सफलता नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने टिकटों में सुधार किया और 06 मई को लखनऊ पहुंचकर होटल में रुके। अगले दिन इकाना स्टेडियम के बाहर लोगों को कम कीमत का लालच देकर फर्जी टिकट बेचे गए।पुलिस के अनुसार आरोपियों के कब्जे से 15 फर्जी आईपीएल टिकट, 14 अतिरिक्त नकली टिकट, लैपटॉप, चार मोबाइल फोन, पेपर कटर, बैंक पासबुक, एटीएम कार्ड, पहचान पत्र तथा घटना में प्रयुक्त कार बरामद की गई है। ऑनलाइन भुगतान मुख्य रूप से आरोपी श्रीकान्त बोरकर के बैंक खाते में लिया जाता था।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गिरोह संगठित तरीके से विभिन्न राज्यों में जाकर क्रिकेट मैचों के दौरान फर्जी टिकट बेचने का काम करता था।

गरीबों की बस्तियां उजाड़ने के खिलाफ नागरिक समाज ने किया प्रदर्शन

बेघर नागरिकों के पुनर्वास और बुनियादी सुविधाओं की मांग

प्रयागराज। आज शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक तरीके से इलाहाबाद नागरिक समाज, प्रयागराज जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रशासन द्वारा गऊघाट स्थित झुग्गी बस्तियों को बिना किसी सूचना और वैकल्पिक व्यवस्था किए हुए बुलडोजर से जमीदोंज करने के खिलाफ और वहां रह रहे बेघर हुए लोगों को पुनर्वास और बुनियादी सुविधाएं दिए जाने की मांग के लिए धरना प्रदर्शन करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन एडीएम सिटी को सौंपा गया।धरना प्रदर्शन को सम्बोधित करते हुए नागरिकों ने कहा कि– गऊघाट में यमुना नदी के किनारे मुल्क की आजादी से पहले की बनी सैकड़ों झुग्गी झोपड़ियों को बिना किसी पूर्व सूचना और वैकल्पिक व्यवस्था किए हुए स्थानीय प्रशासन और रेलवे प्रशासन ने बुल्डोजर से जमीदोंज कर दिया है, जिससे वहां रह रहें सैकड़ों गरीब परिवार के वृद्ध नागरिक, दुधमुंहे बच्चे, गर्भवती महिलाएं चिलचिलाती धूप, बरसात, धूल भरी आंधी तूफान में भी सड़क के किनारे खुले आसमान के निचे रहने को अभिशप्त हैं। स्कूल जाने वाले बहुत से बच्चों की मजबूरी में पढ़ाई छूट गई है। उजाड़ी गई बस्ती में जहां दर्जनों बच्चे दूध के लिए तड़प रहें हैं। 2 मई को हुई बर्बर कार्यवाही के एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी शासन प्रशासन असंवेदनशील बने रहते हुए कोई भी मानवीय सहायता अभी तक नही किया है, जो भारतीय संविधान का खुला उल्लंघन है। नागरिक समाज ने ज्ञापन सौप कर यह मांग किया है कि– तोड़े गए बस्ती से बेघर हुए नागरिकों को तत्काल बुनियादी सुविधाएं दी जाय, भूख और बीमार लोगों के लिए तत्काल सरकारी राहत मुहैया करायी जाय।धरना प्रदर्शन में मुख्यरूप से डॉ आशीष मित्तल, डॉ कमल उसरी, रिशेश्वर उपाध्याय, आंनद मालवीय, सिद्धेश्वर मिश्रा, राघवेन्द्र सिंह, विश्वविजय, मुस्तकीम, सतेंद्र सिंह, परवेज सिद्दीकी, अविनाश, चंद्र प्रकाश, शीतला प्रसाद विश्वकर्मा, राजकुमार पथिक, शम्सुल इस्लाम, अमन, संजय, जय, हर्ष, चंचल, निधि, आरती, पूजा, सूर्या, प्रदीप ओबामा, रामपाल, प्रियांशु, सौम्या, प्रेमचन्द इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

सड़क पार कराने के बहाने वृद्ध महिला से चेन लूटने वाला शातिर गिरफ्तार, घटना के बाद बिहार और दिल्ली भाग गया था आरोपी

लखनऊ(आरएनएस)। राजधानी के तालकटोरा थाना क्षेत्र में वृद्ध महिला को सड़क पार कराने के बहाने गले से चेन लूटने की सनसनीखेज घटना का पुलिस ने सफल खुलासा कर दिया है। पुलिस ने वारदात को अंजाम देने वाले शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से लूटी गई चेन और मोबाइल फोन बरामद किया है। आरोपी घटना के बाद पुलिस से बचने के लिए बिहार और दिल्ली भाग गया था, लेकिन लगातार सुरागरसी और सीसीटीवी फुटेज की मदद से पुलिस ने उसे दबोच लिया।पुलिस के अनुसार 29 अप्रैल 2026 को उर्मिला श्रीवास्तव निवासी सेक्टर–12 राजाजीपुरम ने थाना तालकटोरा में तहरीर देकर बताया था कि मोहन भोग चौराहा क्षेत्र में एक युवक ने वृद्ध महिला को सड़क पार कराने के नाम पर अपने झांसे में लिया और मौका पाकर उनके गले से चेन छीनकर फरार हो गया। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया था।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त पश्चिमी के निर्देशन में दो विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया। प्रभारी निरीक्षक तालकटोरा के नेतृत्व में गठित टीमों ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और मुखबिरों की मदद से आरोपी की तलाश शुरू की। कई दिनों की लगातार मेहनत और तकनीकी जांच के बाद पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिले।07 मई 2026 को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आरोपी सुमित गुप्ता उर्फ कृष्णकान्त को ग्रीन बेल्ट पार्क क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से लूटी गई पीली धातु की चेन, जिसका वजन लगभग 6.940 ग्राम बताया गया है, तथा एक मोबाइल फोन बरामद किया गया।पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह राह चलते अकेली महिलाओं और बुजुर्ग महिलाओं को निशाना बनाता था। पहले वह मदद करने के बहाने विश्वास जीतता और फिर मौका मिलते ही चेन छीनकर भाग जाता था। आरोपी ने बताया कि वारदात के बाद वह बिहार और दिल्ली चला गया था ताकि पुलिस उसे पकड़ न सके। कुछ दिनों बाद वह वापस लखनऊ आया और लूटी गई चेन बेचने की तैयारी कर रहा था, तभी पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपी बाजारखाला क्षेत्र का रहने वाला है और उसकी उम्र करीब 28 वर्ष बताई गई है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी के खिलाफ पहले से भी आपराधिक मुकदमा दर्ज है। वर्ष 2019 में अमीनाबाद थाने में उसके विरुद्ध मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था।पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई पूरी कर उसे न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

घटना का खुलासा करने वाली तालकटोरा पुलिस टीम की अधिकारियों ने सराहना की है। पुलिस का कहना है कि महिलाओं और बुजुर्गों को निशाना बनाने वाले अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है और ऐसे अपराधियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सगाई टूटने पर योगी को बम से उड़ाने की धमकी

प्रयागराज। सगाई टूटने पर शाहजहांपुर के युवक ने सीएम योगी को बम से उड़ाने की धमकी दे दी। लड़की के भाई को फंसाने के लिए उसने व्हाट्सएप और फेसबुक पर धमकी भरा पोस्ट किया। आरोपी ने धमकी के साथ लड़की के भाई का नंबर टैग कर दिया। प्रयागराज पुलिस ने गुरुवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा कि पूछताछ में उसने जुर्म कुबूल कर लिया।

पुलिस के अनुसार आरोपी नितेश कटियार की शादी मेट्रीमोनियल वेबसाइट के जरिए तय हुई थी। लड़की वाले प्रयागराज के मऊआइमा में रहते हैं। दोनों की सगाई हुई। लेकिन कुछ दिन बाद ही लड़की वालों ने यह कहकर रिश्ता तोड़ दिया कि बेटी को खुद से दूर नहीं भेजेंगे। इससे नितेश भड़क गया। लड़की के भाई पवन चौरसिया से उसका विवाद हो गया। दोनों के बीच काफी कहासुनी हुई। नितेश ने पवन को फंसाने की प्लानिंग कर डाली। उसने 6 मई को योगी को जान से मारने की धमकी दे डाली। योगी को धमकी वाले पोस्ट के बाद पुलिस एक्शन में आ गई। मोबाइल नंबर के आधार पर पवन को हिरासत में ले लिया।पूछताछ के दौरान पवन ने पूरी बात बताई और नितेश पर शक जाहिर किया। इसके बाद पवन ने नितेश के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। फिर, पुलिस 7 मई को जलालाबाद पहुंची और नितेश कटियार को गिरफ्तार कर प्रयागराज ले आई। आरोपी नितेश कटियार, शाहजहांपुर के जलालाबाद कस्बे में मोहल्ला बुहन्नान का रहने वाला है। जलालाबाद नगर पंचायत में संविदा सफाईकर्मी है। जबकि लड़की का भाई पवन बेंगलुरु में मैकेनिकल इंजीनियर है। पवन ने बताया कि सगाई टूटने के बाद नितेश ने फोन कर मुझे धमकी दी। गालियां दीं।पवन ने साइबर सेल में शिकायत की तो नितेश ने माफी मांग ली।

लावारिस शव की नहीं हुई पहचान, तो सामाजिक संस्था अंकुरण ने कराया अंतिम संस्कार

सुल्तानपुर(आरएनएस)। शिवगढ़ थाना क्षेत्र के सकवा नहर में में एक अज्ञात महिला (उम्र करीब 28 –30 वर्ष) का शव मिलने के बाद जब कोई वारिस सामने नहीं आया, तो सामाजिक संस्था अंकुरण फाउंडेशन ने इंसानियत की मिसाल पेश की है। कानूनन तय समय सीमा बीत जाने के बाद भी जब कोई परिजन शव लेने नहीं पहुंचा तो प्रशासन के माध्यम से अंतिम संस्कार के लिए अंकुरण से संपर्क किया। अंकुरण के सदस्यों के सहयोग से अज्ञात व्यक्ति के शव को श्मशान घाट ले जाया गया। जहाँ संस्था के अध्यक्ष डॉ आशुतोष श्रीवास्तव एवं मो आरिफ खान ने महिला कांस्टेबल कांस्टेबल पूनम सिंह एवं कांस्टेबल कमला यादव के उपस्थिति में हिंदू रीति रिवाज के अनुसार मुखाग्नि देखकर उसका दाह संस्कार करवाया। अंकुरण के मीडिया प्रभारी दीपक जायसवाल ने बताया कि हर इंसान का अंतिम विदाई सम्मानजनक होनी चाहिए। संस्था इसके लिए प्रयासरत है, अभी तक करीब 60 लावारिस लाशों का दाह संस्कार संस्था द्वारा किया जा चुका है। अंतिम संस्कार के दौरान वहां मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं। स्थानीय लोगों ने अंकुरण की इस संवेदनशीलता की जमकर तारीफ की है। संस्था से जुड़े चंद्रदेव शुक्ला एवं मुकेश कुमार का कहना है कि संस्था का यह रूप समाज में विश्वास पैदा करता है कि लावारिस होने के बावजूद किसी को श्बेसहाराश् नहीं छोड़ा जाएगा। संस्था के युवा सचिव एडवोकेट प्रज्ज्वल श्रीवास्तव ने बताया कि भले ही अंतिम संस्कार कर दिया गया है, लेकिन पुलिस रिकॉर्ड में

जानकारी सुरक्षित रखी गई है ताकि भविष्य में कभी पहचान होने पर परिजनों को सूचित किया जा सके। शुरुआती जांच में जांच में मृतका के पास ऐसा कोई दस्तावेज या सामान नहीं मिला, जिससे उसकी पहचान हो सके।

विश्व रेड क्रास दिवस पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर का भव्य आयोजन

सुलतानपुर(आरएनएस)। विश्व रेड क्रॉस दिवस के पावन अवसर पर पर्यावरण पार्क, सुलतानपुर में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा निःशुल्क चिकित्सा एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। मानव सेवा, स्वास्थ्य जागरूकता एवं समाज कल्याण की भावना से प्रेरित इस शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम के संयोजक एवं रेड क्रॉस सोसाइटी के उपाध्यक्ष डॉ. राजीव श्रीवास्तव ने शिविर में आए मरीजों को चिकित्सीय परामर्श प्रदान करते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि रेड क्रॉस सदैव मानवता की सेवा के लिए समर्पित संस्था रही है तथा समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना इसका मुख्य उद्देश्य है।इस अवसर पर इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी जनपद सुल्तानपुर के चेयरमैन डॉ. डी. एस. मिश्रा ने डॉ. राजीव श्रीवास्तव को रेड क्रॉस प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि डॉ. राजीव श्रीवास्तव द्वारा रेड क्रॉस सोसाइटी में निरंतर महत्वपूर्ण योगदान दिया जाता रहा है, जो संस्था के लिए प्रेरणादायक है। कार्यक्रम में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, सुलतानपुर के सचिव श्री जय प्रकाश शुक्ल, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. संजय खत्री, डॉ. चन्द्र भान सिंह, महिला विंग सचिव दीपिका सिंह सहित अनेक गणमान्य सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं स्वयंसेवकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। प्रमुख रूप से नवीन शुक्ला, त्रिभुवन नाथ तिवारी, शिवकुमार, सूर्यांश श्रीवास्तव, मोहित शर्मा, विजेंद्र त्रिपाठी, मनोज कुमार एवं अवध ेश मिश्रा उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन डॉ. डी. एस. मिश्रा एवं उपाध्यक्ष डॉ. राजीव श्रीवास्तव द्वारा सक्रिय रूप से कार्य करने वाले स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया गया।शिविर में लगभग 200 लोगों का ब्लड प्रेशर एवं ब्लड शुगर परीक्षण किया गया। साथ ही चिकित्सकों द्वारा आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी परामर्श, रोगों से बचाव के उपाय एवं नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

वृद्ध की संदिग्ध अवस्था में मौत

जौनपुर(आरएनएस)। सिकरारा थाना क्षेत्र के दाहगीरी गांव के पास वैवाहिक कार्यक्रम में सायकिल से गए वृद्ध की संदिग्ध अवस्था में मौत हो जाने के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। बक्शा थाना क्षेत्र के बेला पार ग्राम निवासी अमरनाथ यादव गुरुवार को सिकरारा थाना क्षेत्र के देहजुरी गांव वैवाहिक कार्यक्रम में गए हुए थे साइकिल द्वारा। शुक्रवार भोर में लगभग अपने गांव के पास सड़क किनारे अचेत अवस्था में पड़े थे। परिजनों को जब जानकारी हुई तो घटना स्थल पर पहुंचकर 108 नंबर एंबुलेंस द्वारा जिला अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने देखकर मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का करण स्पष्ट होने के बाद पुलिस आगे की कार्यवाही करेंगी।

कार से कुचलकर अधेड़ की मौत

जौनपुर।(आरएनएस) सुजानगंज थाना क्षेत्र के रायपुर कला गांव में कार से कुचलकर अधेड़ की मौत हो गई। उक्त गांव निवासी 48 वर्षीय शेषमणि प्रजापति पुत्र भोनू राम प्रजापति अपने घर के पास सड़क के किनारे खड़े थे इस समय तेज गति से आ रही बिलोनो कर आई और इन्हें जोरदार टक्कर मार दिया। कार से धक्का लगने से यह हवा में उड़कर कुछ दूर जा गिरे थे। उसी समय घर के लोग दौड़कर उन्हें लेकर कई चिकित्सकों के यहां गए लेकिन चिकित्सकों ने कुछ देर बाद उनके मौत होने की पुष्टि कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई और लाश को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

धोपाप धाम में विधायक ने किया पर्यटन विकास कार्यों का शिलान्यास

1.96 करोड़ लागत से बनेगा बहुउद्देशीय हॉल व छह गेस्ट रूम

लंभुआ सुल्तानपुर(आरएनएस)। लंभुआ तहसील के ऐतिहासिक पौराणिक तीर्थ स्थल धोपाप धाम को पर्यटन मानचित्र पर लाने की कवायद शुरू हो गई है। शुक्रवार को लंभुआ विधायक सीताराम वर्मा ने 1.96 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले पर्यटन विकास कार्यों का शिलान्यास किया। पर्यटन एवं संस्कृति विभाग द्वारा इस प्रोजेक्ट के निर्माण कार्य की जिम्मेदारी जल निगम की सीएंडडीएस यूनिट–44, अयोध्या को सौंपी गई है। पर्यटन अनुभाग–1, लखनऊ ने 19 मार्च 2026 को इस कार्य की प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति प्रदान की थी। धोपाप धाम के विकास के लिए स्वीकृत प्रोजेक्ट के तहत एक बहुउद्देशीय हॉल भवन का निर्माण होगा। भूतल पर मल्टीपरपज हॉल, कॉरिडोर,

महिला–पुरुष शौचालय और सीढ़ियां बनेंगी। प्रथम तल पर अटैच्ड टॉयलेट युक्त 6 गेस्ट रूम, ओपेन टैरेस, सुलभ प्रसाधन, पेयजल व्यवस्था व म्यूरल का निर्माण कराया जाएगा। विधायक सीताराम वर्मा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह का आभार जताते हुए धोपाप धाम को राष्ट्रीय स्तर पर विकसित करने की बात कही। शाहगढ़–कुटीवा–कादीपुर मार्ग पर स्थित धोपाप धाम में सुविध ााओं के विस्तार से देश–विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं व पर्यटकों को बड़ी राहत मिलेगी। शिलान्यास कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता लक्ष्मीकांत दुबे,भाजपा नेता रविंद्र तिवारी,शाहगढ़ प्रधान प्रतिनिधि शुभम सोनकर, आर्थिक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक संजय सिंह बबलू समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

नवविवाहिता का शव फांसी के फंदे से लटका मिला, इलाके में सनसनी

चांदा सुलतानपुर(आरएनएस)। कोतवाली क्षेत्र के बरनी गांव में शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एक नवविवाहिता का शव घर के कमरे में पंखे से दुपट्टे के सहारे लटका मिला। मृतका की पहचान नेहा पत्नी सौरभ तिवारी निवासी बरनी थाना चांदा के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। सूचना पर नायब तहसीलदार अभयराज पाल, कोतवाली प्रभारी अमित कुमार मिश्रा, अपराध निरीक्षक तनवीर खान व फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई। बताया जा रहा है कि नेहा की शादी करीब एक वर्ष पूर्व हुई थी। मृतका के पति मुंबई में नौकरी करते हैं और घटना के समय मुंबई में ही मौजूद थे। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है तथा परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

महाराणा प्रताप जयंती पर भव्य प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम 9 मई को

जय प्रकाश मिश्रा बदलापुर जौनपुर

महाराणा प्रताप जयंती के पावन अवसर पर नगर पंचायत बदलापुर में महाराणा प्रताप जी की भव्य प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम 09 मई 2026 को सायं 4रू00 बजे बदलापुर चौराहे के निकट, महराजगंज रोड, भलुआही स्थित स्थल पर संपन्न होगा।कार्यक्रम को लेकर क्षेत्रवासियों में उत्साह का माहौल है। आयोजकों द्वारा बताया गया कि हिंदू हृदय सम्राट, हल्दीघाटी के वीर योद्धा महाराणा प्रताप जी की वीरता और राष्ट्रभक्ति से नई पीढ़ी को प्रेरणा मिलेगी।इस अवसर पर बदलापुर नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि वैभव सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि क्षेत्रीय जनता की मांग पर यह प्रतिमा नगर पंचायत अध्यक्ष सीमा सिंह के सौजन्य से एवं विधायक रमेश चंद्र मिश्र द्वारा लगाई जा रही है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि में बृजेश सिंह पूर्व एमएलसी गिरीश चंद्र यादव राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार उत्तर

प्रदेश राजेंद्र प्रताप सिंह मोती पूर्व मंत्री उत्तर प्रदेश कुंवर जयसिंग उर्फ जय बाबा सिंगरामऊ स्टेट तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में कृपा शंकर सिंह पूर्व गृह राज्य मंत्री महाराष्ट्र शैलेंद्र सिंह केपी सिंह अभय सिंह विधायक राकेश प्रताप सिंह विधायक अजय सिंह विधायक बृजेश सिंह प्रिंसू रमेश सिंह विधायक व विशिष्ट अतिथि के रूप में हरेंद्र प्रताप सिंह कुंवर प्रवीण प्रताप सिंह ज्ञान प्रकाश सिंह अजीत प्रजापति अजय सिंह पुष्पराज सिंह वीरू सिंह सुरेंद्र प्रताप सिंह एवं सत्येंद्र सिंह पिंटू धीरू सिंह अजय सिंह विपिन सिंह सजल सिंह इंद्रभान सिंह सहित क्षेत्र के गणमान्य लोग कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे

आयोजकों ने क्षेत्र की जनता से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

सड़क हादसे में छात्रा की मौत

जौनपुर(आरएनएस)। जफराबाद थाना क्षेत्र के गोधना बाईपास पर शुक्रवार को अज्ञात वाहन की चपेट में आने से साइकिल सवार छात्रा की मौत हो गई। इसी थाना क्षेत्र के ग्राम भुवालापटटी गांव निवासी हरिनाथ पटेल की 18 वर्षीया पुत्री ज्योति पटेल सामान लेने के लिए अपनी बाइक से बाजार गई हुई थी। जब यह किशोरी गोधना हाईवे को पार कर रही थी कि उसी समय एक अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार जिससे इसकी साइकिल क्षतिग्रस्त हो गई और वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही घर के लोग मौके पर पहुंच गए और घायल किशोरी को लगभग 2 बजे दिन में जिला अस्पताल पहुंचे जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानी थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और लाश को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

संघर्ष संकल्प दिवस मनाएगे पेंशनर्स

जौनपुर(आरएनएस) । सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के जनपद शाखा की मासिक बैठक कलेक्ट्रेट परिसर स्थित पेंशनर्स कार्यालय पर जनपद अध्यक्ष सी बी सिंह की अध्यक्षता मे सम्पन्न हुई। बैठक मे 18 मई को कर्मचारी पेंशनर्स संघर्ष के मसीहा स्व0 वी0यन0 सिंह की सत्ताइसवी पुण्य तिथि को पेंशनर्स संघर्ष संकल्प दिवस के रूप मे पेंशनर्स मनायेगे। वैठक मे संगठन के दस सूत्रीय मांग यथा केंद्र सरकार के कर्मचारी पेंशनर्स के वेतन भत्ता पुनरीक्षण के लिए गठित आठवे बेतन आयोग के संकल्प पत्र मे पेंशनर्स के टर्म्स रिफरेन्स को सम्मिलित किए जाने ,पेंशन राशिकरण की कटौती दस बर्ष करने,पेंशनर्स की पैसठ वर्ष आयु पूर्ण होने पर पांच प्रतिश मूल पेंशन वढाने के साथ क्रमशःअगले प्रत्येक पांच वर्ष पर पांच प्रतिशत मूल पेंशन मे बृध्दी अस्सी वर्ष की आयु पूर्ण करने तक दिये जाने ,आदि दस सूत्रीय मांग की पूर्ति के लिए मा0प्रधान मन्त्री जी एवं माननीय मुख्य मन्त्रीजी को भजे जाने वाली हस्ताक्षर याचिका की समीक्षा की गई। इसके साथ ही जनपद स्तर पर कुछ कार्यालयाध्यक्ष स्तर पर पेंशनर्स के लम्बित चिकित्सा प्रति पूर्ति के निस्तारण मे किए जा रहे विलंब को दूर करने की मांग की गई। अध्यक्ष सी बी सिंह ने प्रदेश एवं जनपद स्तर पर कारित कार्यवाही से अवगत कराते हुए, आगे भी सतत संगठनात्मक कार्यवाही का आश्वासन देते हुए, आठ्ठारह मई को उपस्थित होने की अपील किया। के के तिवारी,मिठाई लाल, पलकधारी मौर्य, राजपति विश्वकर्मा, रामअवधलाल श्रीवास्तव, भानुप्रताप श्रीवास्तव, रामप्रताप यादव, जियारामयदव, राजेश श्रीवास्तव, सन्तोष कुमार श्रीवास्तव, आदि ने सम्बोधित किया।

अवैध पिस्टल से युवक को सीने में गोली मारकर हत्या

अमेठी सुल्तानपुर(आरएनएस)। अमेठी जनपद के पीपरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत खानापुर गांव में शुक्रवार को अवैध असलहे से युवक की गोली मारकर हत्या किए जाने से सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि ग्राम प्रधान प्रतिनिधि श्रीकांत मिश्रा के मौसेरे भाई सचिन पांडे को गांव के ही युवक दीपक मिश्रा ने पिस्टल दिखाने के बहाने बुलाया था। इसी दौरान अचानक अवैध पिस्टल से दीपक मिश्रा के सीने में गोली मार दी गई। गोली लगते ही युवक गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ा। घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। ग्रामीणों ने आनन–फानन में घायल युवक को सुल्तानपुर जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही जिला अस्पताल में भारी भीड़ जुट गई और परिजनों में कोहराम मच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आरोपी ने युवक को पिस्टल दिखाने के लिए बुलाया था, लेकिन देखते ही देखते गोली चला दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है।

वृद्ध को नाव से नदी में फेक कर किया हत्या

जौनपुर(आरएनएस) । केराकत कोतवाली क्षेत्र स्थित नाउपुर गांव में पुरानी रंजिश को लेकर एक वृद्ध की निर्मम हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि गांव के कुछ लोगों ने 62 वर्षीय बंगाली निषाद को पकड़कर नाव के जरिए गहरे पानी में ले जाकर नदी में फेंक दियाए जिससे उनकी मौत हो गई।परिजनों के अनुसार बंगाली निषाद बुधवार शाम बाजार से सब्जी लेकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में कुछ लोगों ने उन्हें रोक लिया और जबरन अपने साथ ले गए। काफी देर तक घर न पहुंचने पर परिवार वालों ने उनकी तलाश शुरू कीए लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। बाद में घटना की सूचना केराकत पुलिस को दी गई। पुलिस ने मामले में कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। पूछताछ के दौरान मिली जानकारी के आध ार पर पुलिस टीम नाव से गांव से करीब दो किलोमीटर दूर नदी के गहरे पानी तक पहुंचीए जहां से बंगाली निषाद का शव बरामद किया गया। शव के दोनों हाथ बंधे होने से हत्या की आशंका और गहरा गई।घटना के बाद इलाके में सनसनी और दहशत का माहौल है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा हिरासत में लिए गए लोगों से गहन पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है और जल्द ही पूरे घटनाक्रम का खुलासा किया जाएगा।

कैडेटो ने किया आपरेशन सिंदूर पर कार्यक्रम

जौनपुर(आरएनएस)। 98 अप बीएन एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल एल आलोक सिंह के निर्देशन पर शुक्रवार को मड़ियाहूं पीजी कॉलेज के 4498 बीएन एनसीसी मडियाहू के कैडेटो द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के संदर्भ में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। झंडारोहण के उपरांत छात्रों ने राष्ट्रगान तत्पश्चात एनसीसी गान प्रस्तुत कर राष्ट्र के प्रति अपना समर्पण व्यक्त किया। आज ही के दिन एक वर्ष पहले भारत ने अपना पराक्रम ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से प्रदर्शित किया और पाकिस्तान के आतंकवादी ठिकानों को पल भर में नष्ट कर भारत ने अपने मजबूत इरादों को दिखा दिया। भारतीय सैनिक शक्ति कितनी मजबूत है इसका एक उदाहरण ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देखने को मिला। इस ऑपरेशन में राफेल युद्ध क्राफ्ट के साथ–सा द क्रूज मिसाइल और द्रोण का प्रयोग किया गया। जिसे भारतीय सैनिकों ने मात्र 20 मिनट में संचालित कर दुश्मन के आतंकवादी ठिकानों को नष्ट कर दिया। इस अवसर पर डा. विवेक कुमार मिश्र, डा. सुशील मिश्रा, डा. बृजेश चौबे, डा. आजाद सिंह आदि उपस्थित रहे। महाविद्यालय के चीफ प्रॉक्टर प्रो. अजय कुमार ने छात्रों को सिंदूर ऑपरेशन की उपलब्धियां बताई। कार्यक्रम के अंत में मडियाहू पीजी कॉलेज प्राचार्य एवं एनसीसी कैप्टन एस. के. पाठक ने आगंतुकों के प्रति अपना धन्यवाद दिया।

चकबन्दी के राजस्व निरीक्षक पर घूसखोरी का आरोप

जौनपुर(आरएनएस)। एसओ सी का ढाई दशक पूर्व आदेशों को लपरी चकबंदी विभाग द्वारा रद्दी की टोकरी में फेंक दिया गया है। लपरी चकबंदी विभाग के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए अब तक 156 बार दौड़ लगाते हुए लपरी गांव निवासी दलित नेबूलाल सोनकर ने हार नहीं मानी उसने अपनी चक संख्या 346 छः बिस्वा जमीन पर अब तक चकबंदी अधिकारी एस ओ सी के 18.6.1998 के फैसले का अनुपालन न किये जाने पर जिलाधिकारी को शिकायती आवेदन पत्र देकर जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। ज्ञात हो कि उक्त गांव निवासी नेबूलाल सोनकर की छ बिस्वा रोड़ की बहुमूल्य जमीन पर कुछ भू.माफिया ने चकबंदी विभाग की माया से कूट रचित रुप से अपने नाम दर्ज करा लिया था जिसे बाद में बंन्दोबस्त अधिकारी ने 18.06.1998 में चकबंदी विभाग द्वारा फर्ज तौर पर हूं माफियाओं के नाम को रद्द करते हुए चकबंदी अधिकारी लपरी को पुनः नेबूलाल सोनकर पुत्र स्व मुंशी सोनकर के नाम बतौर अमलदरामद यदाखिल खारीजद्ध करने का आदेश दिया लेकिन आज तक चकबंदी विभाग द्वारा अपने उच्च अदालत के फैसले का अनुपालन नहीं किया। दलित नेबूलाल सोनकर ने चकबंदी विभाग लपरी के अधिकारीध कर्मचारी पर गंभीर आरोप लगाया है कि उच्चाधि ाकारियोंध् अदालती फैसले को अपने नाम अमलदरामद दाखिल खारिज के लिए अट्ठारह हजार रुपए चढ़ावा चढ़ाया जो राजस्व निरीक्षक ज्ञानानंद तिवारी ने अपने खास अजीत सिंह पुत्र ओमप्रकाश सिंह के बैंक खाते में इसी वर्ष 27जनवरी को मंगाया और कहा कि एक सप्ताह बाद आना तुम्हारे नाम का खतौनी नकल दें देंगे। लेकिन उसके बाद भी अदालती फैसले का अनुपालन नहीं किया और चढ़ावा के रूप में फिर से तीस हजार रुपए की डीमांड कर दिया। चकबंदी विभाग का आदेश अमलदरामद के लिए अब तक नेबूलाल सोनकर ने 156 शिकायत सीएम से लेकर जिलाधि ाकारी समेत बंन्दोबस्त अधिकारी एस ओ सी से प्रार्थना पत्र जनसुनवाई कार्यक्रम में देने के बाद भी सफलता नहीं मिली है।

कई स्थानों पर शुरू नहीं हुए जन औषधि केन्द्र

जौनपुर(आरएनएस) । प्रध ानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) के तहत अधिकांश अस्पतालों में केंद्र नहीं खुल पाए हैं। आमजन को सस्ती और गुणवत्तापरक दवाएं उपलब्ध कराने की इस योजना के तहत 15 माह बाद भी कई स्थानों पर केंद्र शुरू नहीं हो सके हैं, जिससे लोगों को महंगी दवाएं खरीदने को मजबूर होना पड़ रहा है।इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य आम जनता को सस्ती दरों पर गुणवत्तापूर्ण नॉन–ब्रांडेड दवाएं उपलब्ध कराना है। जिले में जन औषधि केंद्र खोलने की जिम्मेदारी लखनऊ की गुंजन इंटरप्राइजेज नामक संस्था को सौंपी गई थी।15 माह से अधि ाक समय बीत जाने के बावजूद, जिले में केवल मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पताल, जिला महिला अस्पताल और चार अच्छी ओपीडी वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर ही जन औषधि ा केंद्र खुल पाए हैं। शेष अधि ाकांश स्थानों पर ये केंद्र अभी भी बंद हैं।केंद्रों के न खुलने का एक प्रमुख कारण अधिकृत एजेंसी द्वारा मांगी जा रही भारी सिक्योरिटी राशि और मासिक किराया है। एजेंसी संचालकों से तीन से 18 लाख रुपये तक सिक्योरिटी और प्रति माह 10 से 25 हजार रुपये किराया मांग रही है। केंद्र संचालन में रुचि रखने वाले लोगों का कहना है कि सस्ती दवाओं पर मिलने वाला कमीशन इतना कम है कि एजेंसी की इन मांगों को पूरा करना मुश्किल है। उनका यह भी आरोप है कि एजेंसी के लोग कमाई के जो तरीके बता रहे हैं, उन्हें अपनाने पर भविष्य में कानूनी अड़चनें आ सकती हैं।

गोवर्धन पूजा का प्रसंग सुन श्रद्धालु भावविभोर

जौनपुर(आरएनएस)। सिकरारा क्षेत्र के खानापट्टी गांव में कमलेश सिंह के आवास पर चल रहे सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के पांचवे दिन गुरुवार की देर शाम कथावाचक पंडित मुरारी श्याम पाण्डेय व्यास द्वारा श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं और गिरिराज गोवर्धन पूजा का प्रसंग में देवताओं के राजा इंद्र का अहंकार तोड़कर ब्रजवासियों को बचाने और 56 भोग अर्पित करने का प्रसंग सुनाकर श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया। कथा के दौरान ही भगवान गिरिराज पर्वत को उठाते सुंदर झांकी सजाई गई। जिसे देखकर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए। कथावाचक व्यास ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने पृथ्वी पर धर्म और सत्य की पुनः स्थापना के लिए द्वापर युग में अवतार लिया। उन्होंने बाल्य अवस्था में ही कालिया नाग का मर्दन करके यमुना जी को पवित्र कर पूतना, बकासुर जैसे मायावी शक्तियों का अंत किया। प्रसंग में बताया कि इंद्र को अपनी सत्ता और शक्ति पर घमंड हो गया था। उनका गर्व दूर करने के लिए प्रभु ने ब्रज मंडल में इंद्र की पूजा बंद कर गोवर्धन जी की पूजा शुरू करा दी।

भारत और ईरान का रिष्ता और बनाने की जरूरत - इलाही

जौनपुर(आरएनएस)। नगर के शिया कॉलेज में आयोजित मजलिस ने इंसानियत का बड़ा संदेश दिया। गुरुवार की रात ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनई की मजलिस में उस समय विशेष महत्व जुड़ गयाए जब ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनई के प्रतिनिधि आयतुल्लाह डॉ0 हकीम इलाही ने शिरकत कर संबोधित किया। इलाही ने कहा कि यहां की तहजीबए इल्म की परंपरा और गंगा.जमुनी संस्कृति पूरी दुनिया के लिए एक मिसाल है ।उन्होंने भारत और ईरान के ऐतिहासिक संबंधों का जिक्र करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच सांस्कृतिकए शैक्षिक और सामाजिक रिश्ते बहुत गहरे हैं। हमारी कोशिश है कि यह रिश्ता और मजबूत होए ताकि दुनिया को यह संदेश जाए कि अलग.अलग मजहब और मुल्क होने के बावजूद इंसानियत सबसे ऊपर है।ईरान और हिंदुस्तान का रिश्ता किसी एक दौर का मोहताज नहीं हैए बल्कि यह सदियों पुराना रिश्ता है जो दिलोंए मोहब्बत और साझा विरासत से जुड़ा हुआ है । जब.जब मुश्किल वक्त आयाए दोनों देशों की अवाम ने एक.दूसरे के लिए हमदर्दी और समर्थन दिखाया है ।उन्होंने आगे कहा कि आज दुनिया जिन हालात से गुजर रही है। उसमें नफरतए टकराव और बंटवारे की सियासत बढ़ रही हैए लेकिन जौनपुर जैसे शहर यह साबित करते हैं कि इंसानियत और भाईचारा अभी भी जिंदा है ।

द्वार पूजा पर बाराती और घराती भिड़े, दस घायल

जौनपुर(आरएनएस) । रामपुर थाना क्षेत्र के सिधवन गांव में गुरुवार को एक शादी समारोह के दौरान द्वारपूजा में बाराती और घराती पक्ष के बीच मारपीट हुई। इस घटना में दोनों पक्षों के करीब दस लोग घायल हो गए, जबकि दो वाहनों में भी तोड़फोड़ की गई। दूल्हे की गाड़ी को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया।रामपुर थाना क्षेत्र के जमालापुर (डिहवा) गांव से बारात सिधवन गांव पहुंची थी। जलपान कार्यक्रम शांतिपूर्ण रहा, लेकिन द्वारपूजा के समय किसी बात को लेकर बाराती और घराती पक्ष में विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के लोग लाठी–डंडों से आपस में भिड़ गए, जिससे शादी समारोह में भगदड़ मच गई।

पुराने दोस्त द्रमुक का हाथ दिया झटक, सत्ता के लिए पाला बदलने में कांग्रेस को कभी नहीं होती हिचक

कांग्रेस के इस फैसले ने द्रमुक को गहरा राजनीतिक झटका दिया है। द्रमुक नेताओं ने इसे ''पीठ में छूरा घोंपना'' बताया है। यह नाराजगी इसलिए भी अधिक है क्योंकि द्रमुक और कांग्रेस का रिश्ता केवल चुनावी समझौता नहीं बल्कि लंबे समय की राजनीतिक साझेदारी माना जाता रहा है।तमिलनाडु की राजनीति में आज एक बड़ा और चौंकाने वाला मोड़ देखने को मिला, जब कांग्रेस ने विजय की तमिलगा वेत्री कड़गम यानि टीवीके को सरकार गठन के लिए समर्थन देने की घोषणा कर दी। इस फैसले के साथ ही द्रविड़ मुनेत्र कषगम यानि द्रमुक और कांग्रेस के बीच दो दशक से अधिक पुराने राजनीतिक रिश्ते पर लगभग विराम लग गया है। कांग्रेस ने साफ किया है कि उसका यह गठबंधन केवल सरकार गठन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि स्थानीय निकाय, लोकसभा और राज्यसभा चुनावों तक जारी रहेगा।हम आपको बता दें कि तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में विजय की पार्टी टीवीके 234 सदस्यीय सदन में 108 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। बहुमत के लिए 118 सीटों की जरूरत है। कांग्रेस के पांच विधायकों के समर्थन के बाद यह संख्या 113 तक पहुंच गई है और अब सरकार गठन के लिए केवल पांच और विधायकों की आवश्यकता रह गई है। विजय ने राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा

भी पेश कर दिया है।कांग्रेस ने अपने समर्थन के साथ एक महत्वपूर्ण शर्त भी रखी है। पार्टी ने कहा है कि टीवीके किसी भी परिस्थिति में भाजपा या उसके सहयोगी दलों को सरकार या गठबंधन का हिस्सा नहीं बनाएगी। तमिलनाडु प्रभारी गिरीश चोडानकर ने कहा कि कांग्रेस धर्मनिरपेक्ष, प्रगतिशील और संवैधानिक मूल्यों वाली राजनीति के साथ खड़ी है और जनता के जनादेश का सम्मान करना उसका कर्तव्य है।उधर, कांग्रेस के इस फैसले ने द्रमुक को गहरा राजनीतिक झटका दिया है। द्रमुक नेताओं ने इसे ''पीठ में छूरा घोंपना'' बताया है। यह नाराजगी इसलिए भी अधिक है क्योंकि द्रमुक और कांग्रेस का रिश्ता केवल चुनावी समझौता नहीं बल्कि लंबे समय की राजनीतिक साझेदारी माना जाता रहा है। दोनों दल पहली बार 1971 में साथ आए थे और बाद में 2004 से 2013 तक द्रमुक केंद्र में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार का अहम हिस्सा रही थी। 2016 के बाद दोनों ने फिर मिलकर चुनाव लड़े और राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा विरोधी राजनीति की मजबूत धुरी बने।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस का यह कदम केवल तमिलनाडु तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसका असर राष्ट्रीय राजनीति और विपक्षी गठबंधन इंडिया पर भी पड़ेगा। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब कांग्रेस और द्रमुक तमिलनाडु में आमने सामने होंगे, तब क्या वह राष्ट्रीय स्तर पर एक मंच पर बने रह पाएंगे। कांग्रेस यह तर्क दे रही है कि वाम दलों और तृणमूल कांग्रेस की तरह अलग अलग राज्यों में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बावजूद इंडिया गठबंधन जारी रह सकता है। लेकिन द्रमुक की नाराजगी और कांग्रेस के नए रुख ने विपक्षी एकता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।इस घटनाक्रम का सबसे बड़ा राजनीतिक लाभ विजय और उनकी पार्टी टीवीके को मिलता दिखाई दे रहा है। पहली बार चुनाव लड़कर सबसे बड़ी पार्टी बनना और उसके तुरंत बाद कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय दल का समर्थन हासिल करना विजय को राज्य की राजनीति में एक मजबूत विकल्प के रूप में स्थापित करता है। यही कारण है कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चेन्नई स्थित सत्यमूर्ति भवन में जश्न मनाया और इसे नई राजनीतिक शुरुआत बताया।विजय ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी से बात कर उन्हें शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित भी किया है। इससे यह संकेत मिलता है कि दोनों दल भविष्य में स्थायी राजनीतिक साझेदारी की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। कांग्रेस नेता प्रवीण चक्रवर्ती ने बताया कि विजय ने राहुल गांधी और खरगे को फोन कर समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। हालांकि सरकार गठन का रास्ता अभी पूरी तरह साफ नहीं है। कांग्रेस के समर्थन के बाद भी टीवीके बहुमत से पांच सीट दूर है। ऐसे में नजर अब अन्नाद्रमुक पर टिकी है, जिसके पास 47 विधायक हैं। यदि अन्नाद्रमुक किसी रूप में समर्थन देती है, तो विजय आसानी से बहुमत हासिल कर सकते हैं। लेकिन यही वह स्थिति है जिसने कांग्रेस को असहज कर रखा है, क्योंकि उसने स्पष्ट कहा है कि भाजपा या उसके सहयोगियों की भागीदारी स्वीकार नहीं होगी। ऐसे में देखना होगा कि क्या अन्नाद्रमुक में विभाजन होता है या फिर अन्नाद्रमुक भाजपा का साथ छोड़कर विजय के साथ आ जाती है।

सम्पादकीय

दुर्भाग्यपूर्ण सूरत में तब्दील

वेदांता कंपनी के बिजली संयंत्र में बॉयलर फटने से कम–से–कम 14 मजदूर मारे गए और 30 से ज्यादा कर्मचारी घायल हो गए। अनुमान लगाया जा सकता है कि ये खबर मीडिया में महज एक दिन की सुर्खी बन कर रह जाएगी।

भारत सरकार की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस नीति किस तरह मजदूरों के लिए ईज ऑफ डाइंग की दुर्भाग्यपूर्ण सूरत में तब्दील हो गई है, उसकी एक ताजा मिसाल छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में हुआ हादसा है। सिंघीतराई में स्थित वेदांता कंपनी के बिजली संयंत्र में मंगलवार को बॉयलर फटने से कम–से–कम 14 मजदूरों की मौत हो गई और 30 से ज्यादा कर्मचारी घायल हो गए। अनुमान लगाया जा सकता है कि ये खबर मीडिया में महज एक दिन की सुर्खी बन कर रह जाएगी। ना तो नीति–निर्माता, ना मीडिया कर्मी और ना ही सामाजिक कार्यकर्ता ये सवाल उठाने की जरूरत महसूस करेंगे कि आखिर ऐसी औद्योगिक दुर्घटनाओं की संख्या हाल के वर्षों में क्यों बढ़ती चली गई है?

सिर्फ 2026 पर नजर डालें, तो अब तक कारखानों में कम–से–कम ऐसे सात बड़े हादसे हुए हैं, जिनमें मजदूरों की जान गई है। ये दुर्घटनाएं छत्तीसगढ़ से लेकर मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, महाराष्ट्र, और आंध्र प्रदेश तक में हुईं। बीते हफ्ते तेलंगाना में एक रासायनिक कारखाने में भीषण विस्फोट हुआ, हालांकि उसमें किसी जान नहीं गई। हलकी आग, छत गिरने या गैस लीक होने जैसी ऐसी घटनाओं की सूची तो लंबी है, जिनमें हताहत होने वाले मजदूरों की संख्या सीमित रहती है। सिर्फ छत्तीसगढ़ में 2024 से 2026 में अब तक औद्योगिक हादसों में 296 मजदूरों की जान गई है।

एक अध्ययन के मुताबिक देश में हर रोज औसतन तीन श्रमिकों की जान औद्योगिक हादसों में जाती है। इनमें से ज्यादातर मामलों को मामूली मुआवजा देकर निपटा दिया जाता है। मगर हादसों की जड़ में जाने और उसके लिए प्रबंधन को जवाबदेह बनाने की चर्चा शायद ही कभी सुनने को मिलती हो। कानून की किताब में ऐसे प्रावधान हों भी, तो ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के जमाने पर उन्हें गंभीरता से लेने का चलन नहीं रहा। स्पष्टतरू कारोबार में ये आसानी श्रमिकों की कीमत पर है। अतरू याद रखना चाहिए कि ऐसी कारोबारी आसानी से निवेशकों को मुनाफा बढ़ाने में भले आसानी होती हो, उससे फूलता– फलता उपभोक्ता बाजार तैयार नहीं हो सकता। ना ही ये कारोबारी संस्कृति आम खुशहाली का आधार बन सकती है।

सोमनाथ भारत की अजेय आत्मा का प्रतीक!

जय सोमनाथ ! वर्ष 2026 की शुरुआत में मुझे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में सम्मिलित होने का सौभाग्य मिला। यह सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले आक्रमण के एक हजार वर्ष बाद भी मंदिर के शाश्वत और अविनाशी होने का पर्व था। अब 11 मई को मुझे एक बार फिर सोमनाथ जाने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है। इस बार यह यात्रा पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में है। मैं उस क्षण को फिर जीने जा रहा हूं जब भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी ने मंदिर का लोकार्पण किया था। उस दिन, सोमनाथ में विध्वंस से सृजन तक की यात्रा फिर से जीवंत होगी। छह महीनों के भीतर सोमनाथ के इतिहास से जुड़े इन दो अत्यंत महत्वपूर्ण पड़ावों का साक्षी बनना मेरे लिए बहुत सौभाग्य की बात है।

सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, हमारी सभ्यता का अटूट संकल्प है। इसके सामने लहराता विशाल समुद्र अनंत काल की अनूभूति कराता है। इसकी लहरें हमें सिखाती हैं कि तूफान चाहे कितने भी विकराल क्यों न हों, मनुष्य का साहस और आत्मबल हर बार फिर से उठ खड़ा होने में सक्षम है। तट से टकराती लहरें सदियों से यह उद्घोष कर रही हैं कि मानवीय चेतना को लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता है। हमारे प्राचीन शास्त्रों में लिखा हैरू प्रभासं च परिक्रम्य पृथिवीक्रमसंभवम्। अर्थात दिव्य प्रभास (सोमनाथ) की परिक्रमा पूरी पृथ्वी की परिक्रमा के समान है! जब लोग यहां दर्शन–पूजन के लिए आते हैं, तब उन्हें उस सभ्यता की अद्भुत निरंतरता का भी अनुभव होता है, जिसकी ज्योति कभी बुझाई नहीं जा सकी। कई साम्राज्य आए और गए, समय बदला और इतिहास ने ढेरों उतार–चढ़ाव देखे, फिर भी सोमनाथ हमारे हृदय में हमेशा बना रहा।यह समय उन असंख्य महान विभूतियों के स्मरण का भी है, जो क्रूर आक्रांताओं के सम्मुख अडिग रहे। लकुलीश और सोम शर्मा जैसे मनीषियों ने प्रभास को शैव दर्शन का महान केंद्र बनाया। चक्रवर्ती महाराज धारसेन चतुर्थ ने सदियों पहले वहां दूसरा मंदिर बनवाया था। समय की कठिन परीक्षा के बीच भीम प्रथम, जयपाल और आनंदपाल जैसे शासकों ने आक्रमणों के विरुद्ध अपनी सभ्यता की ढाल बनकर मंदिर की रक्षा की थी।

संजय राउत ने डोनाल्ड ट्रंप को पत्र में जो कुछ लिखा है उससे विपक्षी नेताओं की देशभक्तिपर सवाल उठ गया है

हम आपको बता दें कि शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लिखे अपने पत्र में पश्चिम बंगाल चुनावों को भय, दबाव और कथित धांधली से प्रभावित बताया। उन्होंने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाए और केंद्रीय बलों की तैनाती को लेकर भी आरोप लगाए। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद विपक्षी गठबंधन के कई नेताओं की प्रतिक्रियाएं अब केवल राजनीतिक असहमति तक सीमित नहीं रह गई हैं, बल्कि वह भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं और संवैधानिक व्यवस्था पर सीधे सवाल खड़े करती दिखाई दे रही हैं। शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पत्र लिखना और ममता बनर्जी द्वारा अंतरराष्ट्रीय अदालत जाने की चेतावनी देना इसी प्रवृत्ति का ताजा उदाहरण है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या देश के आंतरिक मामलों को विदेशी शक्तियों और वैश्विक मंचों तक ले जाना लोकतंत्र की रक्षा है या फिर भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास?हम आपको बता दें कि शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लिखे अपने पत्र में पश्चिम बंगाल चुनावों को भय, दबाव और कथित धांधली से प्रभावित बताया। उन्होंने चुनाव आयोग

की निष्पक्षता पर सवाल उठाए और केंद्रीय बलों की तैनाती को लेकर भी आरोप लगाए। हैरानी की बात यह है कि यह सब उस समय कहा जा रहा है जब भारत का चुनाव आयोग विश्व की सबसे विश्वसनीय और विशाल चुनावी संस्थाओं में गिना जाता है। यदि किसी दल को चुनाव परिणाम स्वीकार नहीं हैं, तो उसके लिए न्यायपालिका, जन आंदोलन और संवैधानिक प्रक्रियाएं मौजूद हैं। फिर विदेशी राष्ट्रपति को पत्र लिखने की आवश्यकता क्यों पड़ी?क्या भारत इतना कमजोर लोकतंत्र है कि यहां के चुनावों का फैसला विदेशी नेताओं की राय से तय होगा? क्या विपक्ष यह संदेश देना चाहता है कि भारत की संवैधानिक संस्थाओं पर उसे भरोसा नहीं है? यदि हर हार के बाद अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जाकर देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को कठघरे में खड़ा किया जाएगा, तो इससे दुनिया में भारत की छवि पर क्या असर पड़ेगा?इस पूरे विवाद में ममता बनर्जी का बयान भी कम गंभीर नहीं है। चुनाव हारने के बाद उनका यह कहना कि वह अंतरराष्ट्रीय अदालत तक जाएंगी, कई सवाल खड़े करता है। क्या किसी राज्य के चुनावी परिणाम को लेकर संयुक्त राष्ट्र की न्यायिक संस्था में जाने की बात करना भारत की संप्रभुता पर प्रश्नचिह्न लगाने जैसा नहीं है? जब देश का संविधान, सर्वोच्च न्यायालय और चुनाव आयोग मौजूद हैं, तब विदेशी अदालतों की चर्चा क्यों?दरअसल यह वही राजनीति है जिसमें जब तक सत्ता हाथ में रहे तब तक संस्थाएं निष्पक्ष लगती हैं, लेकिन हार मिलते ही चुनाव आयोग, सुरक्षा बल, न्यायपालिका और लोकतंत्र सब कटघरे में खड़े कर दिए जाते हैं। यह प्रवृत्ति केवल राजनीतिक असंतोष नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता के विश्वास को कमजोर करने का प्रयास भी मानी जा सकती है।सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या विपक्षी दल अपनी राजनीतिक हार को स्वीकार करने का साहस खो चुके हैं? क्या लोकतंत्र केवल तब तक सही है जब तक परिणाम उनके पक्ष में आएं? यदि हर चुनाव के बाद विदेशी शक्तियों से हस्तक्षेप की मांग की जाएगी, तो क्या यह देश की आंतरिक संप्रभुता के खिलाफ कदम नहीं माना जाएगा?

भारत का लोकतंत्र दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहां सत्ता परिवर्तन चुनावों के माध्यम से होता है, अदालतें स्वतंत्र हैं और मीडिया पूरी तरह सक्रिय है।

आपरेशन सिंदूर के बाद भारत एक निर्णायक एवं जिम्मेदार शक्तिके रूप में उभरा

यूक्रेन में जारी युद्ध के खत्म होने के कोई संकेत नहीं दिखने और मध्य–पूर्व के न युद्ध, न शांति के दलदल में फंसे होने के बावजूद, हाल के समय के दूसरे संघर्षों के मुकाबले ऑपरेशन सिंदूर को एक मानक अभियान के तौर पर देखना महत्वपूर्ण है। ऑपरेशन सिंदूर की सबसे खास बातें थींकृ सैन्य ताकत का तीव्र और नियंत्रित तरीके से निर्णायक इस्तेमाल, ताकि प्रबंधन करने योग्य संघर्ष–विस्तार में रहते हुए ऐसे रणनीतिक नतीजे हासिल किए जा सकें, जिनकी बाहर निकलने की रणनीति स्पष्ट हो और जो मोदी सरकार के राजनीतिक लक्ष्यों के अनुरूप हों। इस संघर्ष की शुरुआत का उद्देश्य था – पाकिस्तान के भारत–विरोधी आतंकवादी नेटवर्क के गढ़ पर सीधा हमला करना और अगर पाकिस्तान की सेना भारत के शुरुआती आतंकवाद–रोधी हमले का सैन्य जवाब देती है, तो उसे भारी नुकसान पहुंचाना। ये ऐसे बड़े लक्ष्य नहीं थे, जिनके लिए बहुत बड़े पैमाने पर और हर तरफ सैन्य ताकत के इस्तेमाल की जरूरत पड़ती। यह एक जिम्मेदार ताकत द्वारा, राज्य–प्रायोजित आतंकवाद के बार–बार दोहराए जाने वाले कृत्यों को सजा देने के लिए चलाया गया एक सटीक, सक्रिय और संयमित प्रतिरोधी अभियान था।

हालांकि भारत ने 2019 में बालाकोट में आतंकवाद–रोधी अभियानों में आक्रामक हवाई शक्ति के इस्तेमाल का प्रयोग किया था, लेकिन इस बार जैश–ए–मोहम्मद और लश्कर–ए–तैयबा के मुख्यालयों परकृजो क्रमशरू बहावलपुर और मुरीदके में स्थित हैंकृहमला करने की उसकी तत्परता ने राष्ट्रीय हितों की पूर्ति के लिए जोखिम उठाने की एक नई प्रवृत्ति और संघर्ष को बढ़ाने की इच्छाशक्ति को उजागर किया। फिर भी, राजनीतिक स्तर पर सोच में पूरी स्पष्टता थी कि एक व्यापक संघर्ष भारत के हित में नहीं है, भले ही पाकिस्तान की सैन्य परिसंपत्तियों को और अधिक नुकसान पहुँचाने का सैन्य प्रलोभन मौजूद था।

समझदारी और संयम, जिम्मेदार राज–काज और सैन्य अभियानों के दो ऐसे साथ–साथ चलने वाले पहलू हैं, जिन्हें भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अच्छी तरह प्रदर्शित कियाय खासकर इस मामले में कि उसने अपने हमलों के दौरान कोई भी अतिरिक्त नुकसान नहीं होने दिया और सैन्य श्रेष्ठता होने के बावजूद पाकिस्तान के युद्धविराम के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। अब पीछे मुड़कर देखने पर, एक लंबे और बड़े संघर्ष से मिलने वाले फायदे, उसके संभावित आर्थिक और मानवीय नुकसानों के मुकाबले बहुत ही मामूली लगते हैं। चार दिनों के भीतर ही संघर्ष को समाप्त कर देने से जो सैकड़ों करोड़ रुपये की बचत हुई, उसने मध्य–पूर्व में चल रहे मौजूदा संघर्ष के दौरान भारत की आर्थिक सहनीयता में योगदान दिया है। दूसरी ओर, मध्य–पूर्व के संघर्ष में अमेरिका के 27 अरब डॉलर से भी ज्यादा खर्च हो चुके हैं और इस संघर्ष का कोई अंत भी नजर नहीं आ रहा है।

भारत के मौजूदा उच्च रक्षा संगठन ने संघर्ष के दौरान अच्छी तरह काम किया। ऑपरेशन के नीति–निर्माण और तैयारी के चरण में केंद्रीकृत और निर्देशात्मक नियंत्रण का एक स्पष्ट मॉडल देखने को मिलाय इसके पहले स्तर पर प्रधानमंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और रक्षा मंत्री थे, जबकि दूसरे स्तर पर सीडीएस और तीनों सेना के प्रमुख इसे समर्थन दे रहे थे। यह बिल्कुल स्पष्ट है कि सेना प्रमुखों और खुफिया एजेंसियों को स्पष्ट और ठोस रणनीतिक परिणाम बताए गए थे, जिसके बाद उन्हें एक व्यावहारिक कार्ययोजनाय तैयार करने की जिम्मेदारी दी गयी।

भले ही हजारों सालों में युद्ध के स्वरूप में कई बदलाव आए हों, लेकिन कौटिल्य, सुन त्जू, क्लॉजविट्ज और लिडेल हार्ट जैसे प्राचीन और आधुनिक रणनीतिकारों द्वारा बताए गए युद्ध के अधिकांश मूल सिद्धांत समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं। कुल मिलाकर, ऑपरेशन सिंदूर की भारत की सफलता ने तनाव बढ़ाने और प्रतिरोध करने की सीमाओं का विस्तार किया, भारत ऐसा इसलिए कर पाया क्योंकि इसने समय की कसौटी पर खरे उतरे युद्ध के कुछ सिद्धांतों और संकट के समय फैसले लेने के तरीकों का पालन किया। इनमें से, लक्ष्य का चयन और उसे बनाए रखना, शक्ति का केंद्रीकरण, आक्रामक कार्रवाई, अचानक हमला, कमान की एकता, सुरक्षा, सरलता, मनोबल और अनुकूलनशीलता ऐसे सिद्धांत हैं, जिन पर और अधिक विचार–विमर्श की आवश्यकता है।

परिचालन स्तर पर, भारत की उभरती हुई बहु–क्षेत्रीय सैन्य रणनीति के तलवार के रूप में आईएएफ का इस्तेमाल करने का फैसला एक साहसी कदम था, जो आज के दौर के संघर्षों के बदलते स्वरूप को दिखाता है और जिस पर बारीकी से नजर रखने और विश्लेषण करने की जरूरत है। पाकिस्तान की चीन से मिली वायु रक्षा प्रणालियों को चकमा देने और उन्हें जाम करने के बाद, भारत ने 7 मई को पाकिस्तान के अंदरूनी इलाकों में घुसकर हमला किया। इस हमले में पाकिस्तान और पीओजेके में मौजूद 9 अहम आतंकवादी ठिकाने तबाह हो गए, और लश्कर–ए–तैयबा, जैश–ए–मोहम्मद और हिज्बुल मुजाहिदीन के प्रमुख केंद्र नष्ट हो गए। 10 मई को, कुछ ही घंटों के भीतर, भारत ने अपने हमले का दायरा और बढ़ाया तथा 11 प्रमुख सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया, जिनमें नूर खान एयरबेस, रफीकी एयरबेस, मुरीद एयरबेस, सुक्कुर एयरबेस, सियालकोट एयरबेस, पसरूर एयरबेस, चुनियां एयरबेस, सरगोधा एयरबेस, स्कार्दू एयरबेस, भोलारी एयरबेस और जैकोबाबाद एयरबेस शामिल थे। इस कार्रवाई से पाकिस्तान की हवाई और युद्ध संबंधी क्षमताओं को गंभीर नुकसान पहुँचा। आईएएफ की हवाई हमलों की तीव्रता से यह जाहिर हो गया है कि इन हवाई अड्डों, विमानों और वहाँ तैनात हथियार प्रणालियों को पहुँचाया गया नुकसान, 1971 के युद्ध में पश्चिमी मोर्चे पर आईएएफ द्वारा पीएएफ के हवाई अड्डों को पहुँचाए गए कुल नुकसान से कहीं ज्यादा है। ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की एकीकृत हवाई रक्षा प्रणाली की परिपक्वता को भी साबित कर दिया, जो दुश्मन की मिसाइल और ड्रोन–केंद्रित रणनीति का मुकघबला करने में सक्षम है। हालाँकि, आईएएफ को भविष्य में, अधिक शक्तिशाली दुश्मनों के खघ्लिाफ किसी भी सीमित संघर्ष की स्थिति में अपने प्लेटफॉर्म, हथियारों और प्रणालियों का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल करने के लिए, तेज गति से लगातार सीखते रहने की आवश्यकता होगी।

भविष्य के युद्ध–क्षेत्रों में, लंबे समय तक चलने वाले संघर्षों का सामना करने के लिए, ज्यादा एकीकरण और तालमेल की जरूरत होगी। वर्तमान में चल रहे सुधारों और संरचनात्मक पहलों पर शायद फिर से विचार करना पड़े, ताकि एक ऐसा संगठनात्मक ढांचा तैयार किया जा सके जो भारत–विशिष्ट हो और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सीखे गए अनुभवों पर आधारित हो। हालांकि, दुनिया भर में चल रहे संघर्षों से कई रणनीतिक और परिचालन संबंधी सबक मिलते हैं, लेकिन भारत को दूसरी जगहों से युद्ध–लड़ाई के मॉडल उठाने और उन्हें अपने रणनीतिक और परिचालन वातावरण पर लागू करने के प्रति सावधान रहना चाहिए। उदाहरण के लिए, हवाई परिचालन में मिसाइल और ड्रोन पर ज्यादा जोर देने के समर्थकों को अपने विचार पर फिर से सोचना चाहिए। भारत के पश्चिमी और उत्तरी मोर्चों पर जैसा हवाई माहौल है, जहाँ दोनों पक्ष एक–दूसरे को कड़ी टक्कर देते हैं, वहाँ सिर्फ बहु–क्षेत्रीय परिचालन ही सफल होंगे।

भारत के सशस्त्र बलों ने एक जटिल युद्धक्षेत्र के माहौल में खुद को साबित किया है।

आज का राशिफल

मेष राशि–
आज आपका दिन आत्मविश्वास से भरा रहने वाला है। आज व्यवसाय में किसी नए काम की शुरुआत होगी, परंतु अभी अधिक लाभ की उम्मीद ना रखकर पूरी तरह से मेहनत करें।

वृष राशि–
आज आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। आज परिवार में हर्षोल्लास का माहौल बना रहेगा। आज बिजनेस में लेनदेन बहुत सोच–विचार कर करेंगे, जल्दबाजी नहीं करेंगे।

मिथुन राशि–
आज का आज का दिन आपके लिए मिला–जुला रहने वाला है। अगर आप नया काम शुरू करना चाहते हैं, तो घर में बात करने के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा।

कर्क राशि–
आज का दिन आपके शानदार रहने वाला है। आज आपके लिए व्यावसायिक मामलों में परिस्थितियों के अनुसार व्यवस्था बनाए रखना जरूरी होगा।

सिंह राशि–
आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। घर में माहौल खुशनुमा रहेगा। कुछ समय अपने लिए जरूर निकालें। आज व्यवसाय को लेकर की गई मेहनत आपकी तरक्की के द्वार खोलने वाली है।

कन्या राशि–
आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। आज कुछ ऐसे विचार आ सकते हैं जो वाकई उम्दा होगे। आज आपका का दिन प्रसन्नता और स्फूर्ति से भरा रहेगा।

तुला राशि –
आज आपका दिन अच्छा रहेगा। बडे–बुजुर्ग आपके व्यवहार से प्रसन्न रहेंगे,। आज अपने व्यक्तिगत जीवन से जुड़ा फैसला लेने का अनुकूल समय है।

वृश्चिक राशि–
आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज अपने संपर्क बढ़ाने पर जोर देंगे यह आपके लिए फायदेमंद साबित होगा। आज कुछ पुरानी समस्या का समाधान मिल जाने से मानसिक रूप से बहुत ही सुकून और राहत मिलेगी।

धनु राशि–
आज आपका दिन उल्लास से भरा रहने वाला है। आज किसी विशेष काम को लेकर किए गए प्रयासों का प्रतिफल आपको मिलने वाला हैं।

मकर राशि–
आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होगा। आपको आर्थिक रूप से अपने सगे संबंधियों की मदद मिलेगी। अपनी सेहत को बेहतर बनाये रखने के लिए योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा अवश्य बनाये।

कुंभ राशि–
आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। यात्रा पर जाने के योग बन रहे हैं, यह यात्रा आपके लिए सुखद रहेगी।

मीन राशि–
आज आपका दिन बेहतरीन बीतने वाला है। कलात्मक कार्यों में आज आपकी रुचि बढ़ेगी। पढ़ाई में छात्रों के लिए यह समय जी–जान लगाकर पढ़ने का है।

लोकायुक्तके जांच मे घिरे डीआईओएस ने आईजीआरएस को बना दिया मजाक, कानोड़िया इंटर कालेज का मामला

कुशीनगर, (आरएनएस)। लोकायुक्त की जांच में पहले से ही घिरे जिला विद्यालय निरीक्षक कुशीनगर एक बार फिर गंभीर आरोपों के घेरे में हैं। इस बार मामला सिर्फ वित्तीय अनियमितताओं तक सीमित नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल आईजी आरएस पर शिकायतों के फर्जी निस्तारण और तथ्य छिपाकर शासन को गुमराह करने का है। आरोप इतने गंभीर हैं कि स्वतंत्र एजेंसी से जांच हो जाए तो डीआई ओएस और आरोपी शिक्षको की कारस्तानी की कलई खुल जायेगी।जनपद के कप्तानगंज स्थित श्री गंगा बक्श कनोडिया इंटर कॉलेज इन दिनों शिक्षा का मंदिर कम और कथित भ्रष्टाचार का अड्डा के रूप ज्यादा चर्चा में है। इस विद्यालय के सहायक अध्यापक श्याम नारायण पाण्डेय, वीरेन्द्र पाण्डेय और बर्खास्तगी के बाद कथित रूप से तथ्य छिपाकर नौकरी कर रहे देवेन्द्र पाण्डेय पर फर्जीवाड़े, सरकारी धन की लूट और नियमों को धता बताकर लाभ लेने के गंभीर आरोप लगे हैं। इन शिक्षकों का विनियमितीकरण वर्ष 2018 में हुआ है। लेकिन चयन वेतनमान का लाभ वर्ष 2008 से ही लिया जा रहा है। यानी कि जिस सुविधा का लाभ इन शिक्षको को वर्ष 2028 में मिलना था, उसका लाभ इन शिक्षको द्वारा फर्जी तरीके से बीस वर्ष पहले से ही उठाते हुए सरकारी खजाना लूटा जा रहा है। सवाल यह है कि आखिर ऐसा कैसे हुआ? और यदि हुआ तो किसके शह पर हुआ ? बताया जा रहा है कि कूट रचित अभिलेखों और फर्जी तथ्यों के आधार पर चयन वेतनमान स्वीकृत कराया गया है। इतना ही नहीं, जुलाई 2012 से जून 2014 तक करीब दो वर्षों तक विद्यालय न आने के बावजूद फर्जी उपस्थिति पंजिका के सहारे लाखों रुपये का एरियर भी निकाल लिया गया है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब मूल उपस्थिति पंजिका में हस्ताक्षर नहीं मिले, तो भुगतान किस आधार पर किया गया ? किस अधिकारी ने आंख बंद कर सरकारी धन लुटा दिया?शिक्षा निदेशालय के पत्र दिनांक 13 फरवरी 2023 में स्पष्ट उल्लेख किया गया कि स्थलीय जांच में मूल उपस्थिति पंजिका पर संबंधित शिक्षकों के हस्ताक्षर नहीं पाए गए, जिससे उनकी कार्यरतता प्रमाणित नहीं हो रही। ऐसे में "नो वर्क, नो पे" के सिद्धांत के तहत भुगतान नियमसंगत नहीं माना गया। इतना ही नही वित्त नियंत्रक (माध्यमिक) उत्तर प्रदेश ने भी अपने पत्र में साफ निर्देश दिया था कि किसी भी प्रकार का अनियमित या दोहरा भुगतान होने पर संबंधित जिला विद्यालय निरीक्षक और वित्त एवं लेखाधिकारी व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे। बावजूद इसके भुगतान हुआ और अब पूरा मामला सवालों के घेरे में है। आईजीआरएस पर 'फर्जी निस्तारण' का आरोप–– सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह है कि शिकायतों की गंभीरता के बावजूद जिला विद्यालय निरीक्षक श्रवण कुमार गुप्त ने आईजी आरएस पर तथ्य छिपाकर रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी। आरोप है कि इन शिक्षको पर कार्रवाई करने के बजाय डीआईओएस ने आरोपी शिक्षकों का बचाव किया और पूरा मामला लीपापोती में बदल दिया। सूत्रों की मानें तो जिला विद्यालय निरीक्षक श्रवण कुमार गुप्त द्वारा कनोडिया इंटरमीडिएट कालेज के प्रधानाचार्य से मांगी गई विस्तृत रिपोर्ट में मूल उपस्थिति पंजिका (जिस पर आरोपी तीनो शिक्षको का जुलाई 2012 से जून 2014 तक हस्ताक्षर नही है), तत्कालीन डीआई ओएस की जांच रिपोर्ट, शिक्षा निदेशक के पत्र और वित्त नियंत्रक के आदेश सहित करीब 26 पन्नों के दस्तावेज प्रस्तुत किए गए थे। इन दस्तावेजों में श्याम नरायण पाण्डेय, विरेन्द्र पाण्डेय व बर्खास्तगी के बाद तथ्य गोपन कर नौकरी कर रहे सहायक अध्यापक देवेन्द्र पाण्डेय की कथित फर्जीवाड़े के ठोस साक्ष्य मौजूद थे। लेकिन डीआईओएस ने उन महत्वपूर्ण दस्तावेजों को दबा दिया और मात्र एक पन्ने की आख्या अपलोड कर आईजीआरएस पर शिकायत का निस्तारण कर दिया। अब सवाल यह है कि आखिर किस दबाव या संरक्षण में यह खेल खेला गया? शिक्षा विभाग के जानकारों का कहना है कि पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच हुई तो सिर्फ तीन शिक्षकों ही नहीं बल्कि कई अधिकारियों की भूमिका भी उजागर हो सकती है।

दिल्ली में मंदिरों की रेकी और देश दहलाने की साजिश का सनसनीखेज खुलासा।

कुशीनगर (आरएनएस)। कभी पिता की उम्मीदों का सहारा रहा कृष्णा मिश्रा आज देश विरोधी गतिविधियों के आरोप में एटीएस की गिरफ्त में है। जिस बेटे के उज्ज्वल भविष्य के लिए किसान पिता ने अपनी पुश्तैनी जमीन और मकान तक बेच दिया, वही बेटा पाकिस्तान के आतंकी नेटवर्क का हिस्सा बन जाएगा यह किसी ने सपने में भी नहीं सोचा था। उत्तर प्रदेश एटीएस की कार्रवाई ने कुशीनगर ही नहीं, पूरे पूर्वांचल को झकझोर कर रख दिया है।

जनपद के जटहा बाजार थाना क्षेत्र के हरपुर गांव निवासी कृष्णा मिश्रा बाहर से भले ही एक साधारण युवक दिखाई देता था, लेकिन जांच एजेंसियों के मुताबिक अंदर ही अंदर वह देश विरोधी साजिशों के ऐसे जाल में फंस चुका था, जिसके तार सीधे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और अंतरराष्ट्रीय अपराधियों से जुड़े मिले हैं। बताया जाता है कि बेटे के भविष्य के लिए पिता ने बेच दी थी पुश्तैनी जमीन, कृष्णा के पिता छोटेलाल मिश्र एक साधारण किसान हैं। इकलौते बेटे की जिंदगी संवारने के लिए उन्होंने लगभग डेढ़ दशक पहले गांव की पैतृक संपत्ति बेच दी और परिवार को बेलवा मिश्र गांव में लाकर बसा दिया। पिता को उम्मीद थी कि बेटा पढ़–लिखकर परिवार का सहारा बनेगा, लेकिन वक्त ने ऐसी करवट ली कि आज वही बेटा सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ा सिरदर्द बन गया।गांव वालों के अनुसार कृष्णा कम पढ़ा–लिखा था और धीरे–धीरे नशे का आदी हो गया था। करीब सात साल पहले वह गांव छोड़कर पहले रविन्द्रनगर और फिर दिल्ली चला गया और वहा एक निजी कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करने लगा। घर पर उसका आना–जाना बेहद कम हो गया था। परिवार को भी अंदाजा नहीं था कि दिल्ली में रहते हुए वह किन लोगों के संपर्क में आ चुका है।

इनसेट–– दिल्ली में हुई मुलाकात और शुरू हुआ 'खतरनाक खेल'–– एटीएस जांच में सामने आया है कि दिल्ली में कृष्णा की मुलाकात बाराबंकी निवासी दनियाल अशरफ से हुई। यही मुलाकात धीरे–धीरे देश विरोधी गतिविधियों की राह बन गई। दोनों पर आरोप है कि वह पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए काम कर रहे थे और पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी तथा आबिद जट के संपर्क में थे। जांच एजेंसियों के अनुसार दोनों आतंकी देश के महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों और धार्मिक स्थलों को निशाना बनाने की योजना पर काम कर रहे थे। खुलासा हुआ है कि दनियाल अशरफ दिल्ली के कई बड़े मंदिरों की रेकी भी कर चुका था। अब एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि आखिर किन–किन स्थानों पर हमला करने की योजना थी और इस नेटवर्क में और कौन–कौन लोग शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक कृष्णा मिश्रा के मोबाइल फोन से पाकिस्तानी डॉन आबिद जट का संदेश मिला है। संदेश में देश के महत्वपूर्ण स्थानों पर कुछ सामग्री प्रिंट कर चस्पा करने का निर्देश दिया गया था। जांच के दौरान उसके पास से देशी तमंचा और कारतूस भी बरामद किए गए हैं।यूपी एटीएस ने एक साथ कार्रवाई करते हुए दनियाल अशरफ को बाराबंकी से और कृष्णा मिश्रा को कुशीनगर स्थित उसके घर से गिरफ्तार किया। दोनों से लगातार पूछताछ जारी है। एजेंसियां उनके डिजिटल रिकॉर्ड, बैंकिंग लेन–देन और विदेशी संपर्कों की भी गहनता से जांच कर रही हैं।

इनसेट–– गांव में दहशत–– कृष्णा की गिरफ्तारी के बाद बेलवा मिश्र, हरपुर और आसपास के इलाकों में सनसनी फैल गई है। गांव में पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की लगातार आवाजाही बनी हुई है। हर गली और चौक–चौराहों पर सिर्फ इसी मामले की चर्चा हो रही है।पड़ोसियों का कहना है कि कृष्णा सामान्य व्यवहार करता था। कभी किसी से ज्यादा मतलब नहीं रखता था।

शिक्षक संघ के अधिवेशन में राम सागर वर्मा अध्यक्ष, राम पियारे मंत्री निर्वाचित

बस्ती। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक इकाई हर्रैया का त्रैवार्षिक अधिवेशन गुरुवार को बीआरसी परिसर हुआ। चुनाव पर्यवेक्षक राकेश पाण्डेय, चुनाव अधिकारी सुरेश गौड़, देवेंद्र सिंह, दुर्गेश यादव और आनंद कुमार की देखरेख में पदाधिकारियों का निर्वाचन संपन्न हुआ। अध्यक्ष पद के लिए रामसागर वर्मा 214 मत पाकर विजई रहे। वहीं निकटतम प्रतिद्वंद्वी राजकुमार तिवारी को 186 मत मिला। मंत्री पद पर राम पियारे 225 मत पाकर विजई रहे। उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी ठाकुर प्रसाद को 173 मत मिला। चुनाव पर्यवेक्षक ने बताया कि 415 मत के सापेक्ष 400 मत पड़े। मंत्री पद पर 2 मत अवैध पाया गया। निर्वाचित अध्यक्ष और मंत्री के अलावा पूरी कार्यकारिणी का गठन हुआ। जिसमें वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर ओम प्रकाश, उपाध्यक्ष पद पर भागवत सिंह, चिन्मय कुमार राय, राजीव कुमार शुक्ला, बृजेंद्र पाण्डेय और राकेश सिंह, संयुक्त मंत्री पद पर नित्यानंद यादव, संगठन मंत्री पर रक्षाराम, राम सहाय, प्रदीप गुप्ता, प्रेम कुमार और मीरा चौधरी, प्रचार मंत्री पद पर ओम प्रकाश शर्मा, उमेश चंद्र राव और अमरजीत यादव, कोषाध्यक्ष पद पर संजीव सिंह निर्वाचित हुए। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष चंद्रिका सिंह और मंत्री बालकृष्ण ओझा ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।इस अवसर पर सन्तोष पाण्डेय,अश्वनी सिंह, विजय राव, शिव प्रकाश सिंह, प्रताप नारायण चौधरी, नन्दलाल सहित बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

उपाध्यक्ष महिला आयोग के निरीक्षण में मेडिकल कालेज, जिला अस्पताल की खुली पोल, जांच के लिए निजी अस्पताल की रेफरल पर्ची मिलने से नाराज उपाध्यक्ष ने दी चेतावनी।

कुशीनगर (आरएनएस)। राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारु चौधरी ने गुरुवार को कुशीनगर मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की कई गंभीर खामियां सामने आईं। जिस पर उन्होंने गहरी नाराजगी जताते हुए सीएमएस, डॉक्टरों और संबंधित कर्मचारियों को जमकर फटकार लगाई। निरीक्षण के दौरान मरीजों और तीमारदारों ने भी अस्पताल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। जिसके बाद अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान महिला आयोग की उपाध्यक्ष सबसे पहले ओपीडी, दवा वितरण काउंटर और विभिन्न वार्डों में पहुंचीं, जहां उन्होंने मरीजों और तीमारदारों से सीधे बातचीत कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस दौरान कई मरीजों ने शिकायत किया कि अस्पताल में मिलने वाली सामान्य दवाएं भी बाहर से लिखी जा रही हैं। मरीजों ने बताया कि पैंटाप जैसी सामान्य दवा तक अस्पताल में उपलब्ध नहीं कराई जा रही है और उन्हें मेडिकल स्टोर से महंगे दामों पर दवा खरीदनी पड़ती है। इसके अलावा अस्पताल में अल्ट्रासाउंड और एक्स–रे जैसी जांच सुविधाएं उपलब्ध होने के बावजूद मरीजों को निजी जांच केंद्रों पर भेजे जाने की शिकायतें भी सामने आईं। महिला मरीजों ने आरोप लगाया कि निजी सेंटरों पर उनसे भारी रकम वसूली जाती है। निरीक्षण के दौरान स्त्री रोग विशेषज्ञ के चौंबर में निजी अल्ट्रासाउंड सेंटर की रेफरल पर्चियां मिलने से मामला और गंभीर हो गया। ओपीडी में भी मरीजों को बाहर जांच कराने के लिए भेजे जाने का मामला मौके पर पकड़ में आया। इस पर महिला आयोग की उपाध्यक्ष ने सीएमएस और संबंधित डॉक्टरों को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि कुछ डॉक्टर निजी लाभ और लालच में मरीजों को बाहर भेज रहे हैं, जो गरीब मरीजों के शोषण जैसा है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकारी अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं का लाभ मरीजों को अस्पताल के अंदर ही मिलना चाहिए। निरीक्षण के दौरान अस्पताल की लिफ्ट बंद मिली, जबकि सीढ़ियों और लिफ्ट के पास अस्पताल कर्मियों की बाइकें खड़ी थीं। इस पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि मरीजों की सुविधा से खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वार्डों में गंदगी मिलने और दोपहर तक सफाई कार्य जारी रहने पर संबंधित कर्मचारियों को फटकार लगाई। उन्होंने अस्पताल परिसर में नियमित साफ–सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिया। जच्चा–बच्चा वार्ड में तीमारदारों ने शिकायत किया कि मरीजों की स्थिति की सही जानकारी उन्हें समय से नहीं दी जाती। वहीं न्यूरो विभाग की एक पर्ची में मरीज को अस्पताल से एक भी दवा न मिलने का मामला सामने आया। मरीजों ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ डॉक्टर खुद कहते हैं कि अस्पताल के अंदर जांच सही नहीं होती, इसलिए बाहर जांच करानी पड़ती है। उपाध्यक्ष ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन मरीजों को बाहर जांच के लिए भेजा गया है। उनकी जांच अस्पताल में ही कराई जाए और सभी आवश्यक दवाएं अस्पताल से उपलब्ध कराई जाएं।

बस्ती के स्थापना दिवस पर आयोजित तीन दिवसीय वशिष्ठ महोत्सव का रंगारंग समापन

बस्ती।बस्ती के स्थापना दिवस पर आयोजित तीन दिवसीय वशिष्ठ महोत्सव का रंगारंग समापन हुआ। मुंबई वालीवुड से आए प्रसिद्ध गायक नीरज तिवारी ने अपने भजनों से स्टेडियम में समां बांध दिया। राम जी की सेना चली, अभी जरा ठहरो राम, पूरे भारत का बच्चा बच्चा जय जय श्री राम बोलेगा, बजाओ ढोल स्वागत ने हमारे राम आए हैं, बम भोले बम, होली खेले मसाने के गीतों पर दर्शक झूम उठे। लखनऊ से आई लोक गायिका सुश्री कल्पना पांडेय के भोजपुरी गानों तेरे दर पे ओ मेरी मैया, निमिया की डाली मैया ने खूब वाह वही बटोरी।जबकि दूसरी ओर प्रदेश स्तरीय खोखो प्रतियोगिता में कुल 45 जिले की टीमों ने प्रतिभाग किया। यू पी खो खो लीग के लिए 24 बालक ,24 बालिका का चयन हो गया है जिनको नेशनल कोचिंग के लिए उनको शीघ्र सूचना दी जाएगी।खो स्टेट चौंपियन शिप 2026 (बालक वर्ग)प्रथम – गोरखपुर , द्वितीय – वाराणसी , तृतीय – बस्ती चतुर्थ – जौनपुर , पंचम – बलिया , षष्टम – गाजीपुर सप्तम – प्रयागराज ,अष्टम – बिजनौर के साथ ही वालीबाल (बालक वर्ग) मेंप्रथम स्थान – पकरी चौहान, द्वितीय स्थान – बस्ती स्टेडियम और तृतीय स्थान – पैड़ा का रहा।कबड्डी (बालक वर्ग) में प्रथम स्थान – बस्ती टाइगर, द्वितीय स्थान – कोठवा भरतपुर, तृतीय स्थान – बी आर एस एकेडमी और कबड्डी (बालिका वर्ग) में प्रथम स्थान – बी आर एस एकेडमी, द्वितीय स्थान – बी आर एस कप्तानगंज, तृतीय स्थान – पी एस स्पोर्टस एकेडमी मरहा का रहा। हैण्ड बाल (बालक वर्ग) में प्रथम स्थान – लक्ष्य एकेडमी, द्वितीय स्थान – स्टेडियम बस्ती (।)तृतीय स्थान – जी आई सी बस्ती ने प्राप्त किया। हैण्ड बाल (बालिका वर्ग) मेंप्रथम स्थान – बेगम खैर गर्ल्स इंटर कॉलेज बस्ती , द्वितीय स्थान – स्टेडियम बस्ती (।) तृतीय स्थान – जी जी आई सी बस्ती ने जीता। खो खो स्टेट चौंपियन शिप 2026 (बालिका वर्ग) में प्रथम – वाराणसी , द्वितीय – जौनपुर ,तृतीय – भदोही ,चतुर्थ – हरदोई ,पंचम – प्रयागराज, षष्टम – चंदौली ,सप्तम – बस्ती अष्टम स्थान मथुरा ने हासिल किया।कार्यक्रम संयोजक राना दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि प्रदेश स्तरीय खो खो प्रतियोगिता में बालक वर्ग में102 मैच हुआ जिसमें 596 खिलाड़ियों ने तथा बालिका वर्ग में 63 मैच हुआ जिसमें 448 खिलाड़ियों ने जीत के लिए जोर आजमाइश किया। 146 टीम कोच 45 निर्णायकों ने खेलों को सम्पन्न कराया। हैंडबॉल वालीबाल कबड्डी में जनपद से 230 बालक और 90 बालिकाओं ने प्रतिभाग किया। विजेता प्रथम, द्वितीय, तृतीय को नकद राशि पुरस्कार के साथ मेडल और शील्ड प्रदान किया गया।मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी और विशिष्ट अतिथि जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष राजेंद्र नाथ तिवारी ने महर्षि वशिष्ठ की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर द्वीप प्रज्वलित किया। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरण किया। कहा कि ऐसे आयोजनों से जहां हम अपनी संस्कृति की जड़ों को स्मृति करते हैं वहीं युवाओं के लिए अवसर प्रदान करते हैं।कार्यकम संयोजक राना दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि जिले का नाम बदलकर वशिष्ठ नगर करने के लिए सभी प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष और भव्यता के साथ यह समारोह मनाया जाएगा। श्री राना ने अतिथियों, आगंतुकों और खिलाड़ियों का आभार जताते हुए कहा सभी से सहयोग से तीन दिवसीय यह समारोह भव्य बन सका।

प्रवीण कुमार मण्डल अध्यक्ष, अरविन्द कुमार यादव सचिव निर्वाचित

बस्ती। गुरूवार को प्रेस क्लब सभागार में इलेक्ट्रिकल एण्ड मैकेनिकल डिप्लोमा इंजीनियर संघ सिंचाई विभाग का द्विवार्षिक मण्डलीय अधिवेशन ई. धर्मेन्द्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। अधिवेशन में समस्याओं पर विचार के साथ ही दूसरे सत्र में चुनाव अधिकारी प्रान्तीय पर्यवेक्षक एवं चुनाव अधिकारी मो. राशिद खान की देख रेख में सर्व सम्मति से हुये चुनाव में ई. प्रवीण कुमार मण्डल अध्यक्ष, ई. रिजवान अहमद वरिष्ठ उपाध्यक्ष, ई. अरविन्द कुमार यादव सचिव, ई. अरविन्द साहनी संगठन मंत्री, ई. अंतिमा वर्मा कोषाध्यक्ष चुने गये।निर्वाचित पदाधिकारियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाते हुये राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष मस्तराम वर्मा ने कहा कि राज्य कर्मचारी इंतिहास के सबसे कठिन दौर से गुजर रहे हैं। स्थानीय स्तर पर अनेक विभागों में कर्मचारी समस्यायें लम्बित है। सेवा निवृत्त कर्मचारी अपने देयकों के भुगतान के लिये भटक रहे हैं किन्तु विभागीय अधिकारी सुनने को तैयार नही है।राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष राम अधार पाल, जिला मंत्री तौलू प्रसाद ने कहा कि छोटी–छोटी बातों को लेकर आये दिन बिना पक्ष सुने कर्मचारी दण्डित हो रहे हैं। पुरानी पेंशन बहाली, कोरोना काल के डेढ वर्ष के रोके गये मंहगाई भत्ते और आठवें वेतन आयोग की रिपोर्ट को लागू किये जाने की मांग को लेकर संघ निरन्तर संघर्षरत है। उन्होने कहा कि एकजुटता से ही समस्याओं का हल निकलेगा। कर्मचारी अपने अधिकारों को लेकर निर्णायक भूमिका निभायें। इलेक्ट्रिकल एण्ड मैकेनिकल डिप्लोमा इंजीनियर संघ सिंचाई विभाग के द्विवार्षिक मण्डलीय अधिवेशन में बस्ती,सिद्धार्थनगर और संतकबीर नगर जनपद के अनेक पदाधिकारी और अवर अभियन्ताओं ने समस्याओं पर प्रकाश डाला। कहा कि सरकार द्वारा पूर्व से मिल रहे भत्तों को समाप्त कर कर्मचारी हितों की अनदेखी कर रही है। इन सवालों को लेकर संघर्ष तेज करना होगा। अधिवेशन में मुख्य रूप से ई. दिनेश चन्द्र, लक्ष्मीकान्त, राजेन्द्र प्रसाद, श्याम बिहारी, धर्मदेव, ई. अरविन्द प्रसाद, शैलेन्द्र कुमार, शैलेष कुमार, अनिल कुमार, सुनील कुमार, रवीश चन्द्र श्रीवास्तव, सतीश चन्द्र पाण्डेय, गणेश कुमार श्रीवास्तव, संध्या गुप्ता, सुमन प्रजापति, इरम नसीम, राजेन्द्र प्रसाद यादव, सत्येन्द्र कुमार यादव, कृष्ण मोहन यादव, उदय सिंह पटेल, हरीश कुमार श्रीवास्तव के साथ ही अनेक अवर अभियन्ता,घ् पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कमर्शियल गैस सिलेंडरों के बढ़े बेतहाशा मूल्य वापस लेने की मांग

बस्ती। गुरूवार को उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल उत्तर प्रदेश के प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल बस्ती के जिला अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में बड़े कमर्शियल गैस सिलेंडरों के अचानक बढ़े बेतहाशा मूल्य के वापस लेने की मांग और कालाबाजारी रोके जाने की मांग को लेकर गैस सिलेंडर का प्रतीकात्मक पुतला दहन कर विरोध जताया गया। जिलाध्यक्ष राकेश सिंह के नेतृत्व में बस्ती जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति भारत सरकार को ज्ञापन भेजा प्रदेश उपाध्यक्षध् अध्यक्ष बस्ती मंडल डॉ. मनोज सिंह ने बतायाव्यवसायिक गैस सिलेंडर की उपलब्धता न होने के कारण कुटीर घरेलू , मझौले उद्योग तथा होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट, कैटरिंग का व्यापार करने वाले, हवाई, डेरी वाले तथा फेरी में ठेलों पर खाने पीने का सामान बेचने वाले व्यक्तियों का कारोबार बंदी के कगार पर होने से उनके सामने भारी आर्थिक संकट पैदा हो गया है।प्रदेश उपाध्यक्ष परमात्मा प्रसाद मद्धेशिया एवं सुनीत पाण्डेय ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा 1 मई 2026 से कमर्शियल गैस का रेट अचानक 2080 से 977 रुपए प्रति सिलेंडर बढ़कर 31 71 रुपए प्रति सिलेंडर कर दिया है। जिला अध्यक्ष राकेश सिंह ने कहा कि कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम पूर्व की दर पर ही निर्धारित किये जायं और आवश्यकतानुसार उपलब्धता सुनिश्चित कराये जाने के आदेश पारित किये जायं।जिला महामंत्री आलोक दुबे ने बताया कमर्शियल गैस सिलेंडर की बुकिंग घरेलू गैस सिलेंडर की भांति ऑनलाइन किये जाने की व्यवस्था की जानी चाहिए। जिला संगठन महामंत्री भरत राम गुप्ता बबलू ने कहा कि केंद्र सरकार गैस के वैकल्पिक संसाधनों के खोज के लिए लिए अनुसंधान कमेटी का गठन करें। जिला कोषाध्यक्ष प्रदीप सिंह ने बताया कि महंगाई और कालाबाजारी को रोकने के लिए कमर्शियल गैस सिलेंडर की बढ़ाई गई दरें तुरंत वापस लेने हेतु आवश्यक खत्म उठाए जाने के लिए राष्ट्रपति द्वारा केंद्र सरकार को निर्देशित किया जाना चाहिए।

प्रदीप कुमार मिश्रा अध्यक्ष, विवेक उपाध्याय मंत्री निर्वाचित

बस्ती। गुरूवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ विकास क्षेत्र रामनगर का अधिवेशन प्राथमिक विद्यालय खैरा में, जिला अध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल जी की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। शिक्षक समस्याओं पर व्यापक चर्चा के बाद दूसरे चरण में चुनाव अधिकारी जिला प्रवक्ता सूर्य प्रकाश शुक्ल और पर्यवेक्षक जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष आनन्द दूबे की की देख रेख में हुये चुनाव में चन्द्र बहादुर सिंह संरक्षक, प्रदीप कुमार मिश्रा अध्यक्ष, कुलदीप कुमार तिवारी वरिष्ठ उपाध्यक्ष, कार्यवाहक अध्यक्ष, विवेक उपाध्याय मंत्री, नन्द किशोर चौधरी संयुक्त मंत्री, ज्ञानेश्वर शुक्ल कोषाध्यक्ष, आशुलेष पाण्डेय, मोहम्मद जमील, राम लखन, कृष्ण कुमार, श्रीमती अंकिता चौधरी उपाध्यक्ष, अश्वनी पाठक, राम कृपाल, पंकज कौशल, मुकेश कुमार, श्रीमती सुमन चौधरी संगठन मंत्री घोषित किये गये।निर्वाचित पदाधिकारियों को जिला अध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाते हुये कहा कि शिक्षकों के लिये यह समय करो या मरो का है। अभी न चेते तो एक–एक कर मिले हुये अधिकार भी समाप्त हो जायेगें। कहा कि एकजुटता से ही समस्याओं का हल निकलेगा। उन्होने पदाधिकारियों का आवाहन किया कि वे आगामी 8 मई को प्रेस क्लब सभागार में दिन में 11 बजे से आयोजित बैठक में अनिवार्य रूप से हिस्सा लें। जिला मंत्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि शिक्षक अपने अधिकारों को हासिल करने के लिये एकजुट हों तभी टेट से मुक्ति और पुरानी पेंशन का लाभ मिल सकेगा।अधिवेशन को संबोधित करते हुए जिला संयुक्त मंत्री राजकुमार सिंह, रूधौली अध्यक्ष रजनीश मिश्रा, मंत्री योगेश्वर शुक्ला, ओंकार उपाध्याय एवं सुशील उपाध्याय ने संगठन को सुदृढ़ बनाने पर बल दिया।नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रदीप कुमार मिश्रा ने कहा कि "मैं सेना से सेवानिवृत्त हूँ। एक सैनिक कभी हार नहीं मानता। हम शिक्षक हितों के लिए हमेशा संघर्ष करेंगे। सर कटवा सकते हैं, लेकिन शिक्षक हितों में सिर झुकने नहीं देंगे। किसी भी परिस्थिति में शिक्षकों का शोषण एवं उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी रोड कनेक्टिविटी को मजबूत कर रही योगी सरकार'

गोरखपुर, । योगी सरकार शहर ही नहीं, ग्रामीण इलाकों में भी रोड कनेक्टिविटी को सुदृढ़ कर रही है। गोरखपुर में मुख्य मार्गों को फोरलेन कनेक्टिविटी देने के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण का कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। इसका सबसे बड़ा फायदा, बुनियादी ढांचागत सुविधाओं के विकास से दशकों तक पिछड़े रहे दक्षिणांचल को हो रहा है। दक्षिणांचल में उरूवा, धुरियापार, शाहपुर, बेलघाट मार्ग का चौड़ीकरण कार्य जहां अंतिम दौर में है तो वहीं सिकरीगंज, बेलघाट, लोहरैया मार्ग के भी सुदृढ़ीकरण का कार्य दो तिहाई से अधिक पूरा हो चुका है। इन मार्गों के कायाकल्प से लाखों की आबादी को सुगम आवागमन का लाभ मिलेगा।लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) प्रांतीय खंड द्वारा करीब 18 किमी की लंबाई में उरूवा, धुरियापार, शाहपुर, बेलघाट मार्ग का चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण कार्य कराया जा रहा है। 57.68 करोड़ रुपये की लागत वाली इस सड़क परियोजना की भौतिक प्रगति 95 प्रतिशत है और जून माह के अंत तक शत प्रतिशत कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य तय किया गया है। इस मार्ग को दक्षिणांचल की कनेक्टिविटी के लिए काफी महत्वपूर्ण माना जाता है।

जांच में झूठा निकला मामलाः ग्राम प्रधान का वित्तीय अधिकार बहाल

बस्ती। गौर विकास खंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत बैदोलिया में भ्रष्टाचार की शिकायत उल्टे शिकायतकर्ताओं पर ही भारी पड़ गई। जांच में अधिकारियों ने लगाए गए आरोप को गलत पाया। इसके बाद ग्राम प्रधान को क्लीन चिट देते हुए वित्तीय और प्रशासनिक पावर को बहाल कर दिया है। अब ग्राम प्रधान की तरफ से शिकायतकर्ताओं के ऊपर कारवाई की मांग की गई है।गौर विकास खंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत बैदोलिया निवासी एक व्यक्ति ने ग्राम पंचायत में सरकारी कार्य में अनियमितता और भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की थी। जिसके क्रम में सक्षम अधिकारियों द्वारा जांच करने के बाद ग्राम पंचायत के प्रशासनिक और वित्तीय पावर को सीज कर दिया गया था। इसके बाद ग्राम प्रधान के द्वारा अधिकारियों से निष्पक्ष जांच की गुहार लगाई गई। जिलाधिकारी ने जांच टीम गठित कर अंतिम रिपोर्ट प्रेषित करने का निर्देश दिया। जिला समाज कल्याण अधिकारी की अगुवाई में गठित जांच टीम ने गांव पहुंचकर लगाए गए आरोपों की जांच करने के साथ स्थलीय सत्यापन किया।इस दौरान ग्राम प्रधान प्रतिनिधि रूद्रनाथ पाण्डेय ने बताया कि जो भी आरोप ग्राम प्रधान के ऊपर लगाए गए हैं वह सब फर्जी हैं।

आधुनिक की जाए पोस्टमार्टम हाउस की व्यवस्थाएं : डीएम

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय एवं नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्थित पोस्टमार्टम हाउस का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की सुलभता, अभिलेखों के रखरखाव और बुनियादी ढांचे की स्थिति का जायजा लिया।निरीक्षण में मुख्य चिकित्सा अधिकारी से कार्यालय भवन के इतिहास एवं वर्तमान संचालन की जानकारी प्राप्त की। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने अवगत कराया कि परिसर पूर्व में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं जिला अस्पताल के रूप में संचालित था। जिसे वर्तमान में मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के रूप में उपयोग किया जा रहा है। डीएम ने कार्यालय परिसर में प्रस्तावित नए सभागार के स्थल का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सीएमओ कक्ष के निरीक्षण के दौरान वहां फाल सीलिंग कराने एवं कार्यालय के सौंदर्यीकरण के लिए चर्चा की गई। सीएमओ आवास के बाह्य परिसर का भी अवलोकन किया। पोस्टमार्टम हाउस की व्यवस्थाओं पर असंतोष व्यक्त किया। सुधार के लिए एक सप्ताह का अल्टीमेटम दिया। कंप्यूटर कक्ष के निरीक्षण के दौरान कंप्यूटर ऑपरेटर के माध्यम से पोस्टमार्टम की ऑनलाइन प्रविष्टि की प्रक्रिया की जांच की। निर्देश दिए कि पोस्टमार्टम में प्रयुक्त होने वाले सभी अनिवार्य उपकरणों की सूची तैयार कर दीवार पर चस्पा की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल आधुनिक एवं एडवांस उपकरणों का ही उपयोग किया जाए। पुराने व निष्प्रयोज्य उपकरणों को तत्काल हटाया जाए। उन्होंने प्रयुक्त होने वाले ब्लेड व अन्य सर्जिकल उपकरणों को बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंटश के मानकों के अनुसार निस्तारित करने के निर्देश दिए। पोस्टमार्टम करने वाले कर्मियों के लिए निर्धारित ड्रेस कोड का पालन सुनिश्चित करने तथा पोस्टमार्टम हाउस की साफ सफाई, कक्षों के रंगरोगन और पुराने स्ट्रक्चर को हटाने के सख्त निर्देश दिए गए। कहा कि पोस्टमार्टम हाउस की व्यवस्थाओं में अगले एक सप्ताह के भीतर .श्यमान परिवर्तन होना चाहिए। अंत में जिलाधिकारी ने एक्स–रे कक्ष, रसायन कक्ष, संचय कक्ष एवं शव विच्छेदन कक्ष का भी अवलोकन किया और संपूर्ण परिसर को व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर सीएमओ डॉ भूपेश द्विवेदी, अपर सीएमओ मौजूद रहे।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को लेकर नगर पालिका सख्त

चित्रकूट। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025–26 के अंतर्गत डीएम पुलकित गर्ग के निर्देशन में नगर पालिका परिषद चित्रकूटधाम द्वारा नगर क्षेत्र में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को लेकर व्यापक स्तर पर कार्यवाही की जा रही है। नगर पालिका द्वारा सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट नियम के अंतर्गत डोर टू डोर कूडा कलेक्शन, स्रोत स्तर पर गीले एवं सूखे कूडे का पृथक्करण, कूडा संग्रहण, परिवहन एवं समुचित निस्तारण की व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है।

खरीफ फसलों के बीजों के अश्नलाइन बुकिंग प्रारंभ

चित्रकूट। राज्य सरकार द्वारा वित पोषित सामान्य बीज वितरण, निःशुल्क दलहन एवं तिलहन बीज मिनीकिट एवं प्रसार कार्यक्रम में अन्तर्गत खरीफ 2026 में समस्त प्रकार के बीज पहले आओ पहले पाओ के सिद्धान्त के स्थान पर बुकिंग कराते हुए ई–लाटरी के माध्यम से वितरण किया जाना है। ऐसे में खरीफ फसले यथा मूंग, उर्द, अरहर, तिल, मूंगफली, सोयाबीन, धान, दैचा आदि बीज का अनुदान पर सामान्य वितरण व निःशुल्क मिनीकिट के विकास खण्डवार तथा योजनावार लक्ष्य फोड किये जा चुके है।

स्वगणना कर डीएम ने जनमानस से की अपील

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश में प्रारंभ हुई स्वगणना प्रक्रिया के प्रथम दिवस पर डीएम पुलकित गर्ग ने स्वयं स्वगणना कर नागरिकों से इस महत्वपूर्ण जनभागीदारी अभियान में सक्रिय सहभागिता करने की अपील की है।स्वगणना के माध्यम से नागरिक अपने परिवार एवं सामाजिक विवरण को स्वयं ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। जिससे आंकडों की शुद्धता, पारदर्शिता एवं प्रशासनिक योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सहायता प्राप्त होगी। प्रदेश में स्वगणना की प्रक्रिया 21 मई तक संचालित की जाएगी। सभी नागरिकों से अपील है कि निर्धारित अवधि के भीतर स्वगणना पोर्टल पर जाकर अपनी जानकारी अवश्य दर्ज करें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व चंद्रशेखर, अमित कुमार पटेल, डीआईओ एनआईसी अविनाश कुमार उपस्थित रहे।

जिला जज ने लोक अदालत प्रचार वाहन को दिखाई हरी झंडी

चित्रकूट। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण तथा उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष जनपद न्यायाधीश शेषमणि शुक्ल, पद्माकरमणि त्रिपाठी पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण, राकेश कुमार यादव प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय, सन्तोष कुमार तृतीय स्थायी लोक अदालत, राहुल मिश्रा प्रथम अपर जिला जज, अनुराग कुरील अपर जिला जज एफटीसी, गीता सिंह विशेष न्यायाधीश एससी एसटी, राममणि पाठक अपर जिला जज एफटीसी नोडल अधिकारी लोक अदालत एवं रेनू मिश्रा विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट द्वारा प्रचार वाहन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। रैली में अग्रणी बैंक के तत्वावधान में प्रचार वाहन के माध्यम से कर्वी नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुये नौ मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत का प्रचार करते हुये ग्रामीण क्षेत्रों में भी आम जनमानस को जागरूक किया गया। अपर जिला जज राममणि पाठक ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन नौ मई को जनपद न्यायालय एवं समस्त तहसीलों में शमनीय आपराधिक वाद, धारा–138 एनआई एक्ट, मोटर एक्सीडेंट क्लेम वाद, श्रम वाद, बैंक वसूली वाद, विद्युत अधिनियम और जल वाद, सर्विस मैटर्स, पारिवारिक, वैवाहिक वाद, भूमि अधिग्रहण वाद, राजस्व चकबन्दी वाद, किरायेदारी वाद, सुखाधिकार वाद, स्थायी निषेधाज्ञा व सिविल वाद, मनी वसूलीवाद, विनिर्दिष्ट अनुतोष वाद, मोटर वाहन ई–चालानध्लघु आपराधिक वादों, श्रमवाद, प्री–लिटिगेशन के माध्यम से ऐसे वाद जो अभी न्यायालय के समक्ष नही आये हैं विशेषकर पारिवारिक मामले, उपभोगता फोरम तथा आर्बिट्रेशन सम्बन्धित वादों एवं अन्य प्रकार के जिन वादों का निस्तारण सुलह समझौते के आधार पर हो सकता है, उन्हे भी अधिक से अधिक संख्या में निस्तारित किया जायेगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव इला चौधरी ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बैंकों एवं पराविधिक स्वयं सेवकों के सहयोग से राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार प्रसार एवं आमजन मानस को जागरूक करने के लिये रैली निकाली गयी। राष्ट्रीय लोक अदालत में निस्तारित वादों में लगी कोर्ट फीस वापस हो जाती है। मुकदमें बाजी से छुटकारा जल्दी मिल जाता है। आर्थिक व्यय व समय की बचत होती है। इस अवसर पर राजेन्द्र प्रसाद भारती मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, सचिन कुमार दीक्षित सिविल जज सीडि सहायक नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत, अश्वनी कुमार उपाध्याय सिविल जज सीडि, अंशुमान यादव अतिरिक्त सिविल जज सीडि, विदिशा भूषण सिविल जज जूडि, सृष्टि शुक्ला न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम, अभिनव कुमार दुबे न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वितीय, अनुराग शर्मा अग्रणी प्रबन्धक इण्डियन बैंक, सुरेन्द्र कुमार जिला सूचना अधिकारी, जनपद न्यायालय में कार्यरत अधिकारी, कर्मचारी आदि मौजूद रहे।

लापरवाही पर एल एण्ड टी संस्था को जारी किया नोटिस

चित्रकूट। कलेक्ट्रेट सभागार में अपर जिला अधिकारी नमामि गंगे स्वप्निल यादव की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित परियोजनाओं की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक संपन्न हुई। समीक्षा बैठक में सहायक अभियंता जल निगम द्वारा बताया गया कि सिलौटा मुस्तकिल में कुल 576.55 किमी पाइप लाइन में से 572.55 किमी पाइप लाइन बिछाने का कार्य, चांदी बांगर में कुल 3038.38 किमी में से 2592.60 किमी पाइप लाइन बिछाने का कार्य एवं रैपुरा में कुल 882.38 किमी में से 847.40 किमी पाइप लाइन बिछाने का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। बैठक में निर्माण कार्यों की धीमी प्रगति और तकनीकी खामियों पर कड़ा रुख अपनाते हुए कार्यदायी संस्थाओं को सख्त निर्देश जारी किए गए। बैठक में कार्यों में अनावश्यक देरी और लापरवाही बरतने पर एलएंडटी संस्था को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। साथ ही प्रोजेक्ट मैनेजर का संतोषजनक कार्य न होने पर उनके अनुबंध को समाप्त करने की चेतावनी देते हुए कल तक आवश्यक कार्यवाही रिपोर्ट मांगी गई है। रैपुरा ग्राम समूह पेयजल योजना में गृह जल संयोजन और पाइप लाइन के डिजाइन व प्रेशर टेस्टिंग में आ रही समस्याओं को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए गए। मंदाकिनी ब्रिज के समीप लंबित कार्यों को प्राथमिकता पर पूर्ण करने को कहा गया है। ग्रामीण अभियंत्रण विभाग की रोड के कार्यों के लिए संयुक्त निरीक्षण तैयार करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, ईगल संस्था को अपनी विस्तृत रिपोर्ट कल तक अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने को कहा गया है। जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायतों के निस्तारण की प्रगति मात्र 55 प्रतिशत पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त की गई और इसे जल्द से जल्द शत प्रतिशत करने का लक्ष्य दिया गया। मानिकपुर ब्लॉक के कल्याणपुर, रामपुर कल्याणगढ, कोटा कंदैला, किहुनिया, सेमरदहा, टिकरिया जमुनिहाई और मऊ के हरदी कला व ददरी जैसे गांवों में चल रही योजनाओं की सूक्ष्म निगरानी के निर्देश दिए गए।

चक सीमांकन में बाधक किसानों के खिलाफ दर्ज होगी प्राथमिकी

–डीएम ने की चकबंदी प्रक्रियाधीन गांवों की समीक्षा

–दूषित कार्य प्रणाली पर चकबंदीकर्ता को निलंबित करने के दिए निर्देश

चित्रकूट। जिलाधिकारी जिला उप संचालक चकबन्दी पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद के चकबन्दी प्रक्रियाधीन ग्रामों की समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी द्वारा अवगत कराया कि जिले में धारा 7 (भूचित्र पुनरीक्षण) के अंतर्गत 4 ग्रामों में से 2 ग्रामों में कार्य किया जा रहा है। 2 ग्रामों में जनविरोध के कारण कार्य बाधित है। धारा 8 (पडताल के स्तर) पर एक ग्रामों में पडताल का कार्य चल रहा है। धारा 9 के अन्तर्गत कुल 7 ग्रामों में सहायक चकबन्दी अधिकारीगण द्वारा विनिमय अनुपात का निर्धारण किया जा रहा है। एक ग्राम गढवारा में जनविरोध के कारण कार्य बाधित है। धारा 20 के अन्तर्गत 6 ग्रामों में से 3 ग्रामों में चक सृजन का कार्य प्रारम्भ है। 3 ग्रामों में जनविरोध के कारण कार्य बाधित है। धारा 24 के अन्तर्गत ग्राम सिकरीसानी, बाबूपुर, डुडौली, तेरा बुजुर्ग व लदेहटा में चक सीमांकन का कार्य किया जा रहा है। धारा 27 में ग्राम ऐंचवारा व धारा 52 में खरौंध का कार्य किया जा रहा है,जोत चकबन्दी अधिनियम की धारा 24 के अन्तर्गत ग्राम बाबूपुर के चक सीमांकन की धीमी प्रगति पर जिलाधिकारी द्वारा अप्रसन्नता व्यक्त की गई। ग्राम में कार्यरत रमाकान्त गौतम चकबन्दीकर्ता की दूषित कार्य प्रणाली के लिये उनके निलम्बन की कार्यवाही करने के निर्देश निर्गत किये गये। ग्राम लदेहटा, डुडौली में चक सीमांकन कार्य को बाधित करने वाले .षकों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराते हुये चक सीमांकन कार्य प्रारम्भ कराये जाने के निर्देश निर्गत किये गये। समीक्षा बैठक में अपर जिलाधिकारी न्यायिक अरुण कुमार, बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी मनोहर लाल वर्धन, चकबंदी अधिकारी संजय शुक्ला, शरद चंद्र यादव तथा समस्त सहायक चकबन्दी अधिकारी तथा चकबन्दीकर्ता व चकबन्दी लेखपाल उपस्थित रहे।

पर्यटन स्थलों पर चाकचौबंद रहे इंतजाम : डीएम

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग ने रोपवे का निरीक्षण करते हुए संयुक्त निदेशक पर्यटन को निर्देशित किया कि रोपवे के अनुबंध की तिथि, शर्तें तथा प्रतिदिन होने वाली आय का विस्तृत विवरण शीघ्र प्रस्तुत किया जाए। साथ ही रोपवे की समुचित देखरेख एवं संचालन सुनिश्चित करने तथा पर्यटकों की सुविधा के लिए पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था विकसित किए जाने के लिए वन विभाग से समन्वय स्थापित करते हुए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। लक्ष्मण पहाडी के निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि पर्यटन विभाग द्वारा स्थापित झूले आदि क्षतिग्रस्त अवस्था में हैं। इस पर जिलाधिकारी ने संयुक्त निदेशक पर्यटन को निर्देशित किया कि संबंधित कार्यदायी संस्था को पत्राचार कर नियमानुसार शीघ्र मरम्मत कार्य सुनिश्चित कराया जाए। ताकि पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। खोही परिक्रमा मार्ग स्थित सामुदायिक शौचालय का निरीक्षण करने पर वह ताला बंद पाया गया तथा आसपास गंदगी भी पाई गई। जानकारी करने पर ज्ञात हुआ कि उक्त शौचालय का हैंडओवर अभी तक नगर पालिका को नहीं किया गया है। इस पर जिलाधिकारी ने संयुक्त निदेशक पर्यटन को निर्देशित किया कि शीघ्र ही सामुदायिक शौचालय नगर पालिका को हस्तांतरित किया जाए। जिससे आमजन के उपयोग के लिए इसे संचालित किया जा सके। अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को निर्देशित किया गया कि वे संयुक्त निदेशक पर्यटन से समन्वय स्थापित कर शीघ्र हैंडओवर प्राप्त करें तथा उक्त सामुदायिक शौचालय का नियमित संचालन एवं साफ सफाई सुनिश्चित कराएं। डीएम ने निर्देश दिए कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय करें। जिससे जनसुविधाओं में वृद्धि हो तथा क्षेत्र में पर्यटन को बढावा मिल सके।

रैंकिंग बढ़ाने के चक्कर में फर्जी निस्तारण कर वाहवाही लूट रही पुलिस

मीरजापुर। आईजीआरएस के फर्जी निस्तारण में माहिर मीरजापुर की देहात कोतवाली पुलिस, रैंकिंग बढ़ाने के चक्कर में फर्जी निस्तारण कर वाहवाही लूट रही है। देहात कोतवाली पुलिस, दरोगा रमाशंकर यादव के बाद दरोगा राम प्रताप यादव पर आईजीआरएस शिकायत पर फर्जी निस्तारण का आरोप लगाया गया है। पीड़ित का आरोप है कि उनके शिकायती प्रार्थना पत्र पर हल्का दरोगा राम प्रताप यादव बार–बार गलत रिपोर्ट लगा रहे। घटना के ऑडियो वीडियो साक्ष्य देने के बावजूद आरोपियों पर कार्यवाही नहीं हो रही है। पीड़ित को थाने से लेकर एसपी ऑफस तक चक्कर लगाने के बाद भी न्याय नहीं मिल पा रहा है। इसी बीच पीड़ित और दरोगा के बीच बातचीत का ऑडियो वायरल होने के बाद पुलिस की जहां खूब किरकिरी हो रही है, देहात कोतवाली थाना क्षेत्र के चिन्दलिख दूबेपुर के इस मामले को लेकर लोगों में चर्चा हो रही है कि कहीं–कहीं पुलिस की भूमिका खुद मामले का सही ढंग से निस्तारण कर शांत कराने के बजाए विवादों को बढ़ाने में ज्यादा दिखाई दे रहा है। इसका जीता जागता उदाहरण देहात कोतवाली थाना क्षेत्र के चिन्दलिख दूबेपुर गांव के इस मामले से ही जोड़ कर देखा जा सकता है। दरअसल, देहात कोतवाली थाना क्षेत्र के चिन्दलिख दूबेपुर गांव निवासी अरविंद कुमार दुबे ने 19 अप्रैल 2026 को गांव के ही श्रवण कुमार दुबे के खिलाफ पीछा करने सहित जान–माल का खतरा बताते हुए पुलिस से शिकायत की थी। इन्होंने बाकायदा मोबाइल लोकेशन सहित पूरे मामले की जांच कराने की मांग की थी ताकि सत्यता सामने आ सके। अरविंद अपने शिकायती पत्र में 18 जुलाई 2025 में हुए मारपीट तथा 9 जनवरी 2026 को घर पर चढ़कर कट्टा लेकर जान से मारने की धमकी दिए जाने का उल्लेख करते हुए पूर्व के घटनाक्रम को भी उल्लेखित करते हुए कार्रवाई की गुहार लगाई थी। आरोप लगाया है कि पुलिस कार्रवाई के बजाए निरंतर उनके विरोधियों का बचाव करते हुए उल्टा उनपर ही कार्रवाई कर फर्जी निस्तारण रिपोर्ट लगाकर उनका आर्थिक मानसिक उत्पीड़न करते हुए आई है। देहात कोतवाली के संबंधित इलाकाई दरोगा की भूमिका इस पूरे मामले में शुरू से ही विवादों के घेरे में रही है। प्रकरण से सम्बंधित उच्च अधिकारी संज्ञान लेते तो प्रकरण का निष्पक्ष जांच हो जाता, लेकिन नहीं इस मामले मातहतों ने जो रिपोर्ट दिया उसे ही सही मान लिया गया। जिससे मामला जस का तस बना हुआ है। अरविंद दुबे के मामले में लगातार फर्जी रिपोर्ट लगाया जा रहा है। शिकायतकर्ता ने अपने प्रार्थना पत्र में जिस व्यक्ति का नाम नहीं लिखा उसका नाम डालकर फर्जी रिपोर्ट लगा दिया जा रहा है जबकि जिसे प्रार्थना पत्र में आरोपित किया गया है उसका नाम तक पुलिस ने नहीं लिया? ऐसे में सवाल उठता है कि आखिरकार यह सारा खेल देहात कोतवाली पुलिस किसके इशारे पर और क्यों कर रही है। फर्जी निस्तारण, रिपोर्ट लगाने वाले पुलिस दरोगा से कोई भी उच्चाधिकारी यह नहीं पूछ पाया कि शिकायतकर्ता ने अपने शिकायती पत्र में जिसका नाम नहीं दिया है तो आखिरकार उसका नाम क्यों अंकित किया जा रहा है,जिसका दे रहा है उसके नाम को हटा दिए जाने के पीछे क्या राज है। खैर इस पूरे प्रकरण में पुलिस खघसकर इलाकाई दरोगा की चाहें जो भी मंशा हो लेकिन इतना तो साफ हो गया ह ै कि अरविंद दुबे मामले में पुलिस का रवैया शुरू से ही विरोधाभासी रहा है।

अभियुक्त को छह हजार रुपए अर्थदंड की सजा

चित्रकूट। पुलिस महानिदेशक के आदेशानुसार चलाये जा रहे ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत पुलिस अधीक्षक रेलवे अनुभाग झाँसी विपुल कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन व पुलिस उपाधीक्षक रेलवे झाँसी सलीम खान के पर्यवेक्षण एवं थानाध्यक्ष शालिनी सिंह भदौरिया थाना जीआरपी क्वीं के नेतृत्व में पैरोकार आलोकनाथ की प्रभावी पैरवी एवं सहायक अभियोजन अधिकारी पीयूष यादव की दलीलें सुनने के बाद सिविल जज सीनियर डिवीजन त्वरित न्यायालय ने थाना जीआरपी कर्वी में दर्ज अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त नवनीत उर्फ कल्लू पुत्र स्व विजय बहादुर सिंह निवासी भरतकूप को दोष सिद्ध होने पर जेल में बितायी गयी कुल अवधि एवं छह हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है।

सड़क हादसे में महिला समेत युवक की गई जान

चित्रकूट। झांसी–मिर्जापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रैपुरा थाना क्षेत्र के बगरेही के पास गुरुवार दोपहर सडक हादसे में महिला समेत युवक की मौत हो गई। बताया गया कि सरधुवा निवासी देव कुमार प्रजापति (18) पुत्र घनश्याम बुआ के घर शादी में शामिल होने बसिला गांव जा रहा था। दोपहर करीब एक बजे बगरेही ककरापुरवा के पास सडक पार कर रही ऐंचवारा निवासी आशा (30) पत्नी कमलखी से उसकी बाइक टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों दूर जा गिरे। युवक के सिर में गंभीर चोट आई। राहगीरों की सूचना पर यूपी 112 टीम मौके पर पहुंची और दोनों को जिला अस्पताल ले गई। रास्ते में युवक ने दिया। जबकि महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। युवक मुंबई में फैक्ट्री में काम करता था और बुधवार को ही गांव आया था। दो भाई व एक बहन में वह सबसे छोटा था। मां का रो–रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम कराया है।

सपा ने कसा तंज, ड्रमंडगंज घाटी हादसे में बीजेपी कर रही राजनीति

मीरजापुर। जिले के ड्रमंडगंज घाटी में दस लोगों की वाहन में जलकर हुई दर्दनाक मौत के बाद सरकार द्वारा पीड़ित परिवारों को प्रदान किए गए आर्थिक सहायता राशि के चेक पर समाजवादी पार्टी (सपा) ने कड़ी आपत्ति जताई है। सपा जिलाध्यक्ष ने कहा है कि यह सहायता कम सरकार का प्रचार ज्यादा है। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने कहा मिर्जापुर के ड्रमंडगंज घाटी में पिछले दिनों दर्दनाक सड़क हादसे में जान गंवाने वाले परिजनों के घर के पहुंचे सत्ता के जनप्रतिनिधि जो पीड़ितों को चेक दे रहे हैं वह आर्थिक सहायता कम प्रचार ज्यादा लग रहा है। काफिले के साथ पहुंच कर घर वालों को मोदी योगी की तस्वीर वाला चेक थमाया गया है, मायूस परिजनों को नगर विधायक एवं छानबे विधायिका प्रतीकात्मक चेक हाथों में थमाकर फोटो खींचवाते नजर आ रहे जो एक निंदनीय कदम है। उन्होंने तंज कसा कि यदि चेक देना ही था तो ओरिजिनल देना चाहिए था और इस दुःख की घड़ी में फोटो बाजी ना होता तो अच्छा रहता। समाजवादी पार्टी इस फोटो को लेकर निंदा करती है। बता दें कि पिछले दिनों जिले के अंतिम छोर पर स्थित ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत ड्रमंडगंज घाटी के बड़का मोड़ घुमान पर बोलोरो और कार की ट्रक ट्रेलर में भिड़ंत से आग लगने से कुल 12 लोगों की मौत हो गई थी।

भाजपा प्रत्याशी नितिन विजयी, 51 मत निरस्त, 11 से हुई जीत

मीरजापुर। स्थानीय नगर पालिका परिषद के वार्ड संख्या 36 बुन्देलखण्डी सदस्य पद के उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी नितिन केसरवानी ने जीत दर्ज की। मतगणना पूरी होने के बाद घोषित अंतिम परिणाम में भाजपा प्रत्याशी को 709 मत प्राप्त हुए। निर्दल प्रत्याशी रवि टंडन को 698 तथा समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी नागेंद्र तिवारी को 636 मत मिले। निर्दलीय दाऊ दयाल को 216 मत प्राप्त हुए। नोटा के पक्ष में 5 मत पड़े। मतगणना के दौरान कुल 2315 मतों की गिनती की गई, जिनमें 51 मत निरस्त घोषित किए गए। कुल वैध मतों की संख्या 2264 रही। इससे पहले मंगलवार को हुए मतदान में कुल 40.97 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था। कुल 5651 मतदाताओं में से 2315 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। इनमें 1318 पुरुष और 997 महिला मतदाता शामिल रहीं। मतदान के लिए कुल सात बूथ बनाए गए थे। सात चक्रों में मतगणना किया गया। बूथ संख्या 232 स्थित बंदा बैरागी प्राथमिक पाठशाला धुंधी कटरा पर सर्वाधिक 561 वोट पड़े, जबकि बूथ संख्या 231 भारतीय शिशु मंदिर नारघाट पर सबसे कम 119 मतदाताओं ने मतदान किया। प्रशासन की ओर से सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। अधिकारियों ने मतदान और मतगणना प्रक्रिया को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया गया। परिणाम घोषित होने के बाद भाजपा समर्थकों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। मिठाई खिलाकर बधाई दी गई।

पूर्व सांसद पंडित उमाकांत मिश्र की मनाई गई पुण्यतिथि

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। क्षेत्र के कठार (बेलन बरौंधा) गांव में बृहस्पतिवार को पूर्व सांसद पंडित उमाकांत मिश्र की बारहवीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस दौरान उनकी स्मृति में श्रद्धांजलि सभा के साथ विचार गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। चचेरे भाई देवदत्त मिश्र व भतीजे शशिदेव मिश्र तथा इंद्रदेव मिश्र द्वारा दीप प्रज्वलन व पुष्पांजलि निवेदित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद कार्यक्रम की शुरुआत हुई। विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष व वरिष्ठ कांग्रेस नेता भगवती प्रसाद चौधरी ने कहा कि बहुमुखी प्रतिभा संपन्न पूर्व सांसद पंडित उमाकांत मिश्र जीवन पर्यंत सर्व धर्म समभाव की राजनीति करते रहे। बताया कि उन्होंने सांसद रहते हुए दिल्ली की लोकसभा में विसुद्ध संस्कृत भाषा में लंबा भाषण देकर सबको चकित कर दिया था। बसपा नेता जगत शास्त्री ने कहा कि पंडित उमाकांत मिश्र विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। कहा कि उनका संपूर्ण जीवन लोकहित के लिए समर्पित था। कांग्रेस नेता राजेश नारायण तिवारी ने कहा कि पंडित जी सेवा और समर्पण की राजनीति करते थे। कहा कि उन्होंने राजनीति को कभी भी उपभोग की वस्तु नहीं समझा। अखिलेश्वर त्रिपाठी ने कहा कि सर्व समाज की चिंता करने वाले पूर्व सांसद पंडित उमाकांत मिश्र के प्रयास से ही अदवा, मेजा तथा बरौंधा जलाशय का निर्माण संभव हुआ। अमिताभ पांडेय ने कहा कि पंडित उमाकांत मिश्र का सादगी पूर्ण राजनैतिक जीवन आज के राजनीतिज्ञों के लिए अनुकरणीय है।

फर्नीचर की दुकान में लगी आग

चित्रकूट। शहर के रेलवे क्रॉसिंग के पास नई बाजार में बुधवार देर रात फर्नीचर की दुकान में आग लग गई। शॉर्ट सर्किट से लगी आग ने दुकान व घर को चपेट में ले लिया। दुकानदार के मुताबिक करीब 20 लाख का नुकसान हुआ है। बताया गया कि ओवरब्रिज के नीचे रहने वाले दुकानदार सिद्धगोपाल गुप्ता रात साढे नौ बजे सोने की तैयारी कर रहे थे। तभी स्टॉक रूम से धुआं उठता दिखा। देखते ही देखते लपटें तेज हो गईं। परिजन शोर मचाते बाहर भागे। पडोसियों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग फैल गई। सूचना पर एसपी अरुण कुमार सिंह व कोतवाल दुर्ग विजय सिंह फोर्स समेत पहुंचे। आरोप है कि फायर ब्रिगेड टीम 40 मिनट बाद आई। पुलिस व दमकल कर्मियों ने दो घंटे की मशक्कत के बाद रात 12 बजे आग पर काबू पाया। पुलिसकर्मियों ने घर में रखे दो गैस सिलिंडर भी समय रहते बाहर निकाले। जिससे बडा हादसा टल गया। आसपास के लोगों ने राहत की सांस ली।

श्रीकृष्ण ने वंशी बजाकर प्रेम भक्ति का दिया संदेश : शास्त्री

चित्रकूट। मानिकपुर के वाल्मीकि नगर पश्चिमी में पं. स्व. राजधर मिश्र की प्रथम पुण्यतिथि पर चल रही श्रीमद्भागवत कथा के छठवें दिन कथा व्यास महेंद्र शास्त्री महराज ने श्री.ष्ण की महारास लीला व गोपियों के प्रेम का वर्णन किया। बताया कि भगवान ने बंसी बजाकर गोपियों को बुलाया और प्रेम भक्ति का संदेश दिया। कथा में भक्त झूम उठे।कथा व्यास ने बताया कि सत्संग से ही मनुष्य का कल्याण है। पाप के कामों से बचना चाहिए।

भखला नदी में नहाने गए 5 बच्चे डूबे, 2 की मौत

श्रावस्ती । भखला नदी में नहाना पांच बच्चों और युवकों के लिए जानलेवा साबित हुआ। थाना कोतवाली भिनगा क्षेत्र के भिनगा–बहराइच मार्ग स्थित भखला नदी में बृहस्पतिवार दोपहर नहाने गए पांच बच्चों में से दो की डूबकर मौत हो गई, जबकि तीन बच्चों को स्थानीय गोताखोरों ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हादसे के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया और परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार गिलौला थाना क्षेत्र के घोरमा परसिया गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए कुछ बच्चे और युवक रिश्तेदारी में आए हुए थे। दोपहर के समय सभी लोग गांव से करीब नौ किलोमीटर दूर स्थित भखला नदी में नहाने चले गए। नदी में उतरते ही अचानक सभी गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। बच्चों को डूबता देख मौके पर मौजूद लोगों में अफरा–तफरी मच गई। स्थानीय गोताखोरों और ग्रामीणों ने तत्काल बचाव कार्य शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद अभिषेक पुत्र गुड्डू (16) निवासी घोरमा परसिया थाना गिलौला, राहुल पुत्र श्यामू (16) निवासी मरौचा जनपद बहराइच तथा विनय पुत्र नकछेद जायसवाल (22) निवासी भगवानपुर करनैलगंज जनपद गोण्डा को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। तीनों की हालत बिगड़ने पर उन्हें तत्काल जिला अस्पताल भिनगा भेजा गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। वहीं प्रेम प्रकाश पुत्र शिव पूजन (16) निवासी मरौचा जनपद बहराइच और अभि पुत्र राम प्रसाद (15) निवासी घोरमा परसिया थाना गिलौला गहरे पानी में समा गए। सूचना मिलते ही थाना कोतवाली भिनगा और सोनवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से दोनों बच्चों की तलाश शुरू कराई, लेकिन देर शाम तक उनका कोई सुराग नहीं मिल सका।

मोहम्मद शमी की टिप्स से मिला विराट कोहली का विकेट? युवा पेसर प्रिंस यादव ने खोला राज

प्रिंस यादव ने विराट कोहली को शून्य पर आउट करने को खास पल बताते हुए भी टीम की जीत को अधिक महत्वपूर्ण बताया, उन्होंने जोर देकर कहा कि व्यक्तिगत उपलब्धि की तुलना में लखनऊ सुपर जायंट्स की जीत ज्यादा संतोषजनक है।प्रिंस यादव ने कहा कि विराट कोहली को दो गेंदों पर शून्य पर आउट करना एक खास पल था, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि व्यक्तिगत उपलब्धि से कहीं ज्यादा मायने लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) की रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) पर जीत रखती है। आरसीबी के रन–चेज के दौरान, प्रिंस ने शुरुआती झटके में ही कोहली को सस्ते में आउट कर दिया, जिससे एलएसजी ने गुरुवार रात लखनऊ में खेले गए हाई–स्कोरिंग इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के मुकाबले में रोमांचक नौ रन की जीत दर्ज की।उस बहुमूल्य विकेट पर विचार करते हुए, युवा तेज गेंदबाज ने कहा कि मैच का परिणाम कहीं अधिक संतोषजनक था। प्रिंस ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि विकेट लेने के बाद मुझे अच्छा लगा, लेकिन मेरी सबसे बड़ी खुशी मैच जीतने में है। अगर मैंने विकेट लिया होता और हम हार जाते, तो शायद इतना महत्व नहीं होता, लेकिन मेरे लिए सबसे अच्छी बात यह है कि मेरी टीम जीती। टीम के लिए मैच जीतना मेरे लिए ज्यादा महत्वपूर्ण था।दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने एलएसजी के गेंदबाजी कोच भरत अरुण और अनुभवी भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के साथ अपनी बातचीत के बारे में भी बताया और कहा कि उनसे हुई चर्चाएं सकारात्मक और मददगार रहीं। प्रिंस ने कहा कि मेरी उनसे लगातार बातचीत होती रहती हैय दरअसल, मोहम्मद शमी भी वहीं हैं। तो सब कुछ ठीक चल रहा है, हमारी अच्छी और सकारात्मक चर्चाएँ हो रही हैं, और हमारा पूरा ध्यान सिर्फ इस बात पर है कि हमें क्या और कैसे करना है।प्रिंस ने शमी को नई गेंद से गेंदबाजी की बारीकियों को समझने में मदद करने और मैदान पर युवा गेंदबाजों का आत्मविश्वास बढ़ाने का श्रेय भी दिया। एलएसजी के तेज गेंदबाज ने आगे कहा कि मैंने उनसे नई गेंद के बारे में भी बहुत कुछ सीखा, लेकिन मुझे सबसे अच्छी बात यह लगती है कि जब भी कोई गेंदबाज गेंदबाजी करता है, तो वह मिड–ऑन या मिड–ऑफ पर खड़े होते हैं।

जब बढ़ता है प्रेसर तब निखरता है मेरा खेल, आईपीएल की चुनौतियों पर खुलकर बोले कुनाल पाण्डया

रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के ऑलराउंडर क्रुणाल पंड्या ने मौजूदा आईपीएल चौंपियन होने के दबाव पर बात करते हुए कहा कि उच्चतम स्तर पर दबाव हमेशा बना रहता है और इसे स्वीकार कर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहिए। उन्होंने जियोस्टार के कार्यक्रम में जोर दिया कि अपेक्षाओं के बावजूद चीजों को सरल रखना और बेसिक्स पर ध्यान केंद्रित करना सफलता की कुंजी है।रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मौजूदा चौंपियन के तौर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए आवश्यक चुनौतियों और मानसिकता के बारे में बात करते हुए कहा कि उच्चतम स्तर पर दबाव हमेशा बना रहता है, लेकिन इससे डरने की बजाय इसे स्वीकार करना चाहिए। जियोस्टार के सुपरस्टार्स कार्यक्रम में बोलते हुए, क्रुणाल ने खिताब जीतने के साथ आने वाली अपेक्षाओं पर विचार किया और उच्च दबाव वाली स्थितियों में सरल दृष्टिकोण बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। ऑलराउंडर ने कहा कि यह जानकर बहुत अच्छा लग रहा है कि हम

मौजूदा चौंपियन हैं। जब आप उच्चतम स्तर पर खेलते हैं, तो दबाव हमेशा रहता है, चाहे आप मौजूदा चौंपियन हों या नहीं। उन्होंने आगे कहा कि ऐसी परिस्थितियाँ अक्सर उन्हें एक खिलाड़ी के रूप में प्रेरित करती हैं और उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में मदद करती हैं। उन्होंने कहा कि मेरा हमेशा से मानना घ्रहा है कि एक एथलीट के रूप में मैं खुद को कठिन परिस्थितियों के लिए तैयार करने की कोशिश करता हूँ। जब भी अतिरिक्त दबाव होता है या प्रदर्शन करने की आवश्यकता होती है, तो यह मुझे व्यक्तिगत रूप से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है।पांड्या ने इस बात पर जोर दिया कि अपेक्षाओं को संभालने में अनुभव महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, खासकर वरिष्ठ खिलाड़ियों के लिए जो टूर्नामेंट के चुनौतीपूर्ण चरणों में युवा साथियों का मार्गदर्शन करते हैं। उन्होंने कहा कि आखिरकार, कुछ भी नहीं बदलता। यह सिर्फ एक खेल है। आपको इसे उसी तरह से लेना चाहिए... लगभग एक दशक से इस स्तर पर खेलने के कारण, एक वरिष्ठ खिलाड़ी के रूप में मेरे पास अपने साथियों के साथ साझा करने के लिए कुछ अनुभव है। आरसीबी के ऑलराउंडर ने मैच की स्थिति या बाहरी दबाव चाहे जैसा भी हो, शांत रहने और बुनियादी बातों पर ध्यान केंद्रित करने के महत्व पर जोर देते हुए अपनी बात समाप्त की। उन्होंने आगे कहा कि आखिरकार, बात यह है कि चाहे कोई भी स्थिति हो, चीजों को सरल रखना चाहिए।

आरसीबी के खिलाफ करो या मरो के मुकाबले से पहले एमआई को मिली बड़ी राहत,हार्दिक पाण्डयां की वापसी

पीठ की चोट के कारण पिछला मैच न खेल पाने वाले कप्तान हार्दिक पांड्या, आरसीबी के खिलाफ अहम मुकाबले से पहले मुंबई इंडियंस टीम में वापस आ गए हैं। प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए संघर्ष कर रही मुंबई के लिए पांड्या की वापसी बेहद महत्वपूर्ण है और उनके टीम के साथ अभ्यास करने की उम्मीद है। कप्तान और स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या पीठ में खिंचाव के कारण पिछला मैच न खेल पाने के बाद रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ आईपीएल 2026 के अहम मुकाबले से पहले रायपुर में मुंबई इंडियंस (एमआई) टीम में शामिल हो गए हैं। इस खबर की पुष्टि फ्रेंचाइजी के इंस्टाग्राम पेज पर हुई, जहां उन्होंने कप्तान हार्दिक की एक तस्वीर साझा की। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ आईपीएल 2026 के पिछले मैच में सूर्यकुमार यादव ने हार्दिक की जगह टीम की कप्तानी की थी।मुंबई की एलएसजी पर शानदार जीत के बाद, मैच के बाद की प्रेस कॉन्फ्रेंस में रयान रिकेल्टन ने हार्दिक की चोट को लेकर जताई चिंताओं पर बात की। रिकेल्टन ने कहा कि मुझे नहीं पता कि वह कब तक वापसी करेंगे। मुझे आज दोपहर पता चला कि उनकी पीठ में ऐंठन है, इसलिए मुझे चोट की गंभीरता का पता नहीं है। मैं इसे चोट नहीं कहना चाहताय मुझे नहीं पता कि चोट कितनी गंभीर है या उन्हें कैसा महसूस हो रहा है। लेकिन मुझे यकीन है कि वह इस सप्ताह रायपुर जाने वाले हमारे दौरे में टीम

के साथ होंगे।शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में एक पूर्ण प्रशिक्षण सत्र निर्धारित है, और उम्मीद है कि पांड्या शुक्रवार को टीम के साथ नेट पर अभ्यास करेंगे। मौजूदा चौंपियन आरसीबी रविवार शाम को पांच बार की चौंपियन मुंबई इंडियंस की मेजबानी करेगी। सात हार और तीन जीत के साथ मुंबई इंडियंस अंक तालिका में नौवें स्थान पर है और प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए उसे अपने सभी बचे हुए मैच जीतने होंगे।

आईपीएल 2026 पर हनी ट्रैप का साया, बीसीसीआई ने खिलाड़ियों के कमरों में बाहरी लोगों की एंट्री की बैन

आईपीएल में हनी ट्रैप और सुरक्षा जोखिमों के खतरे को देखते हुए बीसीसीआई ने कड़ा कदम उठाते हुए खिलाड़ियों के होटल कमरों में अनधिकृत प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। अब किसी भी मेहमान के लिए टीम मैनेजर से लिखित अनुमति लेना अनिवार्य होगा, ताकि दुर्व्यवहार और प्रोटोकॉल उल्लंघन की घटनाओं को रोका जा सके। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने संभावित 'हनी ट्रैप, कानूनी दायित्व और सुरक्षा जोखिमों' के प्रति आगाह करते हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खिलाड़ियों, सहयोगी स्टाफ के सदस्यों और टीम अधिकारियों के होटल के कमरों में अनधिकृत लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है, क्योंकि बोर्ड की भ्रष्टाचार विरोधी इकाई (एसीयू) ने 'दुर्व्यवहार और प्रोटोकॉल के उल्लंघन' की घटनाओं को उजागर किया था। बीसीसीआई ने आईपीएल की 10 फ्रेंचाइजी के लिए जारी एक पत्र में कहा है कि खिलाड़ियों और अधिकारियों के कमरों में मेहमानों के प्रवेश के लिए टीम मैनेजरों से लिखित अनुमति लेना अनिवार्य होगी। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने 10 फ्रेंचाइजी के सीईओ को जो पत्र लिखा है, उसकी एक प्रति पीटीआई के पास है। सैकिया ने पत्र में कहा है, ''मौजूदा सत्र के दौरान कुछ घटनाओं को देखते हुए यह सलाह जारी की गई है और इसका उद्देश्य आईपीएल से जुड़े सभी हितधारकों से अपेक्षित पेशेवरपन, अनुशासन, सुरक्षा जागरूकता और प्रोटोकॉल का पालन करने के मानकों को मजबूत करना है।'' बीसीसीआई के संज्ञान में आया है कि आईपीएल के मौजूदा सत्र के दौरान खिलाड़ियों, सहयोगी स्टाफ के सदस्यों और टीम अधिकारियों से जुड़े दुर्व्यवहार और प्रोटोकॉल उल्लंघन की कुछ घटनाएं हुई

हैं।सैकिया ने पत्र की प्रस्तावना में कहा, ''यदि इन घटनाओं पर ध्यान नहीं दिया गया, तो टूर्नामेंट, संबंधित फ्रेंचाइजी और शासी निकाय के रूप में बीसीसीआई की प्रतिष्ठा को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। इससे व्यक्तियों और फ्रेंचाइजी को गंभीर कानूनी दायित्व और सुरक्षा जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है।'' बीसीसीआई ने कहा कि यह देखा गया है कि कुछ खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के सदस्यों ने संबंधित आईपीएल फ्रेंचाइजी टीम के मैनेजर की जानकारी या अनुमति के बिना अनधिकृत व्यक्तियों को होटल के अपने कमरों में प्रवेश करने की अनुमति दी है।'' पत्र में कहा गया हे, ''कई मामलों में टीम मैनेजर को ऐसे मेहमानों की उपस्थिति के बारे में बिल्कुल भी पता नहीं था। इस चलन को तत्काल प्रभाव से सख्ती से प्रतिबंधित किया जाता है।'' सभी खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के सदस्यों को अब एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) दी गई है जिसका पालन टूर्नामेंट की पूरी अवधि के दौरान करना आवश्यक होगा। इसमें कहा गया है, ''टीम मैनेजर की पूर्व सूचना और स्पष्ट लिखित स्वीकृति के बिना खिलाड़ी या सहायक स्टाफ सदस्य के होटल के कमरे में किसी अन्य व्यक्ति को प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।''पत्र के अनुसार ''बीसीसीआई सभी फ्रेंचाइजी का ध्यान शीर्ष स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में लक्षित यौन शोषण और 'हनी ट्रैपिंग' (सुनियोजित जासूसी या ब्लैकमेलिंग का तरीका, जिसमें किसी व्यक्ति को प्रेम, यौन आकर्षण या भावनात्मक प्रलोभन में फंसाया जाता है) के जोखिमों की तरफ आकर्षित करता है।'' बोर्ड ने कहा, ''ऐसी घटनाओं की संभावना को नकारा नहीं जा सकता जिनसे गंभीर कानूनी आरोप लग सकते हैं, जिनमें यौन दुर्व्यवहार से संबंधित लागू भारतीय कानूनों के तहत आरोप भी शामिल हैं। आईपीएल फ्रेंचाइजी को ऐसे जोखिमों को कम करने के लिए हर समय सतर्क और सक्रिय रहना चाहिए।'' इसमें खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के सदस्यों को अपने नामित सुरक्षा अधिकारी (एसएलओ) और टीम इंटीग्रिटी अधिकारी (टीआईओ) को सूचित किए बिना 'अनियमित समय' पर टीम के होटलों से बाहर निकलने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। सैकिया ने कहा कि बीसीसीआई या आईपीएल संचालन परिषद दिशा निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए समय–समय पर जांच कर सकते हैं और उल्लंघन करने पर संबंधित खिलाड़ी, सहायक स्टाफ और टीम अधिकारी पर वित्तीय दंड से लेकर निलंबन या अयोग्यता तक के प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं।बीसीसीआई ने उन अज्ञात टीम मालिकों द्वारा किए गए उल्लंघनों का भी जिक्र किया गया है जिन्होंने खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों की पहुंच वाले क्षेत्रों की (पीएमओए) की पवित्रता को नहीं बनाए रखा है। बोर्ड ने कहा, ''ऐसे मामले सामने आए हैं जिनमें आईपीएल फ्रेंचाइजी मालिक मैच के दौरान खिलाड़ियों से बातचीत करने, उनके पास जाने, उन्हें गले लगाने या किसी अन्य प्रकार से शारीरिक रूप से संपर्क करने का प्रयास करते हैं।'' पत्र के अनुसार, ''भले ही ऐसा व्यवहार सद्भावना से किया गया हो, लेकिन यह प्रोटोकॉल का सीधा उल्लंघन है और टीम की कार्यप्रणाली और मैच के संचालन में हस्तक्षेप माना जा सकता है।''इस तरह से बीसीसीआई ने मैच के दौरान मालिकों को खिलाड़ियों से बातचीत करने से प्रतिबंधित कर दिया है। बीसीसीआई ने कहा, ''आईपीएल फ्रेंचाइजी के मालिकों और उनके प्रतिनिधियों को मैच के दौरान डगआउट, ड्रेसिंग रूम या मैदान में खिलाड़ियों या टीम के अधिकारियों के साथ संवाद करने या शारीरिक रूप से उन तक पहुंचने से सख्ती से प्रतिबंधित किया गया है।'' इसमें कहा गया है, ''सभी फ्रेंचाइजी मालिकों को आईपीएल के पीएमओए प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करना होगा। किसी भी प्रकार के उल्लंघन को गंभीरता से लिया जाएगा।'' असम के क्रिकेटर और राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग का मैच के दौरान ड्रेसिंग रूम में वेपिंग (ई–सिगरेट का सेवन) करने से न केवल फ्रेंचाइजी बल्कि बीसीसीआई को भी काफी बदनामी झेलनी पड़ी है। सैकिया ने रियान का नाम लिए बिना लिखा कि ड्रेसिंग रूम और टूर्नामेंट स्थलों के अन्य प्रतिबंधित क्षेत्रों में वेपिंग के मामलों को बीसीसीआई के संज्ञान में लाया गया है।उन्होंने कहा, ''इस पर गौर किया जाना चाहिए की भारतीय कानून के तहत ई–सिगरेट प्रतिबंधित हैं।

आईपीएल पोइंट टेवल में मचेगा घमासान,रास्थान रायल से आगे निकलने पर गुजरात टाइंन्स की नजर

आईपीएल में आज गुजरात टाइटन्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच अंक तालिका में आगे निकलने की होड़ होगी, जहां दोनों टीमों के 10 मैचों में छह जीत हैं। लगातार तीन जीत से उत्साहित गुजरात की टीम अपनी लय बरकरार रखना

चाहेगी, जबकि राजस्थान को अपनी गेंदबाजी की कमजोरियों को दूर करना होगा, जो हाल ही में बड़े स्कोर का बचाव करने में विफल रही है। आत्मविश्वास से ओतप्रोत गुजरात टाइटन्स शनिवार को यहां राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में अपनी जीत का सिलसिला जारी रखकर अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश करेगा। राजस्थान रॉयल्स और गुजरात की टीम की स्थिति लगभग समान है। इन दोनों ने अब तक 10 मैचों में छह जीत और चार हार दर्ज की हैं। रॉयल्स बेहतर नेट रन रेट (0.510) के कारण गुजरात से आगे है। गुजरात टाइटन्स ने हालांकि लगातार तीन जीत हासिल की हैं और वह शीर्ष चार में जगह बनाने की कोशिश कर रहा है। रॉयल्स को अपने पिछले पांच मैचों में से तीन मैच में हार का सामना करना पड़ा है। रॉयल्स ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपने पिछले मैच में कप्तान रियान पराग के 90 रन की मदद से छह विकेट पर 225 रन बनाए थे लेकिन उसके गेंदबाज इस स्कोर का बचाव नहीं कर पाए थे। यह लगातार दूसरा मौका था जब रॉयल्स 220 से अधिक के स्कोर का बचाव नहीं कर पाया। राजस्थान रॉयल्स हालांकि वैभव सूर्यवंशी (404 रन), यशस्वी जायसवाल (312) और यहां तक घ्धकि ध्रुव जुरेल (290) जैसे शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के कारण काफी मजबूत है, लेकिन उसका मध्य और निचले क्रम के बल्लेबाज अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।इन बल्लेबाजों में केवल डोनोवन फरेरा (229) ही 150 या उससे अधिक रन बना पाए हैं। जुरेल रॉयल्स की बल्लेबाजी का महत्वपूर्ण अंग है लेकिन वह अपेक्षित तेजी से रन नहीं बन पा रहे हैं। जुरेल ने अपनी पिछली तीन पारियों में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 30 गेंदों में 42 रन, 20 गेंदों में 16 रन और 30 गेंदों में 42 रन बनाए हैं। इन आंकड़ों को देखकर स्पष्ट हो जाता है कि सुधार की गुंजाइश है क्योंकि टूर्नामेंट में यह साफ हो गया कि कोई भी स्कोर सुरक्षित नहीं है।आईपीएल का मौजूदा सत्र गेंदबाजों के लिए अच्छा नहीं रहा है और ऐसे में रॉयल्स को विशेष कर बीच के ओवरों में अपनी गेंदबाजी की समस्याओं को दूर करना होगा। गुजरात टाइटंस की टीम इस बात से खुश होगी कि उसने सही समय पर लय हासिल कर ली है। कप्तान शुभमन गिल (378 रन) के प्रदर्शन में निरंतरता है और वह इसे बरकरार रखने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। साई सुदर्शन (385) भी अपनी फॉर्म का पूरा फायदा उठाना चाहेंगे। उन्होंने अपनी पिछली चार पारियों में दो अर्धशतक और एक शतक लगाया है। जोस बटलर (335) के निरंतरता बनाए रखने से गुजरात टाइटन्स का शीर्ष क्रम बेहद मजबूत नजर आता है।उसके पास निचले क्रम में मुश्किल परिस्थितियों से निपटने में माहिर अच्छे फिनिशर भी हैं। गुजरात टाइटंस की गेंदबाजी भी अच्छी है। कैगिसो रबाडा (16 विकेट) तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई बखूबी कर रहे हैं। उसकी टीम रबाडा, प्रसिद्ध कृष्णा (12) और मोहम्मद सिराज (11) की तेज गेंदबाजी तिकड़ी के प्रदर्शन से काफी खुश होगी। यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम में 220 से अधिक के स्कोर का दो बार सफलतापूर्वक पीछा किया जा चुका है, इसलिए टॉस जीतने वाली टीम पहले फील्डिंग करना पसंद करेंगी।टीम इस प्रकार हैंराजस्थान रॉयल्सरू रियान पराग (कप्तान), अमन राव, शुभम दुबे, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जयसवाल, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वैभव सूर्यवंशी, लुआन–ड्रे प्रिटोरियस, रवि सिंह, डोनोवन फरेरा, रवींद्र जडेजा, दासुन शनाका, जोफ्रा आर्चर, ब्रिजेश शर्मा, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे, क्वेना मफाका, एडम मिल्ने, सुशांत मिश्रा, विग्नेश पुथुर, रवि बिश्नोई, संदीप शर्मा, कुलदीप सेन, यशराज पुंजा, युद्धवीर सिंह।

गुजरात टाइटंसरू शुभमन गिल (कप्तान), अनुज रावत, जोस बटलर (विकेटकीपर), कॉनर एस्टरहुइजन, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), बी साई सुदर्शन, एम शाहरुख खान, जेसन होल्डर, ग्लेन फिलिप्स, राशिद खान, निशांत सिद्धू, मानव सुथार, राहुल तेवतिया, वाशिंगटन सुंदर, अरशद खान, अशोक शर्मा, गुरनूर बराड़, कुलवंत खेजरोलिया, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कैगिसो रबाडा, आर साई किशोर, ईशांत शर्मा, ल्यूक वुड, जयंत यादव।

टीम इण्डिया में होगा बड़ा बदलाव! सूर्यकुमार यादव की जगह इस खिलाड़ी को बनाया जा सकता है कप्तान

बीसीसीआई भारतीय टी20 टीम में बड़े नेतृत्व परिवर्तन पर विचार कर रहा है, जिसके तहत श्रेयस अय्यर को सूर्यकुमार यादव की जगह नया कप्तान बनाया जा सकता है। यह फैसला सूर्यकुमार की खराब फॉर्म और 2028 विश्व कप की भविष्य की योजनाओं को देखते हुए लिया जा रहा है, जबकि अय्यर का आईपीएल में कप्तानी रिकॉर्ड शानदार रहा है।भारतीय क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) नेतृत्व में बदलाव की तलाश में है और सूर्यकुमार यादव को भारत के टी20 अंतरराष्ट्रीय कप्तान के पद से हटाकर श्रेयस अय्यर को उनकी जगह कप्तान बनाया जा सकता है। यह उल्लेखनीय है

कि सूर्यकुमार यादव पहले से ही 35 वर्ष के हैं और हाल ही में उन्होंने भारत को टी20 विश्व कप जिताया था। वहीं, श्रेयस अय्यर अपने चरम पर हैं और इस प्रारूप में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं, जिनमें पंजाब किंग्स को आईपीएल 2025 के फाइनल तक पहुंचाना और कोलकाता नाइट राइडर्स को 2024 में तीसरा आईपीएल खिताब दिलाना शामिल है।टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, चयनकर्ता सूर्यकुमार यादव के खराब प्रदर्शन से तंग आ चुके हैं और टीम में कुछ नए खिलाड़ियों को शामिल करना चाहते हैं। यह दिलचस्प है कि भारतीय टीम जल्द ही आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेलेगी, जिसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच होंगे। इस सीरीज में श्रेयस अय्यर टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम की कमान संभाल सकते हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के मामले में भारतीय टीम का शेड्यूल काफी व्यस्त है। 2028 में होने वाले टी20 विश्व कप और लॉस एंजिल्स ओलंपिक को देखते हुए, भारतीय टीम लगातार तीसरी बार टी20 विश्व कप का खिताब जीतने के लिए अपनी टीम में बड़े बदलाव कर सकती है।रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सूर्यकुमार यादव का बल्ले से खराब प्रदर्शन भारत के अगले टी20 कप्तान के रूप में उनकी भूमिका में बदलाव का एक प्रमुख कारण हो सकता है। उन्होंने टी20 विश्व कप में नौ पारियों में 242 रन बनाए, जिनमें से 84 रन उन्होंने अमेरिका के खिलाफ बनाए थे।

घी-पनीर के दम पर पराग मिल्क फूड की बंपर कमाई, फ4 में 40 करोड़ का हुआ 4 क्यू 40 करोड

पराग मिल्क फूड्स ने वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में 23.31: की वृद्धि के साथ 40.14 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया है, जबकि कुल आय भी बढ़कर 945.34 करोड़ रुपये हो गई। कंपनी ने पूरे वित्त वर्ष के लिए भी 15: की मुनाफा वृद्धि के साथ मजबूत वित्तीय प्रदर्शन का संकेत दिया है। नयी दिल्ली, आठ मई पराग मिल्क फूड्स का वित्त वर्ष 2025–26 की चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ 23.31 प्रतिशत बढ़कर 40.14 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का वित्त वर्ष 2024–25 की चौथी (जनवरी–मार्च) तिमाही में शुद्ध मुनाफा 32.55 करोड़ रुपये था। पराग मिल्क फूड्स ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में कुल आय बढ़कर 945.34 करोड़ रुपये हो गई जो एक वर्ष पहले इसी अवधि में 918.25 करोड़ रुपये थी। खर्च भी 898.79 करोड़ रुपये से बढ़कर 924.06 करोड़ रुपये हो गया।समूचे वित्त वर्ष 2025–26 में कंपनी का शुद्ध लाभ 152.39 करोड़ रुपये रहा जो 2024–25 के 132.59 करोड़ रुपये से 15 प्रतिशत अधिक है।

फिल्म बंदर का टीजर जारी, डेटिंग ऐप के चक्कर में घनचक्कर बने बाबी देओल

अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी फिल्म बंदर का टीजर जारी हो गया है। इसमें मुख्य किरदार निभा रहे बॉबी देओल का बिल्कुल अलग अवतार देखने को मिला है, जो पहले कभी नहीं दिखा। इसका वर्ल्ड प्रीमियर प्रतिष्ठित टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2025 में हुआ था, जहां फिल्म ने वैश्विक स्तार पर तारीफें बटोरी थीं। जी स्टूडियो द्वारा निर्मित यह फिल्म 5 जून, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।फिल्म का टीजर 1 मिनट 22 सेकंड लंबा है, जिसकी शुरुआत बॉबी से होती है। चमकीले कपड़े और चश्मा लगाकर वह एक क्लब में एंट्री करते हैं और गिटार की धुन पर सबको नचाते हैं। कहानी मोड़ लेती है, जब वह डेटिंग ऐप के झमेले में फंसकर बंदर, यानी मूर्ख बन जाते हैं। उन्हें जेल जाना पड़ता है। कुल मिलाकर कहानी फर्जी डेटिंग ऐप के आसपास घूमती है। सान्या मल्होत्रा, सबा आजाद और सपना पब्बी भी फिल्म का हिस्सा हैं।अनुराग कश्यप के निर्देशन में तैयार यह फिल्म आध ुनिक भारत के मी टू आंदोलन के बाद उपजे पेचीदा हालातों और उसके सामाजिक–कानूनी परिणामों की पड़ताल करती है। कहानी का केंद्र समर है, जो कभी टेलीविजन का चमकता सितारा हुआ करता था, लेकिन अब उसका करियर पतन की ओर है। तनाव तब बढ़ता है जब समर की पूर्व प्रेमिका गायत्री उन पर बलात्कार जैसा गंभीर आरोप लगा देती है। यह कानूनी कार्रवाई तब होती है जब समर उससे सारे रिश्ते खत्म कर लेता है। इसके बाद शुरू होता है समर की गिरफ्तारी और कानूनी दांव–पेंचों का एक ऐसा अंतहीन सिलसिला, जहाँ व्यवस्था का लक्ष्य न्याय करना नहीं, बल्कि उसे कुचलना प्रतीत होता है। यह फिल्म सत्ता के बेजा इस्तेमाल, सिस्टम के भीतर फैले भ्रष्टाचार और प्रशासनिक विफलताओं को बेहद तीखे और बेबाक अंदाज में पेश करने का दावा करती है।बंदर की कहानी को और भी मजबूती देती है इसकी राइटिंग टीम। इसे सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी की मशहूर जोड़ी ने लिखा है, जो पाताल लोक, कोहरा और उड़ता पंजाब जैसी सघन कहानियों के लिए जाने जाते हैं। उनकी लेखनी और अनुराग कश्यप के डायरेक्शन का मेल फिल्म में एक अलग तरह की इंटेंसिटी पैदा कर रहा है। टीजर की लय जैसे–जैसे आगे बढ़ती है, सस्पेंस और पागलपन का ग्राफ तेजी से ऊपर जाता है, जो दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर देता है कि आखिर बंदर की असली बिसात क्या है।फिल्म में केवल बॉबी देओल ही नहीं, बल्कि कलाकारों की एक पूरी फौज है जो अपनी एक्टिंग के लिए मशहूर है। सान्या मल्होत्रा, राज बी शेट्टी, सपना पब्बी, सबा आजाद और जितेंद्र जोशी जैसे सितारों की मौजूदगी इसे एक पावर–पैक प्रोजेक्ट बनाती है। निखिल द्विवेदी की सैफरन मैजिकवर्क्स द्वारा निर्मित और जी स्टूडियोज के सहयोग से बनी यह फिल्म 5 जून 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। एनिमल की सफलता के बाद बॉबी देओल को इस बिल्कुल नए और अतरंगी अवतार में देखना उनके फैंस के लिए किसी बड़े सरप्राइज से कम नहीं होने वाला है।

मानुषी छिल्लर के साथ हिमेश रेशमिया जमाएंगे रंग, शराब का फर्स्ट लुक आउट

मशहूर गायक और संगीतकार हिमेश रेशमिया एक बार फिर अपने प्रशंसकों के लिए नया गाना शराब लेकर आ रहे हैं। यह एक हाई–एनर्जी ट्रैक है, जिसका फर्स्ट लुक गायक ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया। इस गाने की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें पहली बार हिमेश रेशमिया और अभिनेत्री मानुषी छिल्लर नजर आने वाली हैं। इस जोड़ी को एक साथ पर्दे पर देखना दर्शकों के लिए काफी रोमांचक अनुभव होने वाला है। इस म्यूजिक वीडियो का निर्देशन और कोरियोग्राफी मशहूर जोड़ी पीयूष और शाजिया ने की है, जो अपने अनोखे डांस स्टेप्स के लिए जाने जाते हैं। गाने को खुद हिमेश रेशमिया ने गाया है, लेकिन इस बार संगीत की कमान रजत नागपाल ने संभाली है। गाने के बोल राणा सोतल ने लिखे हैं, जिनसे उम्मीद की जा रही है कि वे युवाओं की पसंद को ध यान में रखकर तैयार किए गए हैं। हिमेश रेशमिया ने इंस्टाग्राम पर गाने का पोस्टर शेयर कर लिखा, जय माता दी। चलो धमाल मचाते हैं। एक बार सुनना काफी नहीं होगा। शराब के लिए बने रहें। टीजर सिर्फ यूट्यूब चौनल पर आएगा।गाने के पोस्टर का फर्स्ट लुक आते ही फैंस काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। हाई–एनर्जी गानों के लिए मशहूर हिमेश और ग्लैमरस मानुषी छिल्लर की केमिस्ट्री इस गाने में कैसी दिखेगी, यह देखना दिलचस्प होगा। पोस्टर को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह एक स्टाइलिश और बड़े स्तर पर फिल्माया गया म्यूजिक वीडियो होगा।हिमेश रेशमिया के नॉन–फिल्मी एल्बमों ने भारतीय संगीत जगत पर अपनी गहरी छाप छोड़ी है। उनके एल्बम आप का सुरूर की कथित तौर पर 55 मिलियन से ज्यादा कॉपियां बिकीं, जिससे यह दुनिया का सबसे ज्यादा बिकने वाला नॉन–फिल्मी एल्बम बन गया। यह सिर्फ थ्रिलर के बाद दूसरे नंबर पर है। फिलहाल, हिमेश सलमान खान की बहुचर्चित वॉर ड्रामा फिल्म मातृभूमिरू मे वॉर रेस्ट इन पीस के संगीत पर काम करने में व्यस्त हैं।

उर्वशी रौतेला की वापसी से और दमदार होगा इंस्पेक्टर अविनाश सीजन 2, बोलीं- इस किरदार ने मुझे भीतर तक बदल दिया

क्राइम और सस्पेंस से भरपूर वेब सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश एक बार फिर दर्शकों के बीच लौटने जा रही है। मेकर्स ने इसके दूसरे सीजन का ऐलान कर दिया है और इस बार कहानी पहले से ज्यादा रोमांच से भरी होगी। सीरीज में एक बार फिर उर्वशी रौतेला अहम किरदार निभाती नजर आएंगी। वह इस रोल को अपने करियर के सबसे खास किरदारों में से एक मानती हैं।

उर्वशी रौतेला ने कहा, मेरे लिए इंस्पेक्टर अविनाश सिर्फ एक सीरीज नहीं, बल्कि एक भावनात्मक सफर रहा है। मेरा किरदार असली जिंदगी से प्रेरित है, इसलिए इसे मैंने जिम्मेदारी के साथ निभाने की कोशिश की है। निर्देशक नीरज पाठक की लिखी स्क्रिप्ट ने मुझपर काफी प्रभाव डाला है। जैसे ही मैंने कहानी पढ़ी, मुझे महसूस हुआ कि यह किरदार सिर्फ अभिनय करने का मौका नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है।उन्होंने कहा, सीरीज का दूसरा सीजन अपराध ा और पुलिस की दुनिया को गहराई से दिखाएगा। हालांकि, इस बार कहानी सिर्फ अपराध और जांच तक सीमित नहीं रहेगी। इसमें उन परिवारों की जिंदगी को भी दिखाया जाएगा, जो पुलिस अधिकारियों के साथ हर मुश्किल दौर में खड़े रहते हैं। मेरा किरदार इसी भावनात्मक पक्ष को सामने लाएगा।सीरीज यह दिखाने की कोशिश करेगी कि एक पुलिस अधिकारी की नौकरी सिर्फ उसी इंसान को नहीं, बल्कि उसके पूरे परिवार को प्रभावित करती है। उनके परिवारों को भी डर, तनाव और त्याग के साथ जीना पड़ता है। अपने किरदार को असली बनाने के लिए उर्वशी ने काफी मेहनत की। उन्होंने बताया, तैयारी के दौरान मैं असली इंस्पेक्टरअविनाश मिश्रा की पत्नी से मिलीं।मुझे उनकी सादगी, ध ैर्य और मानसिक मजबूती ने काफी प्रभावित किया। उनके साथ समय बिताने के बाद मुझे समझ आया कि पुलिस अधिकारी की पत्नी होना कितना मुश्किल होता है। बाहर से यह जिंदगी सामान्य दिख सकती है, लेकिन अंदर ही अंदर बहुत संघर्ष और चिंता छिपी होती है। इसी अनुभव ने मुझे अपने किरदार को और बेहतर तरीके से समझने में मदद की।उर्वशी ने कहा, मैंने इस किरदार के लिए करीब दो साल तक तैयारी की। छोटी–छोटी आदतों और व्यवहार को समझने की कोशिश की। बोलने का तरीका, बॉडी लैंग्वेज, चलने का अंदाज और यहां तक कि साड़ी पहनने के तरीके तक पर भी ध्यान दिया। मैं चाहती हूं कि दर्शकों को मेरा किरदार पूरी तरह असली लगे। उन्होंने कहा, यह किरदार मेरे पिछले सभी किरदारों से काफी अलग है ।

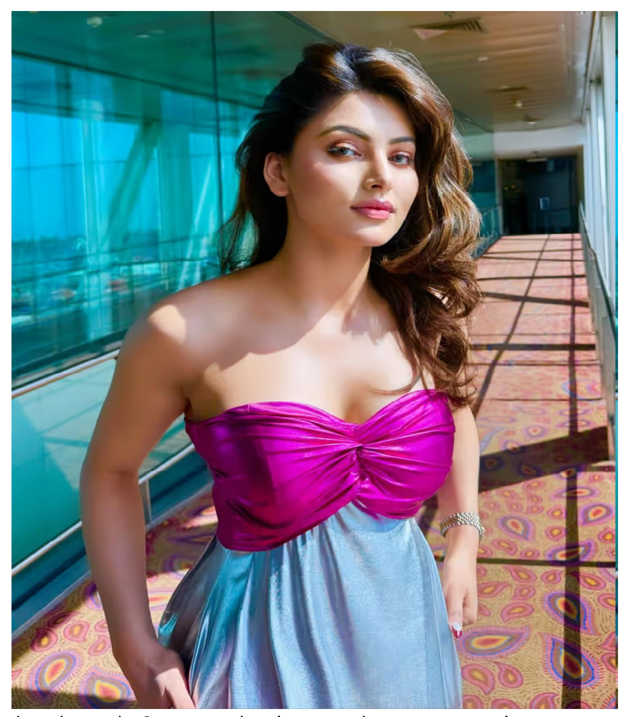

फिटनेस के सफर में निरंतर बने रहने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके

फिटनेस का सफर एक ऐसा रास्ता है, जिस पर निरंतरता बहुत जरूरी होती है। चाहे आप जिम जाएं या घर पर व्यायाम करें, नियमितता से ही आप अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने फिटनेस रूटीन को निरंतर बनाए रख सकते हैं और अपने स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं। इन तरीकों से आपका फिटनेस सफर आसान और सुखद हो जाएगा।रोजाना एक ही समय पर व्यायाम करेंरोजाना एक समय पर व्यायाम करने से आपके शरीर को एक नियमित समय का अंदाजा हो जाता है, जिससे वह उसे अपना लेता है और आपको व्यायाम की आदत पड़ जाती है। इससे आपका मन भी तैयार रहता है और आप नियमित रूप से अपनी फिटनेस गतिविधियों को जारी रख सकते हैं। चाहे सुबह हो या शाम, किसी भी समय चुनें और उसे दिनचर्या का हिस्सा बनाएं ताकि आप निरंतर बने रहें और अपने फिटनेस लक्ष्यों को हासिल कर सकें।छोटे–छोटे लक्ष्य बनाएंबड़े लक्ष्यों को पाने के लिए छोटे–छोटे लक्ष्य बनाना बहुत जरूरी होता है। इससे आपको अपनी प्रगति का पता चलता रहता है और आप प्रेरित रहते हैं। उदाहरण के लिए अगर आपका लक्ष्य वजन कम करना है, तो पहले हफ्ते में 500 ग्राम कम करने का लक्ष्य रखें, फिर धीरे–ध ीरे इसे बढ़ाएं। इस तरह आप अपने फिटनेस सफर में निरंतर बने रहेंगे और अपने बड़े लक्ष्य को आसानी से हासिल कर सकेंगे।व्यायाम का आनंद लेंअगर आप अपने व्यायाम को मजेदार बनाएंगे, तो आप इसे लंबे समय तक जारी रख पाएंगे। इसके लिए आप अपनी पसंदीदा गतिविधियों जैसे नाच, साइकिल चलाना या तैरना आदि को अपनी फिटनेस रूटीन में शामिल कर सकते हैं। इससे न केवल आपका शरीर स्वस्थ रहेगा बल्कि आपका मन भी खुश रहेगा और आप निरंतर बने रहेंगे। इसके अलावा आप नए–नए तरीके आजमा सकते हैं, ताकि आपकी व्यायामकभी उबाऊ न लगे और आप हमेशा प्रेरित रहें।दूसरे लोगों के साथ व्यायाम करें ूसरों के साथ व्यायाम करने से आपको प्रेरणा मिलती है और आप अकेलापन महसूस नहीं करते। समूह कक्षाएं, दोस्तों या परिवार वालों के साथ व्यायाम करने से व्यायाम रुचिकर बनती है और आप इसे नियमित रूप से जारी रख पाते हैं। इससे न केवल आपका शरीर फिट रहता बल्कि आपका मनोबल भी ऊंचा रहता है। समूह व्यायाम से आप नई तकनीकें सीख सकते हैं और एक–दूसरे की मदद कर सकते हैं, जिससे फिटनेस सफर और भी सफल हो सकता है।आराम करना भी है जरूरी निरंतरता बनाए रखने का मतलब यह नहीं कि आप बिना रुके काम करते रहें। शरीर को आराम देना उतना ही जरूरी है, जितना कि व्यायाम करना। पर्याप्त नींद लें, हफ्ते में एक–दो दिन आराम करें ताकि आपका शरीर ठीक हो सके और अगली बार जब आप व्यायाम करें तो पूरी ऊर्जा के साथ कर सकें। इससे न केवल आपकी फिटनेस बेहतर होगा बल्कि आप मानसिक रूप से भी तरोताजा महसूस करेंगे।

संजय दत्त की फिल्म आखिरी सवाल को मिली नई रिलीज तारीख, आज आएगा ट्रेलर

संजय दत्त की फिल्म आखिरी सवाल लंबे समय से चर्चा में है। पिछले महीने निर्देशक अभिजीत मोहन वारंग ने फिल्म की रिलीज तारीख बताई थी, जो 8 मई थी। हालांकि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से मंजूरी न मिलने के कारण न तो फिल्म तय समय पर रिलीज होने के लिए तैयार थी और न इसका ट्रेलर आ सका। हालांकि अब रिलीज का रास्ता साफ हो गया है। निर्माताओं ने नई तारीख के साथ ट्रेलर पर भी अपडेट दिया है। आखिरी सवाल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के 100 साल के सफर और इतिहास पर आधारित है। यह महात्मा गांधी की हत्या के बाद आरएसएस पर लगे बैन और बाबरी मस्जिद विध्वंस जैसी घटनाओं पर सवाल उठाती है। संजय इसमें प्रोफेसर गोपाल नाडकर्णी की भूमिका में हैं। उनके साथ अमित साध, समीरा रेड्डी और नीतू चंद्रा जैसे कलाकार भी शामिल हैं। फिल्म अब 15 मई को हिंदी, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषा में रिलीज होगी, जबकि ट्रेलर 8 मई को आएगा। मेकर्स ने फिल्म की पूरी स्टार कास्ट को दिखाते हुए एक शानदार नया पोस्टर जारी किया है और आधिकारिक तौर पर फिल्म की भव्य सिनेमाई रिलीज की तारीख 15 मई 2026 घोषित कर दी है।

बालीवुड एक्ट्रेस अनन्या पाडे इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म चांद मेरा दिल को लेकर सुर्खियों में

हैं. इस फिल्म के हीरो लक्ष्य हैं. ये रोमांटिक ड्रामा फिल्म 22 मई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. अनन्या आजकल फिल्म के प्रमोशन में बिजी हैं. अब इस बीच अनन्या पांडे ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वो पिंक कलर का अनारकली सूट पहने नजर आ रही हैं. उनकी ये फोटोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं.बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर करती रहती है. उन्होंने हाल ही में फैंस के बीच अपना ट्रेडिशनल लुक शेयर किया, जिसमें वो पेस्टल पिंक कलर का सूट पहने नजर आ रही हैं. इस सूट पर गोल्डन बॉर्डर का बारीक काम उनके लुक को रिच और एलीगेंट टच दे रहा है. सॉफ्ट, एलीगेंट और ट्रेडिशनल वाइब से भरपूर अनन्या पांडे का यह लुक बेहद ग्रेसफुल लग रहा है. उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं.

अनन्या पांडे ने अपने लुक को पूरा करने के लिए हल्का और नेचुरल मेकअप किया है. उन्होंने अपने बालों को स्लीक बन में बांधा है, जिसे पिंक फूलों से सजाया गया है, जो उनके पूरे लुक को और भी एलीगेंट बना रहा है. अनन्या पांडे ने इस लुक के साथ स्टेटमेंट ईयररिंग्स कैरी किए, जो आकर्षक होने के बावजूद ओवरडोन नहीं लगे और पूरे लुक को खूबसूरती से बैलेंस किया. कुल मिलाकर, अनन्या का ये अंदाज मिनिमल एलिगेंस और ट्रेडिशनल चार्म का परफेक्ट कॉम्बिनेशन नजर आया. अनन्या इस ट्रेडिशनल लुक में बेहद खूबसूरत लग रही हैं. एक्ट्रेस का ये लुक उनके फैंस को भी काफी पसंद आ रहा है. उनके इस पोस्ट पर फैंस लगातार कमेंट कर रहे हैं. अनन्या पांडे ने फोटोज शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, कितने चांद, स्पॉट किए आपने? बता दें कि अनन्या पांडे की फिल्म चांद मेरा दिल के प्रोड्यूसर करण जौहर हैं. वहीं, विवेक सोनी इस फिल्म को डायरेक्ट किया है. ।

सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश सीजन 2 का ट्रेलर जारी, रणदीप हुड्डा फिर दिखेंगे दमदार अवतार में

अभिनेता रणदीप हुड्डा की आने वाली वेब सीरीज श्इंस्पेक्टर अविनाशश् के सीजन 2 का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। यह क्राइम–थ्रिलर सीरीज जियो हॉटस्टार पर 15 मई 2026 को प्रसारित की जाएगी। उत्तर प्रदेश के सुपरकॉप की असली कहानी से प्रेरित इस सीरीज का पहला भाग काफी पसंद किया गया था। सीजन के दूसरे भाग के ट्रेलर में इस बार कहानी पहले से ज्यादा एक्शन से भरपूर नजर आने वाली है। 90 के दशक के उत्तर प्रदेश की पृष्ठभूमि पर आधारित इस सीजन में इंस्पेक्टर अविनाश मिश्रा की लड़ाई सिर्फ अपराधियों से नहीं, बल्कि सिस्टम और निजी जिंदगी के संकटों से भी होती दिखेगी। सीजन 2 में कहानी तब और जटिल हो जाती है जब अविनाश का बेटा एक हत्या मामले में फंस जाता है, वहीं उसकी शादीशुदा जिंदगी भी टूटने के कगार पर पहुंच जाती है। ट्रेलर में अपराध, राजनीति और भ्रष्टाचार के खतरनाक गठजोड़ के खिलाफ उसकी जंग को दमदार तरीके से दिखाया गया है। इस सीरीज में उर्वशी रौतेला, अमित सियाल, अभिमन्यु सिंह और शालिन भनोट जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। निर्देशक नीरज पाठक के निर्देशन में बनी यह सीरीज पहले सीजन से कहीं ज्यादा बड़े पैमाने और एक्शन के साथ वापसी कर रही है। ट्रेलर ने साफ कर दिया है कि इस बार कहानी और भी ज्यादा रोमांचक, और इमोशनल होने वाली है।

राजा शिवाजी की कमाई में मामूली गिरावट, फिर भी तोड़ा इन फिल्मों का रिकार्ड

रितेश देशमुख की पीरियड ड्रामा फिल्म राजा शिवाजी बॉक्स ऑफिस पर अपना दमखम दिखा रही है। एक हफ्ता पूरा करने जा रही इस फिल्म को हिंदी के साथ मराठी संस्करण में रिलीज किया गया था। इन 6 दिनों के अंदर फिल्म को मराठी दर्शकों से बड़ा फायदा मिलता दिखा है और यही कारण है कि इसने अब तक 6 फिल्मों का रिकॉर्ड चकनाचूर कर दिया है। रितेश की राजा शिवाजी मराठी सिनेमा की चौथी सबसे बड़ी फिल्म बन चुकी है।सैकनिल्क के मुताबिक, राजा शिवाजी ने रिलीज के 6वें दिन, यानी पहले बुधवार को 4.25 करोड़ रुपये कमाए हैं। इसमें हिंदी संस्करण से 1.25 करोड़ और मराठी संस्करण से 3 करोड़ रुपये शामिल हैं। चूकि 5वें दिन कलेक्शन 4.90 करोड़ रुपये था। ऐसे में कमाई में मामूली गिरावट देखने को मिली है। हालांकि बॉक्स ऑफिस पर राजा शिवाजी ने अब तक कुल 48.65 करोड़ रुपये का नेट कारोबार कर लिया है। जल्द फिल्म 50 करोड़ के क्लब में शामिल होगी।राजा शिवाजी ने मराठी सिनेमा में चौथी सबसे बड़ी फिल्म बनने का गौरव हासिल किया है। इसने अब तक नटसम्राट (42 करोड़), पवनखिंड (37.72 करोड़), लाई भारी (37 करोड़), कट्यार कलजात घुसाली (35 करोड़), ठाकरे (31.6 करोड़) और टाइमपास (30 करोड़) का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया

स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

सम्पादक–शील कुमार शुक्ला

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।